हिन्दी दैनिक
प्रत्यूष नवबिहार
जोहार
रांची संस्करण
www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com
रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित
रांची • शुक्रवार • 31.01.2025 • वर्ष : 15 • अंक : 189 • पृष्ठ : 12 • आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये

नेशनल क्रिटिकल मिनरल मिशन का उद्देश्य आयात निर्भरता को कम करना : प्रधानमंत्री

एजेंसी

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि नेशनल क्रिटिकल मिनरल मिशन (एनसीएमएम) का उद्देश्य आयात पर निर्भरता कम करना, घरेलू मूल्य श्रृंखलाओं को मजबूत करना और भारत के '2070 तक शुद्ध शून्य' लक्ष्य को समर्थन देना है। केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी द्वारा नेशनल क्रिटिकल मिनरल मिशन (एनसीएमएम) पर लिखे गए एक लेख पर प्रतिक्रिया देते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर लिखा, केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी ने विस्तार से बताया कि कैसे राष्ट्रीय महत्वपूर्ण खनिज मिशन का उद्देश्य आयात निर्भरता को कम करना, घरेलू मूल्य श्रृंखलाओं को मजबूत करना और भारत के 2070 तक नेट जीरो लक्ष्य का समर्थन करना है। केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी ने एक्स पर अपना एक लेख साझा करते हुए एनसीएमएम को मंजूरी देने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मंत्रिमंडल का आभारी व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि एनसीएमएम आर्थिक विकास सुनिश्चित करेंगे और ऊर्जा सुरक्षा, राष्ट्रीय सुरक्षा और खाद्य सुरक्षा भी प्रदान करेंगे क्योंकि ये खनिज ऊर्जा संक्रमण, इलेक्ट्रिक वाहन, बैटरी और ऊर्जा भंडारण प्रणाली, एयरोस्पेस और रक्षा जैसे क्षेत्रों और रसायनों और उर्वरकों के उत्पादन में आवश्यक हैं। रेड्डी ने कहा कि उनके लेख में नेशनल क्रिटिकल मिनरल मिशन और इसके परिणामों पर चर्चा की गई है जिसमें महत्वपूर्ण खनिज ब्लॉकों की घरेलू खोज और नीलामी, विदेशी खदानों का अधिग्रहण, महत्वपूर्ण खनिजों का भंडारण, बड़ी संख्या में कुशल पेशेवरों का निर्माण और कई पेटेंटों के निर्माण के लिए केंद्रित अनुसंधान शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को 16,300 करोड़ रुपये के व्यय और सार्वजनिक उपक्रमों आदि द्वारा 18,000 करोड़ रुपये के अपेक्षित निवेश के साथ नेशनल क्रिटिकल मिनरल मिशन (एनसीएमएम) के शुभारंभ को मंजूरी दी। इसका उद्देश्य महत्वपूर्ण खनिजों से संबंधित खनन परियोजनाओं के लिए एक फास्ट ट्रैक नियामक अनुमोदन प्रक्रिया का निर्माण करना है।

प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की

नई दिल्ली : कृतज्ञ राष्ट्र गुरुवार को महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सत्य और अहिंसा का मार्ग प्रशस्त करने वाले राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का पुण्य स्मरण करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज सुबह एक्स हैंडल पर लिखा, "पूज्य बापू को उनकी पुण्य तिथि पर श्रद्धांजलि। उनके आदर्श हमें विकसित भारत के निर्माण के लिए प्रेरित करते हैं। मैं देश के लिए शहीद सभी लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं और उनकी सेवा और बलिदान को याद करता हूं।" बापू की पुण्यतिथि पर भाजपा ने एक्स पर पोस्ट किया, "विश्व में सत्य और अहिंसा का मार्ग प्रशस्त करने वाले राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर कोटि-कोटि नमन।"

छत्तीसगढ़ में 52 लाख रुपये के इनामी नौ नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

एजेंसी

सुकमा : छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में नक्सली संगठन सक्रिय में पीएलजीए बटालियन नंबर 01 में सक्रिय दो नक्सली दम्पति सहित नौ हार्डकोर नक्सलियों ने गुरुवार को आत्मसमर्पण किया। आत्मसमर्पित नक्सलियों पर छग शासन ने 52 लाख रुपये इनाम घोषित है। आत्मसमर्पित दो पुरुष और चार महिला नक्सली पर आठ-आठ लाख, एक महिला पर दो लाख, दो महिला नक्सलियों पर एक-एक लाख कुल 52 लाख रुपये का इनाम घोषित है। एसपी किरण चव्हाण ने बताया कि छत्तीसगढ़ शासन की छत्तीसगढ़ नक्सलवाद उन्मूलन पुनर्वास नीति₹ एवं सुकमा पुलिस द्वारा चलाये जा रहे नियद नेल्ला नार योजना से प्रभावित होकर तथा अति संवेदनश अंदरूनी क्षेत्रों में लगातार कैम्प स्थापित होने से पुलिस के बढ़ते प्रभाव से नक्सली संगठन में दो नक्सली दम्पति सहित कुल नौ

नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। आत्मसमर्पित नक्सली 30 वर्षीय कलमू मंगडू (पीएलजीए बटालियन नंबर कम्पनी नंबर 02 सेक्शन ए का डिप्टी कमाण्डर, पीपीसीएम, इनामी आठ लाख) निवासी मोरप जोन्नापारा थाना चिंतलनार जिला सुकमा, 25 वर्षीय महिला माड़वी पत्नी कलमू मंगडू (दक्षिण बस्तर बटालियन नम्बर 01 कम नम्बर 02 (बी) सेक्शन पार्टी सदस्या, इनामी आठ लाख) निवासी दोरामंगू थाना कोंटा जिला सुकमा, 22 वर्षीय समीर उर्फ मिड़ियम सुक्का (पीएलजीए बटालियन नंबर 01 हेड क्वार्टर (कम्पनी नंबर 03) कम्युनिकेशन : कमाण्डर/पीपीसीएम इनामी आठ लाख) निवासी ताड़मेटला गोंडेपारा थाना चिंतागुफा जिला सुकमा, 20 वर्षीय महिला रजनी उर्फ राजे उर्फ बीड़े माड़वी पत्नी समीर उर्फ मिड़ियम सुक्का (बटालियन हेड क्वार्टर प्ला सेक्शन ए सदस्या इनामी आठ लाख) जाति मुरिया निवासी कोंगोड़ीपारा बड़ेसट्टी थाना फुलबगडी जिला सुकमा, 18 वर्षीय महिला शांति कवासी (बटालियन नं0 01 कम्पनी नंबर 02 सेक्शन बी की पार्टी सदस्या इनामी आठ, निवासी मड़पेदुलेड़ थाना चिंतागुफा जिला सुकमा, 25 वर्षीय महिला मड़कम सोमड़ी (प्लाटून नं0 08 की पीपीसीएम, इनामी 08 लाख) 25 वर्ष निवासी मड़पेदुलेड़ थाना चिंतागुफा जिला सुकमा, 22 वर्षीय महिला नुप्पो नरसी (पामेड़ एलओएस पार्टी सदस्या, इनामी एक लाख) मड़पेदुलेड़ थाना चिंतागुफा जिला सुकमा, 21 वर्षीय महिला मड़कम हिड़मे (दक्षिण बस्तर डिवीजन कृषि टीम सदस्या, इनामी एक लाख) मड़पेदुलेड़ थाना चिंतागुफा जिला सुकमा, 50 वर्षीय महिला नुप्पो हुँगी(सुरपनगुड़ा आरपीसी केएएमएस अध्यक्षा, इनामी एक लाख) निवासी सुरपनगुड़ा थाना चिंतलनार जिला सुकमा के द्वारा नक्सल संगठन को छोड़कर समाज की मुख्यधारा में जुड़ने के उद्देश्य से आज पुलिस अधीक्षक कार्यालय, जिला सुकमा में किरण चव्हाण, पुलिस अधीक्षक जिला सुकमा, अनामी शरण द्वितीय कमान अधिकारी 02 वाहिनी सीआरपीएफ, एएसपी अभिषेक वर्मा, एएसपी अभिषेक महेश्वरी, एसडीओपी परमेश्वर तिलकवार के समक्ष बिना हथियार के आत्मसमर्पण किया गया है। नक्सली मंगडू, माड़वी बुधरी को आत्मसमर्पण के लिए प्रोत्साहित कराने में डीआरजी टीम सुकमा, नक्सली समीर उर्फ मिडियम सुक्का रंजनी उर्फ राजे को आत्मसमर्पण के लिए प्रोत्साहित कराने में नक्सल सेल सूचना शाखा, नक्सली शांति कवासी, मड़कम सोमड़ी, नुप्पो नरसी, मड़कम हिड़मे को आत्मसमर्पण को प्रोत्साहित कराने में द्वितीय वाहिनी सीआरपीएफ सूचना शाखा और नक्सली नुप्पो हुंगी को आत्मसमर्पण को प्रोत्साहित कराने में 204 वाहिनी कोबरा सूचना शाखा के कार्मिकों का विशेष प्रयास रहा।

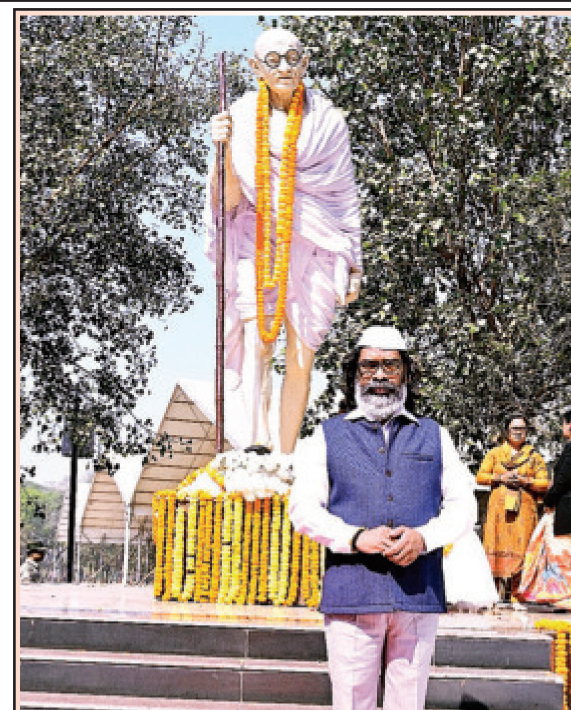

महात्मा गांधी के आदर्शों को आत्मसात करना उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि : हेमन्त सोरेन

रांची : राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर गुरुवार को पूरा राष्ट्र उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित कर रहा है। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने रांची के मोरहाबादी में बापू वाटिका स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज का दिन हम सभी के लिए काफी मायने रखता है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी भले ही हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनके विचार एवं आदर्श से हमें मार्गदर्शन मिलता रहेगा। उनके विचारों से देशवासियों को प्रेरणा मिलती रहेगी। उनके आदर्शों को जीवन में आत्मसात करना उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे बीच ऐसे अनेकों महापुरुष हुए हैं, जिनके पदचिन्हों पर चलकर आगे बढ़ सकते हैं। बापू को शत-शत नमन।

महाकुंभ में फिर लगी आग, 22 टेंट जलकर राख

एजेंसी

प्रयागराज : महाकुंभ में एक बार फिर आग लग गयी। इस बार आग महाकुंभ के मेला क्षेत्र से करीब छह किलोमीटर की दूरी पर बने कुछ टेंट में लगी। यह इलाका चमनगंज चौकी क्षेत्र में पड़ता है। पुलिस-प्रशासन से मिली जीनकारी के अनुसार ये सारे टेंट प्राइवेट थे। उक्त जगह पर बिना परमिशन के लगाये गये थे। वहीं, अप्रोच रोड भी पतली है, जिस चलते फायर ब्रिगेड की गाड़ियों को स्पॉट पर पहुंचने में थोड़ा वक्त लग गया। पुलिस के एक आला अधिकारी ने वीडियो जारी कर बताया कि दिन में सोशल मीडिया पर खबर और वीडियो

वायरल हुई कि महाकुंभ के सेक्टर 22 के टेंट में आग लग गयी है। यह जानकारी पूरी तरह से गलत है। आज लगी जरूर, पर मेला क्षेत्र से छह किलोमीटर दूर। उस पर भी काबू पा लिया गया। अगलगी के वक्त वहां कोई भी शख्स नहीं था, जिस कारण किसी भी तरह की जान की क्षति नहीं हुयी। इस जानकारी को सोशल मीडिया पर पोस्ट शयर किया गया है। इस पोस्ट में कहा गया है, सोशल मीडिया पर एक वीडियो गलत तरीके से वायरल किया जा रहा है कि महाकुंभ मेला क्षेत्र मे सेक्टर 22 मे आग लग गई जो की भ्रामक हैं गुरूवार को दोपहर लगभग 02:00 बजे, कुम्भ मेला क्षेत्र से लगभग 06 किलोमीटर दूर एक प्राइवेट टेंट में आग लगने की सूचना प्राप्त हुई। सूचना मिलते ही उत्तर प्रदेश अग्निशमन सेवा की टीम तुरंत घटनास्थल पर पहुंची और त्वरित कार्रवाई करते हुए आग पर पूरी तरह से नियंत्रण पा लिया। इस आगजनी की घटना में कोई जनहानि नहीं हुई है। हालांकि, टेंट में रखा कुछ सामान जलकर नष्ट हो गया। दमकल विभाग की तत्परता और कुशल रणनीति के कारण आग को तेजी से बुझा लिया गया, जिससे किसी बड़े नुकसान की संभावना टल गई।

अमेरिका में लैंडिंग के दौरान प्लेन और हेलीकॉप्टर की टक्कर, 19 शव बरामद

एजेंसी

वॉशिंगटन : अमेरिका के वॉशिंगटन डीसी के रोनाल्ड रीगन नेशनल एयरपोर्ट के पास मंगलवार को एक बड़ा हादसा हुआ है। लैंडिंग के दौरान अमेरिकन एयरलाइंस का विमान एक हेलिकॉप्टर से टकरा गया, जिससे दोनों ही विमान पोटोमैक नदी में गिर गए। अब तक 19 लोगों के शव बरामद किए जा चुके हैं, जबकि कई लोगों की तलाश जारी है। हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़ने की आशंका है। रिपोर्ट्स के मुताबिक अमेरिकन एयरलाइंस की

फ्लाइट में क्रू मेंबर्स समेत 64 यात्री सवार थे, जबकि हेलिकॉप्टर में 3 लोग थे। एयर ट्रैफिक कंट्रोल से प्लेन को लैंडिंग की अनुमति मिल चुकी थी और वह धीरे-धीरे नीचे आ रहा था। इसी दौरान उसका हेलिकॉप्टर से टकराव हो गया। टक्कर के वक्त प्लेन 400 फीट की ऊंचाई पर थी और 140 मील प्रति घंटे की रफ्तार से उड़ रहा था। हादसे के तुरंत बाद वॉशिंगटन फायर डिपार्टमेंट ने बचाव शुरू कर दिया। मौके पर कई फायरबोट्स तैनात की गई हैं।

कांग्रेस दलितों और पिछड़ों का भरोसा कायम रखती तो सत्ता से बेदखल नहीं होती : राहुल

एजेंसी

नई दिल्ली : कांग्रेस नेता एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने आज कहा कि पिछले 10-15 वर्षों में कांग्रेस को जो काम करना चाहिए था, अगर वो किया होता तो आज उसकी यह स्थिति नहीं होती। वह यहां गालिब इंस्टीट्यूट के गालिब ऑडिटोरियम में 'वंचित समाजः दशा और दिशा' विषय पर आयोजित कार्यक्रम में बोल रहे थे। राहुल ने कहा कि कांग्रेस हमेशा ही वंचित वर्ग के साथ खड़ी रही है और उनके अधिकारों के लिए आवाज उठाती आई है। हम उनके न्याय के लिए हमेशा लड़ते रहेंगे। उन्होंने एक वाकया साझा करते हुए बताया कि मैं कुछ दिन पहले दिल्ली के एम्स गया था। वहां देश के अलग-अलग कोने से लोग इलाज के लिए आए थे, वे लोग भी दलित, पिछड़े और आदिवासी वर्ग से थे। आपको मनरेगा में भी इसी वर्ग के लोग दिखेंगे। देश की संस्थाओं में एजुकेशन, ब्यूरोक्रेसी और हेल्थकेयर सिस्टम में इन 2-3 प्रतिशत लोगों को बैठा दिया जाता है।

मगर पॉवर इनमें से किसी को नहीं दी जाती है। कांग्रेस नेता ने कहा, इंदिरा गांधी के समय देश के लोगों में आत्मविश्वास था। देश के दलित, पिछड़े, आदिवासी, अल्पसंख्यक समेत हर वर्ग के लोग जानते थे कि इंदिरा गांधी उनके लिए लड़ जाएंगी, मर जाएंगी, लेकिन 90 के दशक में इसमें कमी आयी। पिछले 10-15 सालों में कांग्रेस को जो काम करना चाहिए था, वो नहीं किया, यह वास्तविकता है। अगर कांग्रेस दलितों, पिछड़ों और अति पिछड़ों का विश्वास बनाए रखती तो आरएसएस कभी सत्ता में नहीं आता। इसका मतलब यह है कि कांग्रेस में आंतरिक क्रांति करनी पड़ेगी, जिसके लिए हम आप लोगों को इसके अंदर डालेंगे। आंबेडकर की चर्चा करते हुए राहुल ने कहा कि वो दलितों की आवाज थे। जो आपका दर्द था, जो दिल में था, वो उसकी आवाज थे। उन्होंने अपने मन और परिवार की आवाज नहीं सुनी लेकिन दलितों और वंचितों की आवाज सुनी। इसलिए आज उन्हें याद किया जाता है। जो आप लोगों ने अपमान सहा है, उसी की परिणति बाबा साहेब ने इस संविधान में की। इसमे आप का दर्द और इतिहास है, इसीलिए यह संविधान हमारे लिए पवित्र है।

स्वाति मालीवाल ने केजरीवाल के घर के बाहर फेंका तीन ट्रक कचरा

एजेंसी

नई दिल्ली : राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल अपने समर्थकों के साथ गुरुवार को दिल्ली के विकासपुरी इलाके के कचरे को तीन ट्रकों में भर कर पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के घर के बाहर फेंका। इस दौरान उन्हें पुलिस ने उन्हें रोक लिया। इसके बाद मालीवाल ने महिला समर्थकों के साथ मिलकर अरविंद केजरीवाल का पोस्टर लगाया और उसके चारों ओर कचरा डाल दिया। इसके तुरंत बाद दिल्ली पुलिस की महिला अधिकारी स्वाति मालीवाल को बस में संसद मार्ग पुलिस स्टेशन ले गई। कुछ घंटों बाद उन्हें रिहा कर दिया गया, लेकिन उन पर धारा 188 के तहत एफआईआर दर्ज की गई। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए स्वाति मालीवाल ने कहा कि इस प्रदर्शन का उद्देश्य अरविंद केजरीवाल का ध्यान दिल्ली की महिलाओं की दुर्दशा की ओर दिलाना है। सड़कों की हालत खराब है, नालियां ओवरफ्लो हो रही हैं, हर जगह कूड़े के ढेर लगे हैं। विकासपुरी के निवासियों ने कई बार स्थानीय विधायक, दिल्ली सरकार, एमसीडी, सीएमओ और अन्य संबंधित अधिकारियों से शिकायत की थी लेकिन कोई कार्यवाही नहीं हुई।

एक नजर

कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने महात्मा गांधी को दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली : कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने आज महात्मा गांधी का उनकी पुण्यतिथि पर स्मरण किया। उन्होंने बापू के विचारों का जिक्र करते हुए एक्स पर लिखा, "सत्य, अहिंसा, सर्वोदय और सर्वधर्म समभाव के उनके विचार आज भी हमारा मार्ग प्रशस्त करते हैं। शहीद दिवस पर मार्गदर्शक बापू को गहरी श्रद्धांजलि।" उन्होंने महात्मा गांधी का स्मरण करते हुए कहा कि आइए हम सब मिलकर भारत की विविधता में एकता की रक्षा करें। साथ ही दिलों से डर को निकालकर सभी के लिए न्याय और समानता सुनिश्चित करें।

चंडीगढ़ में कांग्रेस व आप को झटका भाजपा की हरप्रीत कौर बनीं मेयर

चंडीगढ़ : चंडीगढ़ की राजनीति में गुरुवार को बड़ा उलटफेर हो गया। पूर्ण बहुमत के बावजूद यहां मेयर पद के लिए हुए चुनाव में कांग्रेस व आम आदमी पार्टी गठबंधन हार गया, जबकि भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी जीत गईं। यहां भाजपा की हरप्रीत कौर ने कांग्रेस व आआपा गठबंधन प्रत्याशी प्रेम लता को दो वोट से हराया। दिल्ली चुनाव से पहले चंडीगढ़ मेयर चुनाव में इस हार को कांग्रेस व आम आदमी पार्टी के लिए झटका माना जा रहा है। चंडीगढ़ नगर निगम में कुल 36 वोट हैं। जिनमें 35 पार्षद जनता ने चुने हैं। यहां एक वोट सांसद का भी है। इस समीकरण के अनुसार जीत के लिए 19 वोट की जरूरत थी। निगम में इस समय भारतीय जनता पार्टी के 16, आम आदमी पार्टी के 13 और कांग्रेस के छह पार्षद हैं। गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट द्वारा नियुक्त पर्यवेक्षक पूर्व न्यायाधीश जयश्री ठाकुर की मौजूदगी में चुनाव अधिकारी रमणीक सिंह बेदी ने मतदान प्रक्रिया शुरू करवाई। सबसे पहले चंडीगढ़ से कांग्रेस के सांसद मनीष तिवारी ने अपना वोट डाला। इसके बाद अन्य पार्षदों ने मत डालें। यहां भाजपा की मेयर पद प्रत्याशी हरप्रीत कौर बबला को 19 वोट मिले, जबकि आम आदमी पार्टी व कांग्रेस गठबंधन प्रत्याशी प्रेम लता को 17 वोट मिले। सदन में बहुमत न होने के बावजूद भाजपा को क्रास वोटिंग का लाभ मिला और भाजपा अपना मेयर बनाने में कामयाब हो गई।

ठाणे में चार बांग्लादेशी महिलाएं गिरफ्तार

मुंबई : ठाणे जिले के मनोर पाड़ा में स्थित एक घर में छापा मारकर पुलिस ने चार बांग्लादेशी महिलाओं को गिरफ्तार किया है। पुलिस इस मामले में इन बांग्लादेशी नागरिकों को घर किराये पर देने वाले मकानमालिकों की तलाश कर रही है। पुलिस पिछले तीन दिनों में मुंबई और पालघर से 22 बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार कर चुकी है। इन सबकी गहन छानबीन जारी है। पुलिस ठाणे पुलिस के एक अधिकारी ने गुरुवार को बताया कि मनोर पाड़ा के चाल में बांग्लादेशी महिलाओं के रहने की सूचना मिली थी। इस पर आज सुबह पुलिस ने मनोर पाड़ा में छापा मारकर चार बांग्लादेशी महिलाओं को हिरासत में लिया। इसके बाद चारों को मनोर पुलिस स्टेशन में लाकर छानबीन की गई और इसके बाद पुलिस ने चारों को गिरफ्तार कर लिया गया।

एक नजर

विद्यालयों में बैग का हुआ वितरण

केरेडारी : केरेडारी प्रखंड ग्राम पंचायत सलगा के राजकीय मध्य विद्यालय सलगा में कॉपी ,बैग वितरण किया गया विद्यालय की प्रधानाध्यापक सुखदेव कुमार ,पारा शिक्षक मंटू महतो, शिक्षिका उर्मिला तिवारी, और नव प्राथमिक विद्यालय सोहानपुर में छात्र-छात्राओं को कॉपी,बैग वितरण किया गया यह दोनो विद्यालय में मौके पर उपस्थित सलगा पंचायत के मुखिया श्रीमती पार्वती देवी सोहानपुर विद्यालय के प्रधानाध्यापक ललिता देवी, शिक्षिका रुक्मिणी देवी, राजकीय मध्य विद्यालय सलगा में डेढ़ सौ बैग वितरण किया गया एवं नव प्राथमिक विद्यालय सोहानपुर में 40 बैग का वितरण किया गया। मुखिया पार्वती देवी दोनों विद्यालय में जाकर अपने हाथों से बैग वितरण करने का काम कि विद्यालय में सौ छात्र छात्राओं उपस्थित थे।

जनता की समस्याओं का समाधान हमारी प्राथमिकता : विधायक

हजारीबाग : हजारीबाग सदर विधायक प्रदीप प्रसाद ने जिला परिषद भवन के सभागार में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक में शामिल हुए,बैठक में जिले में चल रही विकास योजनाओं की समीक्षा की गई एवं अधिकारियों को जनता की समस्याओं के त्वरित समाधान हेतु आवश्यक निर्देश दिए गए। बैठक में उप विकास आयुक्त इश्तियाक अहमद, जिला परिषद अध्यक्ष उमेश मेहता, जिला परिषद उपाध्यक्ष किशुन यादव, सभी जिला परिषद सदस्य, प्रखंड प्रमुख एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के मुख्य बिंदु एवं चर्चाएं आधारभूत संरचना सड़क, बिजली, पानी विधायक ने खराब सड़कों की मरम्मत और अधूरे पड़े निर्माण कार्यों को जल्द पूरा करने के निर्देश दिए। यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए जिला प्रशासन को प्रभावी कदम उठाने को कहा गया। ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति में सुधार लाने की आवश्यकता पर चर्चा की गई। जल जीवन मिशन के तहत सभी घरों में पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने को कहा गया। शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवाएं,कृषि एवं ग्रामीण विकास, सामाजिक सुरक्षा योजनाएं वृद्धावस्था पेंशन, विधवा पेंशन और दिव्यांग पेंशन योजनाओं का लाभ हर जरूरतमंद तक पहुंचाने पर जोर दिया गया। जन वितरण प्रणाली में पारदर्शिता लाने और सभी पात्र लाभार्थियों को राशन वितरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। बैठक के दौरान विधायक प्रदीप प्रसाद ने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिया लंबित कार्यों को शीघ्र पूरा किया जाए,योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे, यह सुनिश्चित किया जाए,अधिकारी नियमित रूप से फील्ड में जाकर योजनाओं की स्थिति का निरीक्षण करें,जनता की शिकायतों का त्वरित समाधान किया जाए।

पुलिस ने तीन साइबर अपराधियों को किया गिरफ्तार

गिरिडीह : बेंगाबाद थाना क्षेत्र के फुरसोडीह गांव से पुलिस ने तीन साइबर अपराधियों को गिरफ्तार करने में सफलता पाई है। गुरुवार को पपरवाटांड़ स्थित कार्यालय से पुलिस अधीक्षक डॉ विमल कुमार ने प्रेस वार्ता कर इसकी जानकारी दी। गिरफ्तार आरोपितों में अदालत अंसारी, समीर अंसारी और शमशुद अंसारी शामिल है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि प्रतिबिंब पोर्टल के माध्यम से सूचना प्राप्त हुई थी कि बेंगाबाद थाना क्षेत्र अंतर्गत फुरसोडीह में कुछ शातिर अपराधी फोन के माध्यम से ठगी कर रहे है। सूचना के बाद साइबर पुलिस उपाधीक्षक आबिद खा के नेतृत्व में छापेमारी टीम का गठन किया गया। उक्त टीम ने स्तर पर पहुंचकर तीनों साइबर अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि इन साइबर अपराधियों के जरिये गर्भवती महिलाओं का नंबर प्राप्त कर मातृत्व लाभ दिलाने के नाम पर और एयरटेल पेमेंट बैंक का खाता बंद होने के नाम पर ठगी करता था।

सरस्वती पूजा को लेकर शांति समिति की हुई बैठक

सरस्वती पूजा के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखना हमारी प्राथमिकता : एसडीओ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : सरस्वती पूजा के मद्देनजर बरही अनुमंडल में शांति व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए गुरुवार को बरही टाउन हॉल में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अनुमंडल पदाधिकारी जोहन टुडू ने की। इसमें प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों के अलावा जनप्रतिनिधियों ने भी भाग लिया। बैठक में बरही अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अजीत कुमार विमल, भूमि सुधार उप समाहर्ता अजय भगत, प्रखंड विकास पदाधिकारी जयपाल महतो, अंचलाधिकारी अमित किस्कू, बरही पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी आभाष कुमार, पदमा बीडीओ निधि रजवार, भाजपा जिला उपाध्यक्ष रमेश ठाकुर, बरही मुखिया संघ के अध्यक्ष विजय यादव, विश्व हिंदू परिषद जिला सह मंत्री सह जिला परिषद प्रतिनिधि गुरुदेव गुप्ता समेत कई अधिकारी और जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। बैठक में निर्णय लिया गया कि सरस्वती पूजा को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में मनाने के लिए सभी आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए जाएंगे। प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था को और सख्त करने का आश्वासन दिया, ताकि पूजा समारोह में किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके। अनुमंडल पदाधिकारी जोहन टुडू ने कहा कि सरस्वती पूजा के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखना हमारी प्राथमिकता है। प्रशासन हर स्तर पर सतर्क रहेगा और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। पूजा पंडालों में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाएंगे और सभी आयोजकों से समन्वय बनाकर कार्य किया जाएगा। एसडीपीओ अजीत कुमार विमल ने कहा कि पूजा के दौरान संवेदनशील इलाकों में विशेष नजर रखी जाएगी। पुलिस बल की तैनाती बढ़ाई जाएगी और किसी भी स्थिति से निपटने के लिए पुलिस बल की भी तैनात रहेगी। सभी आयोजकों से अपील की जाती है कि वे प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करे, उन्होंने कहा कि सीमित संसाधनों के बावजूद पूजा को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराना है, जिसके लिए आम लोगों का सहयोग आवश्यक है। साथ ही, उन्होंने जीटी रोड पर वाहनों की बढ़ती संख्या को ध्यान में रखते हुए प्रतिमा विसर्जन के जुलूस को वहां न निकालने की सलाह दी। क्लबों से आग्रह किया कि वे अपने-अपने गांव, टोला, या मोहल्ले में ही प्रतिमा विसर्जन करें। इसके साथ ही, सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने से बचने की भी चेतावनी दी और किसी भी आपात स्थिति में पुलिस प्रशासन को सूचित करने का निर्देश दिया गया।

बीजीआर कंपनी के अधिकारियों को ग्रामीणों ने कई घंटे तक बनाया बंधक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : बड़कागांव प्रखंड अंतर्गत एनटीपीसी बादम कोल ब्लॉक के एमडीओ बीजीआर के अधिकारियों का आगमन बुधवार देर शाम को बिना प्रशासन और ग्रामीणो के सूचना दिए बगेर बादम मोइत्रा मुख्य मार्ग मैं बन रहे बीजीआर के अर्ध निर्मित साइट ऑफिस में हुआ था। इसकी सूचना मिलते ही प्रभावित क्षेत्र के ग्रामीण आक्रोशित हो गए और भारी संख्या में साइट ऑफिस से 100 मीटर की दूरी अंबाजीत मोड में ग्रामीणों ने बीजीआर के अधिकारियों को रोक कर बंधक बना लिया। मौके पर ग्रामीणों ने बीजीआर कंपनी पर आरोप लगाते हुए कहा कि कंपनी क्षेत्र में दलालों के माध्यम से काम करना चाह रही है। कंपनी बाहुबल के बल पर क्षेत्र के ग्रामीणों को रौंदना चाह रही है। लेकिन कंपनी का कोई भी मनसुबे को क्षेत्र में हम ग्रामीण सफल नहीं होने देंगे। बीजीआर कंपनी के अधिकारियों के बंधक बनाए जाने की सूचना मिलते ही बड़कागांव थाना प्रभारी नेमधारी रजक एवं सर्किल इंस्पेक्टर अनिल कुमार दलबल के साथ मौके पर पहुंचकर ग्रामीणों को काफी समझाने का प्रयास किया। ग्रामीणों ने कहा कि बिना आदेश के बीजीआर कंपनी द्वारा साइट ऑफिस में बोरिंग किया जा रहा है बोरिंग मशीन को यथाशीघ्र साइट ऑफिस से निकालकर वापस भेजा जाए ।तब कहीं जाकर प्रशासन के हस्तक्षेप के बाद बोरिंग मशीन को साइट ऑफिस से निकाला गया।

उपायुक्त ने कृषि, पशुपालन, मत्स्य, उद्यान विभाग एवं संबद्ध विभागों की समीक्षा की

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : उपायुक्त नैंसी सहाय की अध्यक्षता में गुरुवार को कार्यालय सभागार में कृषि, पशुपालन और मत्स्य विभाग, उद्यान विभाग एवं संबद्ध विभागों की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में उपायुक्त ने उपरोक्त विभागों द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजना जैसे पीडीएमसी, पीएम किसान सम्मान निधि योजना, डेयरी, पशुधन, मत्स्य में डीएमएफटी के तहत चल रही योजना की स्तिथि, केज कल्चर, हॉर्टिकल्चर, उद्यान विकास, संरक्षित फूलों की खेती, अर्बन फार्मिंग, किसान समृद्धि योजना की स्तिथि व प्रगति की समीक्षा की। बैठक में उपायुक्त ने सर्वप्रथम सभी विभागों के एक्सपेंडिचर स्टेटस की जानकारी ली। उन्होंने पीएम किसान सम्मान निधि के सेल्फ रजिस्ट्रेशन के पेंडिंग आवेदनों को जल्द निपटारा करने का निर्देश संबंधित पदाधिकारी को दिया। उन्होंने पशुपालन पदाधिकारी को डेयरी योजना में प्रगति लाने और पशुधन योजना में टारगेट कंप्लीट करने का निर्देश दिया। बैठक में उपायुक्त ने मत्स्य पदाधिकारी से केज कल्चर और डीएमएफटी के तहत चल रही योजनाओं के स्तिथि की जानकारी ली। बैठक में उपायुक्त ने उद्यान पदाधिकारी से संरक्षित फूलो की खेती, अर्बन फार्मिंग से संबंधित रिपोर्ट उपलब्ध करवाने और अपने स्तर से एजेंसी के द्वारा क्रियान्वित योजनाओं का सत्यापन करने का निर्देश दिया। बैठक में कृषि पदाधिकारी ने उपायुक्त को बताया कि आगामी 15 फरवरी को प्रमंडल स्तरीय किसान मेला का आयोजन करने का निर्देश प्राप्त है।

बच्चों का निवाला खा रहे हैं विद्यालय के अध्यक्ष, दो माह से मध्याह्न भोजन ठप

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : बरही प्रखंड के भंडारों पंचायत स्थित हथगड़ा नव प्राथमिक विद्यालय में पिछले दो महीनों से मध्यान भोजन योजना पूरी तरह बंद पड़ी है। इससे स्कूली बच्चों को पोषण नहीं मिल पा रहा है, जिससे उनके स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। इसको लेकर ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। स्थानीय लोग एवं प्रधानाचार्य सहित अन्य ने इस मामले को लेकर प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी को ज्ञापन सौंपा है और जल्द समाधान की मांग की है। ग्रामीणों का आरोप है कि विद्यालय में मध्यान्ह भोजन योजना पूरी तरह से बंद हो गई है और सरस्वती वाहिनी माता समिति निष्क्रिय हो चुकी है। इस कारण बच्चों को नियमित रूप से मिलने वाला पोषणयुक्त भोजन नहीं मिल पा रहा है, जिससे उनकी सेहत पर नकारात्मक असर पड़ रहा है। खासकर छोटे बच्चे, जो घर से टिफिन लाने में सक्षम नहीं होते, वे इस समस्या से सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। ग्रामवासियों ने विद्यालय प्रशासन की लापरवाही को इस स्थिति का जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने कहा कि कई बार इस समस्या को उठाया गया, लेकिन अब तक कोई समाधान नहीं निकला।

प्रधानाध्यापक व शिक्षकों ने भी जताई नाराजगी

विद्यालय के प्रधानाध्यापक नन्नू ठाकुर सहित शिक्षकों में किशुन ठाकुर, जागेश्वर विश्वकर्मा, अनिल राणा एवं संगीता देवी ने भी विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि विद्यालय समिति अध्यक्ष मनमाने तरीके से कार्य कर रहे हैं और खाता अपने पास रखकर मिड-डे मील संचालन में बाधा डाल रहे हैं।

सभी बीएड महाविद्यालय नैक में अच्छा अंक प्राप्त करने की तैयारी करें : कुलपति

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : विनोबा भावे विश्वविद्यालय के आर्यभट्ट सभागार में बृहस्पतिवार को विश्वविद्यालय के द्वारा संबंध बीएड महाविद्यालय के प्राचार्यों की एक उच्च स्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर पवन कुमार पोद्दार ने की। अपराह्न 12. 15 से आहूत बैठक मुख्य रूप से नैक प्रत्यायन के विषय पर आयोजित की गई थी। कुलपति प्रो० पवन कुमार पोद्दार ने सभी महाविद्यालय के प्राचार्यों एवं उपस्थित प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए नैक प्रत्यायन से संबंधित नियमों की विस्तृत जानकारी दी। उन्हाने बताया की नैक प्रत्यायन को बहुत कठिन नहीं समझा जाय। आवश्यकता है सभी प्रपत्रो को इकट्ठा कर व्यवस्थित रखने की। उन्होने आगे बताया कि महाविद्यालयों में सतत मुलभूत सुविधाओं का विकास करना जरूरी है, जिससे कि नैक मूल्यांकन में अच्छा अंक प्राप्त किया जा सके। उन्होने यह भी कहा कि सही परिणाम के लिए टीमवर्क की जरूरत है। कुलपति ने बेस्ट प्रैक्टिसेज, शिक्षकों की गुणवत्ता, प्रायोगिक शिक्षा, विस्तार कार्यक्रम आदि पर विशेष बल देने की जरूरत को बताया। उन्होंने स्थानीय मांग के अनुसार नए पाठ्यक्रम चालू करने और उन्हें वैश्विक बनाने की सलाह दी। सिर्फ डिग्री देने की जगह समग्र विकास पर बल देने की आवश्यकता है। छात्रों में संस्कार देने की सतत कोशिश करनी चाहिऐ। उन्होनें यह भी बताया कि अति शीघ्र नैक से संबंधित एक कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा।

एनएसयूआई ने विभावि में इंटर डिपार्टमेंटल क्रिकेट टूर्नामेंट का किया आयोजन

खेल से अनुशासन और नेतृत्व क्षमता का होता है विकास : मुन्ना

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : विनोबा भावे विश्वविद्यालय परिसर में एनएसयूआई द्वारा इंटर डिपार्टमेंटल क्रिकेट टूर्नामेंट का भव्य आयोजन किया गया। उद्घाटन समारोह में हजारीबाग के समाजसेवी एवं पूर्व विधानसभा प्रत्याशी मुन्ना सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में विभावि के प्रॉक्टर प्रो. मिथिलेश कुमार सिंह, सीनियर पत्रकार मुरारी सिंह, पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष रितेश तिवारी, और विभिन्न विभागों के प्रमुखों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। कार्यक्रम का संचालन एवं अतिथियों का स्वागत छात्र नेता अभिषेक राज ने पौधा भेंट कर किया, जो पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता को दर्शाता है। मुख्य अतिथि मुन्ना सिंह ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल न केवल शारीरिक बल्कि मानसिक विकास के लिए भी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि खेल अनुशासन, टीम वर्क और नेतृत्व क्षमता को विकसित करता है, जो जीवन के हर क्षेत्र में उपयोगी साबित होता है। प्रॉक्टर प्रो. मिथिलेश कुमार सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि खेल शिक्षा का अभिन्न अंग है, जो विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, सहनशीलता और परिश्रम की भावना को विकसित करता है। उन्होंने इस आयोजन को सफल बनाने के लिए एनएसयूआई टीम की सराहना की। वहीं सीनियर पत्रकार मुरारी सिंह ने कहा कि खेल से छात्रों में टीम भावना और अनुशासन विकसित होता है, जो उनके समग्र विकास में सहायक होता है। पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष रितेश तिवारी ने छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा कि खेल जीवन में संघर्ष की क्षमता को बढ़ाता है और हार-जीत से ऊपर उठकर खेल भावना बनाए रखना सबसे महत्वपूर्ण है। विभावि के कुलपति डॉ. पवन कुमार पोद्दार व्यस्तता के कारण कार्यक्रम में उपस्थित नहीं हो सके, लेकिन उन्होंने टेलीफोनिक माध्यम से सभी प्रतिभागियों और आयोजन समिति को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय इस तरह के आयोजनों को निरंतर प्रोत्साहित करता रहेगा। टूर्नामेंट के पहले दिन विभिन्न विभागों की टीमों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। छात्रों में जबर्दस्त उत्साह और जोश देखने को मिला। चौकों-छक्कों और शानदार गेंदबाजी ने दर्शकों को रोमांचित कर दिया। बड़ी संख्या में छात्र मैदान पर मौजूद रहे और अपनी-अपनी टीमों का उत्साहवर्धन किया। फाइनल मुकाबला 11 फरवरी को खेला जाएगा, जिसके लिए छात्रों और खेल प्रेमियों में भारी उत्साह देखा जा रहा है। इस टूर्नामेंट के सफल आयोजन के लिए एनएसयूआई की पूरी टीम सराहना की पात्र है।

संक्षिप्त खबरें

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 77वीं पुण्यतिथि पर दी गई श्रद्धांजलि

हजारीबाग : राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के 77 वीं पुण्यतिथि के अवसर पर गुरुवार को समाहरणालय सभाकक्ष में श्रद्धांजलि अर्पित की गई। डीडीसी इश्तियाक अहमद, डीपीओ पंकज तिवारी, भु-अर्जन पदाधिकारी निर्भय कुमार सहित कई अन्य पदाधिकारियों व कर्मियों ने दो मिनट का मौन व्रत धारण कर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी। 15 अगस्त 1947 को देश को आजादी मिलने के कुछ महीने बाद ही 30 जनवरी 1948 को नाथूराम गोडसे द्वारा दिल्ली के बिड़ला हाउस में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की गोली मार कर हत्या कर दी गई थी। इसी के चलते 30 जनवरी को प्रतिवर्ष महात्मा गांधी की पुण्यतिथि मनाई जाती है और साथ ही इसे महात्मा गांधी के शहीद होने पर शहीद दिवस के रूप में भी मनाया जाता है।

महात्मा का साक्षात रूप थे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी : कांग्रेस

हजारीबाग : जिला कांग्रेस कार्यालय कृष्ण बल्लभ आश्रम में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का 77 वां शहादत दिवस उनके चित्र पर माल्यार्पण कर मनाई गई । कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला उपाध्यक्ष सह प्रवक्ता निसार खान ने की । इस अवसर पर उन्होंने उनके जीवनी पर प्रकाश डालते हुए कहा कि महात्मा का साक्षात रूप थे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी । सत्य अहिंसा और प्रेम का आधार लेकर अंग्रजी सत्ता से जूझनेवाले इस संत पुरुष से अंग्रेजी सत्ता भी कांपती थी । जनता के बीच रहकर सादा जीवन उच्च विचार का आदर्श उन्होंने कायम किया । देश के कोने-कोने में प्रवास कर स्वभाषा, स्वदेशी और स्वाभिमान का भाव जागृत किया । कुटीर उद्योग, ग्रामोद्योग को बढ़वा दिया। अत्याचार सहे पर सत्य का मार्ग नही छोड़ा। मराठी मे एक कथन है मरवे परी कीर्ति रूपी उरावें इसका अर्थ है मृत्यु के बाद भी अपनी कीर्ति के बल पर वे आज भी अमर हैं। कार्यक्रम का संचालन नगर अध्यक्ष मनोज नारायण भगत ने किया । मौके पर पूर्व अध्यक्ष आबिद अंसारी वरिष्ठ कांग्रेसी अकील अहमद, अजय गुप्ता, कृष्णदेव प्रसाद सिंह, रवि शंकर शर्मा ओबीसी प्रदेश सचिव रेणु कुमारी, विजय कुमार सिंह, कृष्णा किशोर प्रसाद, परवेज अहमद, मिथिलेश दुबे, रूप कुमारी टोपनो, कजरू साव, भैया असीम कुमार, सदरूल होदा, राम सेवक सोनी, राजू चौरसिया, लाल बिहारी सिंह, रघु जायसवाल, रविन्द्र प्रताप सिंह, गुलाम शाबिर उर्फ बब्लू, अनिल भुईंया, कौशल सिंह, टीभा महतो के अतिरिक्त कई लोग उपस्थित थे ।

हजारीबाग सदर विधायक प्रदीप प्रसाद ने किया गांधी मैदान का निरीक्षण

हजारीबाग : हजारीबाग सदर विधायक प्रदीप प्रसाद ने गुरुवार को मटवारी स्थित गांधी मैदान का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मैदान की वर्तमान स्थिति का बारीकी से अवलोकन किया और वहां मौजूद आम जनता, बुजुर्गों , महिला से सीधा संवाद स्थापित किया। विधायक ने लोगों की समस्याओं और सुझावों को ध्यानपूर्वक सुना और गांधी मैदान के सौंदर्यीकरण को लेकर विस्तार से चर्चा की। निरीक्षण के दौरान विधायक प्रदीप प्रसाद ने स्थानीय नागरिकों से उनकी अपेक्षाओं और जरूरतों को समझा। उन्होंने कहा कि गांधी मैदान हजारीबाग का एक महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्थल है, जहां रोजाना सैकड़ों लोग सैर, व्यायाम, खेलकूद और सामाजिक आयोजनों के लिए आते हैं। इसलिए इसका सुव्यवस्थित और सुंदर होना अत्यंत आवश्यक है। विधायक ने मौके पर नगर निगम के अधिकारियों को बुलवाकर सौंदर्यीकरण कार्यों की रूपरेखा पर विस्तारपूर्वक चर्चा की। बैठक में निम्नलिखित बिंदुओं पर विशेष ध्यान दिया गया मैदान की साफ-सफाई एवं कचरा प्रबंधन,नाली सहित पूरे परिसर की नियमित सफाई सुनिश्चित की जाएगी, जिससे यह क्षेत्र स्वच्छ और आकर्षक बना रहे। बाउंड्री वॉल और गेट की मरम्मत सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए मैदान की चारदीवारी एवं प्रवेश द्वार की मरम्मत और सौंदर्यीकरण किया जाएगा। हरियाली और बागवानी को बढ़ावा देने हेतु मैदान में नए पौधे और घास लगाए जाएंगे, जिससे यह और अधिक हरा-भरा और सुंदर दिखे। बैठने की समुचित व्यवस्था हेतु आम जनता और बुजुर्गों के लिए नई बेंचें और छायादार स्थान बनाए जाएंगे। सुलभ जल एवं शौचालय सुविधा के लिए मैदान में शुद्ध पेयजल और स्वच्छ शौचालय की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। उज्ज्वल लाइटिंग सिस्टम के लिए रात के समय भी लोगों को सुरक्षित माहौल देने के लिए एलईडी लाइटिंग लगाई जाएगी। खेल एवं व्यायाम सुविधाओं का विस्तार के लिए युवाओं और बच्चों के लिए खेलकूद के संसाधनों को बेहतर बनाया जाएगा, साथ ही विभिन्न प्रकार की अन्य सुविधाएं उपलब्ध हो जिससे आम जनता को काफी राहत मिले।

कुकिंग प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

खूंटी : झारखंड राज्य मध्याह्न भोजन प्राधिकरण के आदेश के आलोक में गुरुवार को मुचयमंत्री उकृष्ट विद्यालय खूंटी में प्रखंड स्तरीय रसोइया-सह-सहायिका की कुकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि के रूप में खूंटी की प्रखंड विकास पदाधिकारी ज्योति कुमारी, प्रखंड प्रमुख छोटराय मुंडा शामिल हुए। प्रतियोगिता में आठ विद्यालयों की रसोइयों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस को इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान, मध्य विद्यालय डुमरदगा को दूसरा स्थान तथा मध्य विद्यालय कॉन्वेंट को तीसरा स्थान प्राप्त हुआ। प्रखंड विकास पदाधिकारी ने भोजन बनाने की विधि और स्वाद की सराहना की। उन्होंने सभी प्रतिभागियों का उत्साह वर्धन करते हुए प्रतियोगिता के विजेताओं को जिला स्तरीय और राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में विजयी होने की शुभकामनाएं दी।

झारखंड को बीज उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाना है : मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रांची के पशुपालन निदेशालय में कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने गुरुवार को जीव जंतु कल्याण बोर्ड और बीज निगम को लेकर अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक के बाद उन्होंने कहा कि पशु के कल्याण को लेकर धरातल पर काम करने वाले एनजीओ के साथ बहुत जल्द एक वृहद सेमिनार आयोजित किया जाएगा। पशु से संबंधित बहुत सारी जानकारी विभाग के पास भी नहीं है, पर एनजीओ इस पर लगातार काम कर रही है। जमीनी स्तर पर इनका काम दिखता भी है इसलिए एनजीओ के अनुभव और पशु कल्याण को लेकर किए गए अध्ययन का लाभ विभाग लेगी। कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि आज देश के कई राज्य बीज उत्पादन में ना सिर्फ आत्म निर्भर हैं, बल्कि वो अन्य राज्यों को भी बीज सप्लाई कर रहे हैं। झारखंड आज भी बीज के मामले में दूसरे राज्य पर निर्भर है।

विभाग हर साल लाखों-करोड़ों रुपये बीज खरीद और वितरण पर खर्च करता है। विभाग का लक्ष्य आने वाले समय में झारखंड को बीज उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाना है। उन्होंने कहा कि अभी हाल ही में विभाग की टीम ने उनके साथ कर्नाटक का दौरा किया था। कर्नाटक बीज उत्पादन में किस नीति और शोध को अपना रहा है उसे ग्रहण करने की जरूरत है।

सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला : सिर्फ जेटेट पास अभ्यर्थी ही बन सकेंगे सहायक शिक्षक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : सुप्रीम कोर्ट ने सहायक शिक्षक नियुक्ति को लेकर बड़ा आदेश दिया है। गुरुवार को कोर्ट ने साफ कर दिया कि सिर्फ जेटेट पास अभ्यर्थी ही भर्ती प्रक्रिया में शामिल हो सकते हैं। सीटेट पास उम्मीदवारों को इसमें मौका नहीं मिलेगा। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से जेटेट पास उम्मीदवारों को राहत मिली है, जबकि सीटेट पास उम्मीदवारों के लिए यह बड़ा झटका है। झारखंड हाईकोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में दी थी चुनौती आपको बता दें कि झारखंड में होने वाले सहायक आचार्य नियुक्ति में सीटेट अभ्यर्थियों को भी मौका देने का आदेश हाईकोर्ट ने सुनाया था। हाईकोर्ट के इसी फैसले को टेट अभ्यर्थियों ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। पिछले दिनों इसकी सुनवाई पूरी हो चूकी थी और फैसला सुरक्षित रखा गया था। आज उसी मामले में सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाया है और कहा है कि सहायक आचार्य की परीक्षा में अब सिर्फ जेटेट अभ्यर्थियों को ही मौका मिलेगा। इस केस में प्रार्थियों की ओर से वरीय अधिवक्ता गोपाल शंकर नारायणन और अधिवक्ता अमृतांश वत्स ने बहस की थी। वहीं मामले की सुनवाई न्यायाधीश जस्टिस जेके महेश्वरी और जस्टिस राजेश बिन्दल की खंडपीठ में हुई।

रांची में एक साथ चार फ्लैट्स का ताला तोड़कर लाखों की चोरी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

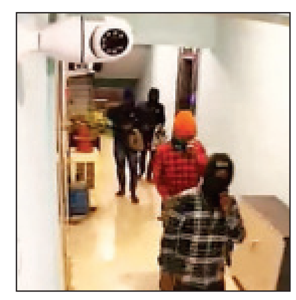

रांची : रांची के पुंदाग ओपी क्षेत्र के एकलव्य टावर में एक साथ चार फ्लैट का ताला तोड़कर चोर लाखों के गहने और नकदी लेकर फरार हो गए। घटना गुरुवार अहले सुबह की है। जानकारी के अनुसार चार की संख्या में आए चोरों ने यहां फ्लैट नंबर 406, 502, 507 और 304 का ताला तोड़ कर चोरी की घटना को अंजाम दिया। इन फ्लैट्स के मालिक घरों में ताला बंद कर बाहर गए हुए थे। घरों से 10 लाख से ज्यादा के जेवरात और 5 लाख से ज्यादा की नकदी चोरी की गई है। एकलव्य टावर की सोसाइटी में लगे सीसीटीवी कैमरे में चोरी करने वाले सभी चोरों की तस्वीर कैद हुई है। चोर हाथ में हथौड़ी और ताला तोड़ने वाले दूसरे औजार लेकर अपार्टमेंट में घुसे थे। चोरों ने अपना चेहरा छुपाने के लिए मंकी कैप पहन रखा था। एकलव्य टावर में रहने वाले कौशल कुमार ने बताया कि अपार्टमेंट की रखवाली के लिए गार्ड रखा गया है। रात में गार्ड मौजूद भी था लेकिन उसम समय वह सोया हुआ था। फिलहाल पुंदाग पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चोरों की तलाश में संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। पुंदाग ओपी प्रभारी कृष्ण तिवारी ने बताया कि चोरी के संबंध में अभी तक लिखित आवेदन नहीं आया है। सभी बंद घरों में चोरी की वारदात को अंजाम दिया गया है। मामले में अपार्टमेंट के गार्ड से भी पूछताछ की जा रही है। पूरे मामले की जांच पड़ताल की जा रही है।

अहिंसा के पुजारी महात्मा गांधी के योगदान को राष्ट्र हमेशा याद करेगा : डीसी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने गुरुवार को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि (शहीद दिवस) के अवसर पर बापू वाटिका, मोरहाबादी मैदान, रांची में उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित किया। मौके पर उपायुक्त ने कहा कि अहिंसा के पुजारी राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के योगदान को राष्ट्र हमेशा याद करेगा। उपायुक्त ने साथ ही भारत के स्वतंत्रता संग्राम में अपने प्राणों की आहुति देने वाले शहीदों की स्मृति में शहीद दिवस को दो मिनट का मौन धारण करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दिया और उनके बलिदान को याद किया। इस अवसर पर डीआईजी सह रांची एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा, सिटी एसपी राजकुमार मेहता सहित अन्य अधिकारियों और पदाधिकारी ने भी श्रद्धांजलि अर्पित की और मौन रखा।

रांची रेलवे स्टेशन से 45 किलो गांजा बरामद, तीन गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने रांची स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर एक से कुल आठ बोरियों में 45 किलो गांजा बरामद किया है। मामले में बिहार के बक्सर निवासी चंदा कुमार चौधरी, अभिषेक प्रधान और उपेंद्र चौधरी शामिल है। आरपीएफ निरीक्षक शिशुपाल कुमार ने गुरुवार को बताया कि रांची रेल मंडल के आरपीएफ कमांडेंट पवन कुमार के निर्देश पर लगातार मादक पदार्थों और शराब के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है । इसी क्रम में रांची रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ की फ्लाइंग टीम, आरपीएफ रांची तथा सीआईबी रांची की संयुक्त कार्रवाई में बड़ी सफलता मिली है। रांची स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर एक पर ओवरब्रिज के नीचे तीन संदिग्ध व्यक्तियों को बैगों में भारी सामान के साथ बैठे देखा गया। संदेह होने पर तीनों व्यक्तियों को हिरासत में लेकर उनके बैग की जांच की गई। इनके पास कुल 8 बोरियों में 45 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया। सहायक सुरक्षा आयुक्त, अशोक कुमार सिंह की उपस्थिति में सभी पैकेटों की डीडी किट से जांच की गई, जो पॉजिटिव पाई गई। बरामद गांजा की कीमत लगभग साढ़े चार लाख रुपये बताया गया है। सभी कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद, गांजा और संदिग्धों के मोबाइल फोन को जब्त कर लिया गया और आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए जीआरपी रांची को सौंप दिया गया। मामले में केस दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है। टीम में उपनिरीक्षक सोहन लाल और कमल दास स्टाफ पवन कुमार, एएसआई रवि शेखर, स्टाफ एमडी अलीम, आर.के. सिंह, हेमंत, डी के जीतरवाल, वी एल मीना शामिल थे।

बूथ से लेकर प्रदेश तक बनाएं सर्व स्पर्शी भाजपा : बाबूलाल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : भाजपा प्रदेश कार्यालय में आज संगठन महापर्व के तहत आगामी संगठनात्मक चुनावों को लेकर प्रदेश एवं जिला टोली की कार्यशाला आयोजित हुई। कार्यशाला की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने की और बतौर मुख्यातिथि के रूप में राष्ट्रीय सह चुनाव अधिकारी एवं राष्ट्रीय प्रवक्ता सांसद संबित पात्रा शामिल हुए। कार्यशाला में क्षेत्रीय संगठन महामंत्री नागेंद्र त्रिपाठी, प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह, प्रदेश महामंत्री एवम सांसद आदित्य साहू, डॉ प्रदीप वर्मा, मनोज कुमार सिंह, वरिष्ठ नेता विधायक सीपी सिंह सहित संगठन चुनाव के लिए गठित प्रदेश एवं जिला की टोली शामिल हुई। बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने कहा कि पार्टी की सांगठनिक सदस्यता अभियान और सांगठनिक चुनाव एक महापर्व है, जिसे हमें स्वस्थ और प्रसन्नता के वातावरण में उत्सव की तरह मनाना है। मरांडी ने कहा कि विधानसभा चुनाव की व्यस्तता के बाद प्रदेश में पार्टी ऑनलाइन सदस्यता अभियान चला रही है, जिसमें लोग बढ़चढकर शामिल हो रहे। उन्होंने कहा कि मजबूत भाजपा ही मजबूत झारखंड का निर्माण कर सकती है। भाजपा सबका साथ, सबका विकास में विश्वास करती है। उन्होंने कहा कि संगठन महापर्व के तहत हम सभी को मिलकर सर्व स्पर्शी भाजपा बनाना है। मौके पर राष्ट्रीय चुनाव सह अधिकारी एवं राष्ट्रीय प्रवक्ता सांसद संबित पात्रा ने कार्यशाला में सांगठनिक चुनाव की बारीकियों और प्रक्रियाओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भाजपा आंतरिक और बाह्य दोनों लोकतंत्र में विश्वास करती है। इसलिए संगठन की चुनाव प्रक्रिया भी लोकतांत्रिक तरीके से संपन्न करानी है। उन्होंने कहा कि झारखंड भाजपा की मजबूत भूमि है। भाजपा की सरकार ने ही अटल वाजपेयी के नेतृत्व में अलग राज्य का सपना साकार किया। हमें मजबूत जनाधार को और आगे बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि भाजपा महिलाओं और युवाओं की भागीदारी बढ़ाने पर जोर दे रही है। उन्होंने बूथ से लेकर मंडल, जिला और प्रदेश स्तर की चुनाव प्रक्रिया पर भी प्रकाश डाला। क्षेत्रीय संगठन महामंत्री नागेंद्र त्रिपाठी ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा सिर्फ चुनाव के लिए संगठन नहीं बनाती बल्कि हमें राष्ट्रीय पुनर्निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने कहा कि भारत को राष्ट्र विरोधी शक्तियां कमजोर देखना चाहती है। जिनके मंसूबों को हमें ध्वस्त करना है।हमें गांव गांव बूथ बूथ पर सभी वर्ग समाज से जुझारू सक्रिय विचारवान कार्यकर्ता खड़ा करना है। प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने कहा कि समयबद्ध तरीके से संगठन महापर्व के कार्यों को पूरा करना हम सब का दायित्व है। उन्होंने प्राथमिक और सक्रिय सदस्यता अभियान की गति को बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि संगठन महापर्व के तहत चुनाव प्रक्रिया को पूरा कराने के लिए जिला स्तर पर गठित आब्जर्वर, रिटर्निंग अधिकारी, सह रिटर्निंग अधिकारी की घोषणा की। सिंह ने जिला और मंडल स्तर पर प्रदेश के तर्ज पर कार्यशाला आयोजित करने के निर्देश दिए। आगामी 1 से 3 फरवरी तक जिला एवं 4 से 6 फरवरी तक मंडलों में कार्यशाला आयोजित कर सांगठनिक चुनाव प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के निर्देश दिए।

एक नजर

गुलियान बैरे सिंड्रोम का पहला मामला आया सामने, पांच साल की बच्ची पीड़ित हुई

रांची : कोरोना के बाद भारत के लोगों को गुलियान बैरे सिंड्रोम नाम के बीमारी से खतरा है। अब एक मामला झारखंड के रांची शहर में भी पाया गया है। अगर डॉक्टर्स की रिपोर्टर्स की मानें तो संभवत: इसे झारखंड का पहला मामला कह सकते हैं। रांची की एक 5 साल की बच्ची इस बीमारी से पीड़ित है। महाराष्ट्र में इस बीमारी को लेकर अब तक करीब 120 मामलों की पुष्टि हो चुकी है, वहीं 2 लोगों की जान चली गई है। बंगाल में भी तीन लोगों के मौत की खबर है। यह बीमारी किसी वायरस या बैक्टीरिया से होती है, जो आपके शरीर के इम्यून सिस्टम को कमजोर कर देती है। जिससे मरीजों का आमतौर पर पहले पैर और हाथ सुन्न हो जाता है। इसके बाद बाद पूरा शरीर सुन्न हो जाता है। इसके बाद पैरालिसिस अटैक का खतरा रहता है। ये बीमारी छूने या किसी के संपर्क में आने से नहीं फैलती है। इसलिए इसे ऑटो इम्यून डिजिज भी कहा जाता है। ये कम्यूनिकेबल डिजिज नहीं है। क्यों होता है गुलियान बैरे सिंड्रोम बता दें अभी तक ये साफ नहीं कहा जा सकता है कि आखिर ये बीमारी किस कारण फैल रही है। लेकिन कुछ डॉक्टर्स का मानना है कि ये बिमारी गंदे पानी के संपर्क में आने से होती है।

ऊर्जा-दक्ष प्रकाश व्यवस्था अपनाने में देश में अग्रणी रहे झारखंड के लोग

रांची : झारखंड के लोग ऊर्जा-दक्ष प्रकाश व्यवस्था अपनाने में राष्ट्रीय स्तर पर अग्रणी बनकर उभरे हैं। राज्य ने इस मामले में महाराष्ट्र, तमिलनाडु और दिल्ली जैसे प्रमुख राज्यों को भी पीछे छोड़ दिया है। विद्युत मंत्रालय के अंतर्गत सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों का एक संयुक्त उद्यम एनर्जी एफिशिएंसी सर्विसेज लिमिटेड (ईईएसएल) की ओर से शुरू किए गए ई-मार्केटप्लेस ईईएसएलमार्ट डॉट इन के आंकड़ों के अनुसार, झारखंड के उपभोक्ताओं ने अन्य राज्यों की तुलना में 5-स्टार 6-वाट बल्ब अपनाने में शानदार प्रदर्शन किया है। ईईएसएलमार्ट डॉट इन पर उपलब्ध 5-स्टार 6-वॉट का बल्ब केवल 6 वॉट बिजली की खपत करता है, जो एक नाइट लैंप की ऊर्जा खपत के बराबर है। बावजूद इसके यह 9 से 10 वॉट के एलईडी बल्ब के बराबर रोशनी प्रदान करता है। ईईएसएलमार्ट डॉट इन के आंकड़ों के अनुसार, त्रिपुरा के नागरिकों ने ऊर्जा-कुशल 6-वाट बल्ब को अपनाने में दूसरा स्थान हासिल किया, जबकि महाराष्ट्र थोड़े से अंतर की वजह से तीसरे स्थान पर रहा। आश्चर्य की बात है कि बड़े महानगरों वाले राज्य महाराष्ट्र एवं तमिलनाडु इस मामले में पिछड़ गए। झारखंड में कोडरमा, सरायकेला और साहिबगंज जैसे शहरों ने अग्रणी भूमिका निभाई है और देश के शीर्ष-10 में राज्य को जगह दिलाने में योगदान दिया है।

बजरंगबली मंदिर का 31वां स्थापना दिवस समारोह तीन को

रांची : पंडरा के श्री बजरंगबली मंदिर का 31वां स्थापना दिवस समारोह तीन फरवरी को मनाया जाएगा। श्री महावीर पूजन समिति कृषि बाजार प्रांगण पंडरा से मिली जानकारी के अनुसार तीन फरवरी को सुबह 9 बजे से श्री हनुमान जी की पूजा और आरती होगी। 10 बजे से महावीरी पताका का पूजन और ध्वजारोहण होगा। दोपहर 3 बजे से श्री सुंदरकांड का पाठ होगा। शाम 7 बजे महाआरती होगी और इसके बाद प्रसाद वितरण होगा। स्थापना दिवस आयोजन समिति द्वारा तैयारी शुरू कर दी गई है।

संक्षिप्त खबरें

राज्यपाल ने केंद्रीय ऊर्जा मंत्री और शिक्षा मंत्री से की मुलाकात

रांची : राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने गुरुवार को केंद्रीय आवासन व शहरी कार्य और ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल से नई दिल्ली स्थित उनके आवास पर मुलाकात की। इस दौरान राज्य के विकास संबंधी विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई। वहीं दूसरी और राज्यपाल ने केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धमेंद्र प्रधान से नई दिल्ली में शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर राज्यपाल और केन्द्रीय शिक्षा मंत्री के मध्य राज्य की शिक्षा व्यवस्था से संबंधित विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श हुआ।

बाबूलाल मरांडी और रघुवर दास ने महात्मा गांधी को दी श्रद्धांजलि

रांची : भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी तथा पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की है। मरांडी ने गुरुवार को सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि सत्य, अहिंसा, त्याग और तपस्या की प्रतिमूर्ति राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर उन्हें भावपूर्ण श्रध्दांजलि। पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को नमन करते हुए लिखा कि सत्य, अहिंसा, स्वदेशी और मानवता के उपासक, हम सब के आदर्श राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के स्मृति दिवस पर उन्हें शत शत नमन। बापू ने अहिंसा और स्वच्छता का जो संदेश दिया है, वह अनंतकाल तक विश्व को दिशा दिखाता रहेगा।

कांग्रेस नेताओं ने महात्मा गांधी को अर्पित की श्रद्धांजलि

रांची : राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर गुरुवार को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में श्रद्धांजली कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, अन्य नेताओं और कार्यकताओं ने राष्ट्रपिता को श्रद्धा सुमन अर्पित किया। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि वर्तमान स्थिति और परिवेश में महात्मा गांधी के विचारों की बहुत प्रासंगिकता है। देश की आजादी में उनकी महत्ती भूमिका को नजर अंदाज नहीं किया जा सकता। सत्य, अहिंसा को हथियार बनाकर उन्होंने संघर्ष का एक नया रास्ता दिखाया। उन्होंने दुनिया को सिखाया कि अहिंसा के रास्ते पर चलकर भी बड़ी लड़ाइयां जीती जा सकती हैं। अहिंसा को आज पूरा विश्व मान रहा है।

`जैक अध्यक्ष की नियुक्ति और छात्रवृत्ति के लिए आइसा ने किया प्रदर्शन

रांची : शहादत दिवस पर महात्मा गांधी को आइसा ने याद करते हुए अल्बर्ट एक्का चौक पर प्रदर्शन किया। मौके पर आइसा राज्य सचिव त्रिलोकीनाथ ने कहा कि झारखंड राज्य के छात्रों को दी जाने वाली पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति का भुगतान लंबित है। साथ ही, इस वर्ष की छात्रवृत्ति का वितरण भी प्रारंभ नहीं हो पाया है। जैसा कि आप जानते हैं, झारखंड राज्य एक पिछड़ा हुआ क्षेत्र है और यहां के अधिकांश छात्र एवं छात्राएं छात्रवृत्ति के माध्यम से ही अपनी पढ़ाई जारी रख पाते हैं। वहीं, दूसरी ओर खअउ के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष पदों के रिक्त होने के कारण लाखों छात्रों का कार्य प्रभावित हो रहा है। बोर्ड की परीक्षा कुछ ही दिनों में होने वाली है, लेकिन अभी तक एडमिट कार्ड और परीक्षा की तिथि घोषित नहीं हुई है। जिससे छात्र मानसिक रूप से परेशान हैं। उनकी परीक्षा की तैयारी प्रभावित हो रही है। आइसा रांची की प्रभारी संजना मेहता ने कहा कि छात्रों को उनके हक की छात्रवृत्ति शीघ्र भुगतान की जाए और खअउ बोर्ड में अध्यक्ष और उपाध्यक्ष की नियुक्ति तत्काल की जाए। मौके पर शालिनी मेहता, सत्यप्रकाश, सोनाली केवट, सूरज मेहता, अरुण कुमार, सुहाना, आशुतोष, प्रियंका सहित दर्जनों लोग मौजूद थे।

श्री श्याम मंदिर में खाटू नरेश का महास्नान अनुष्ठान पर्व हुआ संपन्न

रांची: हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में आज मौनी अमावस्या के शुभ अवसर पर खाटू नरेश का महास्नान अनुष्ठान पर्व भक्तिमय वातावरण में संपन्न हुआ। श्याम भक्तों में अमावस्या स्नान का बहुत महत्व है। नियमित सुबह 5:00 बजे मंदिर के पट खोले गए। 5:30 बजे की मंगला आरती के बाद बाबा श्याम एवं सभी देवी देवताओं के मंड के पर्दे लगाकर महास्नान अनुष्ठान मंदिर के आचार्यों द्वारा विधि विधान से प्रारंभ किया गया। खाटूनरेश को दूध गंगाजल शहद घी इत्यादि से स्नान कर रूह इत्र का मसाज किया गया। महास्नान के पश्चात बाबा श्याम को नवीन पोशाक बागा एवं कोलकाता से मंगाए गए डच गुलाब व्हाइट स्टार मॉर्गन फुल लाल गुलाब तुलसी दल रजनीगंधा केसरिया गेंदा की मोटी मोटी मालाओं से सजाया गया। तत्पश्चात बाबा श्याम को पंचमेवा का भोग लगाया गया एवं पंचदीप के विशेष श्रृंगार आरती करके भक्तों के बीच महास्नान चरणामृत एवं प्रसाद वितरित किया गया। जय जय जय खाटू के वासी जय जय बाबा श्याम शरणागत हम आए आपके दर्शन हमको दे दो श्याम के भजनों को गाकर श्रृंगार आरती में भक्त भाव विभोर हो रहे थे। बाबा श्याम का श्यामल रूप देखने के लिए भक्तों में विशेष उत्साह था । हर भक्त अपनी मनोकामना इष्ट देव के आगे अर्जी लगा रहे थे। खाटूधाम के श्री श्याम मंदिर की परंपरा अनुसार हरमू रोड रांची के श्री श्याम मंदिर में खाटू श्याम का बसंत पंचमी पर्व उत्सव रविवार 2 फरवरी को बड़े ही धूमधाम से मनाया जाएगा ।

सांसद ढुल्लू महतो ने राष्ट्रपति सहित दो केन्द्रीय मंत्रियों को राम महायज्ञ में शामिल होने का दिया आमंत्रण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : धनबाद के भाजपा सांसद ढुलू महतो ने आगामी श्री श्री रामराज मंदिर, चिटाही धाम के वार्षिकोत्सव सह श्रीराम महायज्ञ में शामिल होने के लिए देश की शीर्ष हस्तियों को आमंत्रित किया है। इस सिलसिले में उन्होंने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, केन्द्रीय पेट्रोलियम, प्राकृतिक गैस तथा इस्पात मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी से मुलाकात कर उन्हें व्यक्तिगत रूप से आमंत्रण पत्र सौंपा।

राष्ट्रपति को दिया आमंत्रण, हुई सौहार्दपूर्ण चर्चा

सांसद श्री महतो ने राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से भेंट कर उन्हें इस ऐतिहासिक महायज्ञ की विस्तृत जानकारी दी और महायज्ञ में सम्मिलित होने का अनुरोध किया। राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मू ने इस आयोजन को लेकर विशेष रुचि दिखाई और इसे भारतीय संस्कृति एवं परंपरा को मजबूत करने वाला आयोजन बताया। केन्द्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और अन्नपूर्णा देवी को भी दिया न्योता इसके अलावा, श्री महतो ने केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से भी भेंट की और उन्हें चिटाही धाम के महायज्ञ में भाग लेने का आमंत्रण दिया। इस दौरान क्षेत्र के औद्योगिक विकास और सामाजिक उत्थान से जुड़े कई मुद्दों पर भी चर्चा हुई। इसी क्रम में, सांसद ने केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी से भी मुलाकात कर महायज्ञ में सम्मिलित होने का अनुरोध किया। उन्होंने इस भव्य धार्मिक आयोजन की महत्ता बताते हुए कहा कि यह न केवल आध्यात्मिक उन्नति का अवसर है बल्कि हमारी संस्कृति, आस्था और समाज को एकजुट करने का महत्वपूर्ण आयोजन भी है। चिटाही धाम में 4 से 12 फरवरी 2025 तक भव्य श्रीराम महायज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। इस महायज्ञ में लाखों श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। महायज्ञ के दौरान शोभायात्रा, प्रवचन, भक्ति जागरण, कवि सम्मेलन और अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा। सांसद ढुलू महतो ने देशभर के श्रद्धालुओं से इस महायज्ञ में शामिल होकर पुण्य लाभ प्राप्त करने की अपील की है।

श्रद्धालुओं के लिए विशेष सुविधाएं

महायज्ञ में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए विशेष सुविधाओं की व्यवस्था की जा रही है। सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं, वहीं विशाल भंडारा, चिकित्सा सुविधा, जलपान और विश्राम स्थल की विशेष व्यवस्था की गई है।

सांसद ढुलू महतो का संदेश

चिटाही धाम का यह महायज्ञ केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति और आध्यात्मिक धरोहर को संजोने का एक पवित्र प्रयास है। मैं सभी श्रद्धालुओं, संतो और धर्मप्रेमियों से अनुरोध करता हूँ कि वे इस महायज्ञ में आकर इसे ऐतिहासिक बनाएँ।

महायज्ञ को लेकर जबरदस्त उत्साह

धनबाद और पूरे झारखंड में इस महायज्ञ को लेकर अपार उत्साह है। सांसद श्री महतो के आमंत्रण के बाद यह उम्मीद जताई जा रही है कि इस महायज्ञ में कई वरिष्ठ नेता, संत-महात्मा और गणमान्य व्यक्ति भी शामिल हो सकते हैं, जिससे यह आयोजन और भी भव्य और ऐतिहासिक बन जाएगा।

एक नजर

सड़क हादसे में पिक अप वैन चालक की मौत

बोकारो: बोकारो में अज्ञात वाहन की चपेट में आने से मालवाहक पिक अप वैन के चालक की हुई मौत। काफी देर तक चालक फंसा रहा गाड़ी में। काफी मशक्कत के बाद बाहर निकाला गया चालक का शव। घने कोहरे के चलते घटी घटना। बोकारो के पिंड्राजोड़ा थाना क्षेत्र का मामला। घटना के बारे में बताते चले की बोकारो के पिंडराजोरा थाना क्षेत्र से होकर गुजरने वाली धनबाद टाटा हाईवे में काशी झरिया के पास अज्ञात वाहन के साथ पिक अप वैन की जोरदार टक्कर हो गई जिससे पिक अप मालवाहक वैन के चालक की मौके पर ही मौत हो गई। पिक अप मालवाहक वैन पश्चिम बंगाल के पुरुलिया से चास की ओर आ रहा था, इस बीच चास से बंगाल की ओर जा रही अनियंत्रित वाहन से कुहासा के चलते जोरदार टक्कर हो गई जहां अज्ञात गाड़ी धक्का मारकर फरार हो गया। दुर्घटना में पिक अप वैन के चालक की मौत घटना स्थल पर ही हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी की पिक अप वैन के चालक का शव भी गाड़ी में ही फस गया जहां स्थानीय पुलिस ग्रामीणों की मदद से मालवाहक में फंसे मृतक के शव को निकालने की प्रक्रिया की गई। इधर मृतक के परिजन व ट्रांसपोर्ट कंपनी को भी सड़क हादसे की सूचना दे दी गई है।

खनन विभाग ने चलाया सघन जांच अभियान एक ट्रैक्टर किया जब्त

बोकारो : उपायुक्त विजया जाधव के निदेशानुसार गुरूवार तड़के जिले के विभिन्न स्थानों पर सघन जांच अभियान चलाया गया, जिसमें बीएस सिटी थाना अंतर्गत पत्थरकट्टा चौक–राम मंदिर मुख्य पथ पर अवैध रूप से बालू खनिज का उत्खनन कर प्रेषण करते हुए 1 ट्रैक्टर को पकड़ा गया, जिसे विधिवत जप्त कर बीएससिटी थाना को सुपुर्द करते हुए थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई। उक्त अभियान में खान निरीक्षक सीताराम टुडू, पुलिस बल आदि मौजूद थे।

11 बैंकों के 50 खातों का हुआ है कई बार इस्तेमाल

बोकारो: उपायुक्त विजया जाधव के निर्देश पर सामाजिक सुरक्षा द्वारा जिले में झारखंड मुख्यमंत्री मईयां सम्मान योजना के भौतिक सत्यापन में लगातार चौंकाने वाला तथ्य सामने आ रहा है। अब तक हुए सत्यापन में कुल 11 सरकारी एवं निजी बैंकों के 50 ऐसे बैंक खातों को चिन्हित किया गया है, जिनका कई बार आवेदन करने में इस्तेमाल किया गया है। आवेदन के क्रम में एक ही बैंक खाता का 96 बार, 90 बार, 80 बार, 70 बार, 50 बार, 40 बार व 30 बार आदि इस्तेमाल किया गया है। इस कार्य में संलिप्त कामन सर्विस सेंटर (सीएससी) को भी चिन्हित किया गया है।
इन बैंकों के खातों का किया गया है इस्तेमाल फिनो पेमेंट्स बैंक लिमिटेड, इंडसइंड बैंक लिमिटेड बोकारो, बैंक ऑफ बरोदा, आईडीबीआई बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, आइसीआइसीआइ बैंक, बैंक ऑफ इंडिया, पंजाब नेशनल बैंक, ग्रामीण बैंक ऑफ आर्यावर्त, इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक एवं एयरटेल पेमेंट बैंक।

स्टील प्लांट में 51 वर्ष पुराने ब्लास्ट फर्नेस गैस नेटवर्क के पुनरुद्धार का काम शुरू

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : स्टील प्लांट के ऊर्जा प्रबंधन विभाग ने परिचालन दक्षता और स्थिरता को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए 51 वर्ष पुराने ब्लास्ट फर्नेस गैस नेटवर्क के पुनरुद्धार और मरम्मत कार्य का शुभारंभ किया। इस महत्वपूर्ण परियोजना का उद्घाटन अधिशासी निदेशक चित्तरंजन महापात्रा के द्वारा किया गया। इस अवसर पर गुलशन कुमार, मुख्य महाप्रबंधक प्रकाश मंडल, महाप्रबंधक, ओंकारेश बनर्जी, महाप्रबंधक सहित कई वरीय अधिकारी उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि चित्तरंजन महापात्रा, अधिशासी निदेशक ने इस परियोजना को बोकारो स्टील प्लांट के ऊर्जा अनुकूलन प्रयासों में एक महत्वपूर्ण कदम बताते हुए ऊर्जा प्रबंधन विभाग की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह परियोजना न केवल संयंत्र की ऊर्जा दक्षता को बढ़ाएगी, बल्कि सुरक्षा मानकों को भी सुदृढ़ करेगी, जिससे उत्पादन प्रक्रिया अधिक प्रभावी एवं पर्यावरण अनुकूल बनेगी। उल्लेखनीय है कि इस पुनरुद्धार परियोजना के तहत कई महत्वपूर्ण कार्य किए जा रहे हैं, जिनमें कॉम्पेन्सेटर्स का नवीनीकरण, मुख्य हेडर के लिए आइसोलेशन सिस्टम की स्थापना, बीएफ गैस लाइन की मरम्मत एवं क्लैडिंग, और प्लेटफार्म व सहायक संरचनाओं को मजबूत करना शामिल है।

उपायुक्त, एसएसपी ने दी राष्ट्रपिता को श्रद्धांजलि

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि के अवसर पर उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी सुश्री माधवी मिश्रा, वरीय पुलिस अधीक्षक हृदीप पी जनार्दनन सहित अन्य पदाधिकारियों ने सिटी सेंटर पर स्थापित राष्ट्रपिता की आदमकद प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि राष्ट्रपिता के विचार आज भी हमें आगे बढ़ने और कुछ अच्छा करने की प्रेरणा देते हैं। हमें शांति, अहिंसा, सादगी, साधनों की पवित्रता और विनम्रता के उनके आदर्शों का पालन करना चाहिए। इसके बाद उपायुक्त सहित सभी पदाधिकारियों ने गांधी सेवा सदन में राष्ट्रपिता की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। गांधी सेवा सदन में श्री सुमन नाग एवं सुश्री वर्षा बोराल ने राष्ट्रपिता के प्रिय भजन प्रस्तुत किए। इसके बाद सभी ने शहीद दिवस के अवसर पर 2 मिनट का मौन धारण कर शहीदों को श्रद्धांजलि दी। मौके पर उपायुक्त सुश्री माधवी मिश्रा, वरीय पुलिस अधीक्षक हृदीप पी जनार्दनन, सिटी एसपी अजीत कुमार, नगर आयुक्त रवि राज शर्मा, एडीएम लॉ एंड ऑर्डर पीयूष सिन्हा, अनुमंडल पदाधिकारी राजेश कुमार, निदेशक डीआरडीए श्री राजीव रंजन, डीएसपी नौशाद आलम, ट्राफिक डीएसपी अरविंद कुमार सिंह, एलआरडीसी दिलीप कुमार महतो, एनडीसी दीपक कुमार दुबे, गांधी सेवा सदन के महामंत्री गोपाल जी, बीयाडा के पूर्व अध्यक्ष विजय कुमार झा सहित अन्य लोग मौजूद थे।

आठवें वेतन आयोग को सौंपेंगे प्रतिवेदन : मो ज्याऊद्दीन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : ऑल इंडिया रेलवेमेंस फेडरेशन ने 27-28 जनवरी को चेन्नई में सम्पन्न हुए अपने वर्किंग कमिटी बैठक में रेलकर्मियों से जुड़े विभिन्न समस्याओं पर गहन चर्चा के बाद कार्य योजना तैयार किया है। फेडरेशन के महामंत्री शिव गोपाल मिश्रा ने पूरे भारत से समस्त जोन से आए वर्किंग कमिटी सदस्यों को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान सरकार का केन्द्रीय कर्मचारियों के प्रति सही रवैया नहीं है। फिर भी केन्द्रीय कर्मचारियों के आंदोलन से सरकार पेंशन की गारंटी देने के लिए बाध्य हुई। यू पी एस के नोटिफिकेशन का अध्ययन किया जा रहा है और इसकी कमियों खामियों को हटाने के लिए एआईआरएफ प्रतिवेदन तैयार कर सरकार के समक्ष जल्द ही सौंपेगा। उक्त जानकारी देते हुए ईसीआरकेयू के अपर महामंत्री मो ज्याऊद्दीन ने बताया कि श्री मिश्रा ने उपस्थित सदस्यों को कहा है कि हर मंडल के प्रभारी की यह जिम्मेदारी बनती है कि हर विभाग के व्यापक वेतन, पदोन्नति तथा सेवा के अवधि सहित सेवानिवृत्ति के बाद भी बेहतर जीवन यापन के लिए क्या क्या मांग वेतन आयोग के समक्ष प्रस्तुत किए जा सकते हैं उसकी सूची बना कर फेडरेशन को जल्द से जल्द भेजें। समस्त भारतीय रेल से इस प्रकार प्राप्त प्रस्तावों को संकलित कर वेतन आयोग को फेडरेशन भेजेगा तथा निर्धारित बैठकों में कर्मचारी पक्ष पर चर्चा की जाएगी। इसके अतिरिक्त सरकार को पहले से ही सौंपे गए महत्वपूर्ण मांगों को पूरा करने के लिए दबाव बनाया जाएगा। इनमें से प्रमुख हैं - यू पी एस में आवश्यक संशोधन कर इसे ओ पी एस के अनुरूप बनाया जाए । इसके तहत निर्धारित सेवा अवधि को 20 वर्ष किया जाए, स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति तथा त्यागपत्र देने वाले कर्मचारी को भी इसका लाभ दिया जाए, सेवानिवृत्ति पर एकमुश्त राशि की गणना के आधार प्रतिशत को बढ़ाया जाए तथा बेंचमार्क कारपस की सीमा का निर्धारण किया जाए। इन विसंगतियों को दूर करने के बाद ही इसे लागू किया जाए। एआईआरएफ की मांग पर प्वाइंट्स मैन और ट्रैकमेंटेनर्स के पदोन्नति के लिए गठित कमिटियों के अनुशंसाओं को जल्द प्रकाशित कर लागू किया जाए। फेडरेशन द्वारा अन्य छूटे हुए कटेगरी के लिए भी हार्ड व रिस्क एलाउंस स्वीकृत करने की मांग पर गठित कमिटी के अनुशंसाओं को भी सार्वजनिक कर लागू किया जाए।

14 फरवरी तक चलेगा घर-घर कुष्ठ रोग खोज अभियान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के पुण्यतिथि पर सिविल सर्जन सभागार में कुष्ठरोग उन्मूलन दिवस मनाया गया, जिसमें महात्मा गांधी जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं उनके द्वारा कुष्ठ रोगी के प्रति सहानुभूति भेदभाव को मिटाने एवं कुष्ठ रोगी की सेवा करने तथा कुष्ठ आश्रम की स्थापना करने एवं समाज में फैले हुए भ्रांतियां को दूर करने में अहम योगदान को याद किया गया। उनके चित्र पर माल्यार्पण किया गया। इस अवसर पर सभी स्वास्थ्य कर्मी ने शपथ लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सिविल सर्जन डॉ अभय भूषण प्रसाद ने किया। जिला कुष्ठ निवारण पदाधिकारी डॉ सुधा सिंह के द्वारा आम जनता को आवाहन किया गया कि जिले में 30 जनवरी से 14 फरवरी 2025 तक घर-घर कुष्ठ खोज अभियान का प्रारंभ किया गया है, जिसमें स्वास्थ्य कर्मी सभी घरों में चर्म रोग की जांच करेंगे एवं संध्यात्मक रोगी को संबंधित स्वास्थ्य संस्थानों में भेज कर उसकी जांच कराएंगे। इस हेतु सिविल सर्जन कार्यालय से आम जनता को जागरूक करने हेतु जागरूकता वाहन को भी हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। बैठक के दौरान डॉ शेख जफरुल्लाह, डॉ अरविंद कुमार, डॉ संजय कुमार, जिला स्वास्थ्य प्रबंधक दीपक कुमार, महामारी नियंत्रक पवन कुमार श्रीवास्तव, जिला कुष्ठ सलाहकार मोहम्मद सज्जाद आलम, जिला लेखा प्रबंधक अमित कुमार एवं मणि शंकर कुमार, अजय कुमार, उर्मिला कुमारी, ज्योतिका कुमारी, हेमंत कुमार, झा संजय कुमार, नितिन कुमार, मोहम्मद असलम, मुकेश कुमार, स्वास्थ्य विभाग के सभी पर्यवेक्षक एवं कर्मी उपस्थित थे।

ऑनलाइन के माध्यम से साइबर क्राइम पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कसमार : प्रखंड के टांगटोना तथा दुगार्पुर पंचायत में सहयोगिनी संस्था द्वारा ऑनलाइन के माध्यम से साइबर क्राइम पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सहयोगिनी की प्रशिक्षिका प्रतिमा सिंह ने इस दौरान कहा कि साइबर ठग लड़कियों तथा महिलाओं को विशेष कर भावनात्मक जाल में फंसा कर परेशान कर रहे हैं ।साइबर अपराधी निजी जानकारी हासिल कर या कोई झूठे मामले का जिक्र कर ब्लैकमेल करते हैं। साथ ही निजता का हनन करते हुए क्राइम करते हैं। प्रशिक्षण के दौरान बताया गया कि कुछ माह से डिजिटल अरेस्ट के लिए अचानक एक फोन कॉल आता है, जिसमें कॉलर बताता है कि आपने अवैध सामान, ड्रग्स ,अश्लील कार्य, नकली पासपोर्ट आदि भेजा था। आपको यह मिला है या अपने रिसीव किया है। कई बार लोगों को निशाना बनाने के लिए फोन कॉल रिश्तेदारों तथा दोस्तों को भी किया जाता है। साइबर अपराधी के इन तरीकों से सभी को बचाना है । विशेष कर महिलाएं तथा किशोरी सोशल मीडिया तथा स्मार्टफोन का उपयोग सावधानी पूर्वक करें। यदि किसी को इस तरह का कॉल आता है, या सोशल मीडिया के माध्यम से ब्लैकमेल करने का प्रयास किया जाता है, तो भारत सरकार के साइबर सेल तथा टोल फ्री नंबर 1930 में कॉल करें । स्थानीय पुलिस का जरूर से जरुर मदद ले। इस दौरान सहयोगिनी के समन्वयक प्रकाश कुमार महतो ने बताया कि साइबर अपराध से बचने के लिए जानकारी ही सबसे बड़ा बचाव है । साइबर अपराध के विभिन्न प्रारूप है ,जिसमें साइबर स्टॉकिंग, बाल प्रोनोग्राफी, पासवर्ड ,फिशिंग, फिरौती, ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी, हैकिंग, डिजिटल अरेस्ट जैसे मामले आम हो गए हैं ।इस पर ग्रामीण क्षेत्र के लोग ज्यादा ठगे जा रहे हैं। इसलिए सहयोगिनी के द्वारा कसमार प्रखंड के 30 गांव में महिला हिंसा सहित साइबर क्राइम के खिलाफ महिलाओं तथा लड़कियों के बीच जन जागरूकता का कार्य लगातार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बाल प्रोनोग्राफी बहुत ही संगीन मामला है, कोई भी व्यक्ति अपने मोबाइल में बच्चों की अश्लील सामग्री नहीं रख सकता है , ना किसी को दिखा सकता है। यदि इस तरह का मामला आता है तो यह कानूनी अपराध है। कार्यक्रम के दौरान सहयोगिनी की रेखा देवी,संगीता देवी, विनीता देवी आदि उपस्थित थी।

संक्षिप्त खबरें

गुलगुलिया समुदाय के प्रतिनिधिमंडल ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को पुण्यतिथि पर किया नमन

झरिया (धनबाद): दिव्यांग अमरैली गुलगुलिया के नेतृत्व में गुलगुलिया समुदाय के प्रतिनिधिमंडल ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर झरिया चिल्ड्रेन पार्क में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया गया। इस अवसर अनिल पाण्डेय की महात्मा गांधी पर हस्तलिखित लघु पुस्तिका महात्मा गांधी एक खोज का वितरण किया गया। साथ ही निर्णय लिया गया कि विधायक रागिनी सिंह तथा कांग्रेस-सह-इंटक नेत्री अनुपमा सिंह को सम्मानित किया जाएगा। दोनों नेत्रियां वंचित गुलगुलिया समुदाय के लिए संवेदनशील हैं और उनके पहल से इस समुदाय के विकास का कार्यक्रम भी क्रियान्वित हो रहा है। वंचित समुदाय के प्रत्येक घर में दरवाजे पर महात्मा गांधी की तस्वीर लगाई जाएगी। वंचित, दलित व महिला उत्थान समिति का गठन किया जाएगा जिसका मुख्यालय गुलगुलिया बस्ती स्थित गुलगुलिया विद्यालय के परिसर में होगा। इस मौके पर वंचित समुदाय के अतिरिक्त अनिल पाण्डेय, प्रकाश शर्मा, मोख्तार खान, किशोर कुमार,प्रमोद सिंह चंद्रवंशी, सतीश रजक, भोला नाथ सिंह की मुख्य उपस्थिति थी।

पुलिस के खिलाफ पत्रकारों ने निकली त्राहिमाम यात्रा

धनबाद : पत्रकार निकेश पांडेय को जान मारने के नियत से अपहरण करने के प्रयास के मामले में कतरास पुलिस की शिथिलता के खिलाफ कतरास प्रेस क्लब ने आंदोलन का बिगुल फूंक दिया है,गुरुवार को कतरास और राजगंज थाना प्रभारी के खिलाफ पत्रकारों ने गुरुवार को त्राहिमाम यात्रा निकाला। त्राहिमाम यात्रा में सैकड़ो की संख्या में पत्रकार सूर्य मंदिर स्थित कतरास प्रेस क्लब के कार्यालय से पत्रकार पुलिस के खिलाफ नारेबाजी करते हुए जुलूस निकाला इस दौरान कतरास थाना प्रभारी मुदार्बाद राजगंज थाना प्रभारी मुदार्बाद कतरास राजगंज थाना प्रभारी को निलंबित करो की नारेबाजी करते हुए पत्रकारों का समुह कतरास थाना गेट पहुंच कर पुलिस से अविलंब हमलावरों व अपहरणकताओं की गिरफ्तारी की मांग की क्लब के अध्यक्ष इंद्रजीत पासवान ने कहा कि कतरास पुलिस की कार्यशैली पर जमकर बरसे उन्होंने कहा कि ऐसी निकम्मी पुलिस प्रशासन की कार्यशैली से अपराधियों का मनोबल बढ़ा है पुलिस प्रशासन सचेत हो जाए वर्णा कतरास थाना गेट में तालाबंदी का थाना का चाबी जनता को सौंपा जाएगा. उन्होंने कहा कि हमलावरों की जब तक गिरफ्तारी नहीं होती है तब तक पत्रकार आंदोलन करेंगे कल हम सभी पत्रकार जिला मुख्यालय के रणधीर वर्मा चौक में कतरास व राजगंज प्रभारी का पुतला दहन कर एकदिवसीय सांकेतिक धरना देंगे उसके बाद 1 फरवरी से कतरास थाना चौक पर धरना प्रदर्शन करेंगे ।मौके पर सैकड़ो पत्रकार उपस्थित थे।

प्रदूषण को लेकर ग्रामीणों ने उपायुक्त और अनुमंडल पदाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

चास : प्रखण्ड के बांसा-बांधडीह ,अलकुशा व धनडाबर के ग्रामीणों ने क्षेत्र में फैल र ही प्रदुषण को झामुमो युवा नेता भैरव चौबे के नेतृत्व में ग्रामीण उपायुक्त बोकारो व अनुमंडल चास को ज्ञापन सौंपा है। इएस एल - वेदांता मे जीआर एल कंपनी द्वारा बांधडीह रेलवे साईडिंग से कोयला, रोमेटिरियल, आयरन मिट्टी की ढुलाई की जा रही है जिससे गांव व आसपास क्षेत्र में काफी प्रदुषण फैल रही है। ग्रामीण गंभीर बीमारी से ग्रस्त हो रही है। प्रतिदिन सैकड़ों हाईवा डंपर के द्वारा बिना त्रिपाल ढककर ढुलाई की जा रही है। जिससे गाँव में छाई उड़ रही है। सड़क के दोनों ओर स्थित दुकान, स्कूल, अस्पताल, तलाब, कुंआ मे डस्टसे प्रभावित हो रही है। कुंआ तलाब का पानी दुषित हो गया है। लोग गंभीर विमरी से पीड़ित हो रहा है। कई लोगो का गंभीर बीमारी से जान भी जा चुका है। सडक पर आयरनगिटी, कोयला व पी आयरन गिरने से सड़क पर राहगीर व दो पहिये वाहन को चलने में कठिनाई हो रही है। प्रदुषण पर प्रबंधक को रोक लगाना चाहिए। भोलानाथ चौबे, अंकुश कुमार, रोहित बर्णवाल,रविन्द्र गुप्ता, शक्ति पद गुप्ता, शिवदास चौबे, प्रमोद बर्णवाल, चन्द्र शेखर दुबे, राहुल बर्णवाल, फणिभुषण, सहित दर्जनों ग्रामीण शामिल हैं।

शहीद दिवस पर जैप -4 ने दो मिनट का मौन धारण कर शहीदों को दी श्रद्धांजलि

बोकारो : झारखण्ड सशस्त्र पुलिस-4, बोकारों में पुलिस महानिरीक्षक, झारखण्ड, भारत के स्वतंत्रता संग्राम में अपने प्राणों की आहूति देने वाले वीर शहीदो की स्मृति में 30 जनवरी के अवसर पर दो मिनट का मौन धारण कर शहीदो को श्रद्धांजली दी गई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि मुकेश कुमार समादेष्टा, रा०औ० सु०बल-सह-झा०स०पु०-4, बोकारो की अगुवाई में शहीद दिवस पर मौन धारण किया गया एवं वीर शहीदो को याद किया गया। 30 जनवरी के अवसर पर पतरस बरवा, डी एसपी राजवल्लभ पासवान, पुलिस उपाधीक्षक, झा०स०पु०-4, बोकारो , रा०औ० सु०बल, पुलिस एसोसिएशन के सभी पदाधिकारीगण, पुलिस मेन्स एसोसिएशन के सभी पदाधिकारीगण, चतुर्थवर्गीय कर्मचारी संघ के सदस्य गण, अधिष्ठापन प्रशिक्षण में प्रशिक्षणरत हवलदार प्रशिक्षु व अनुदेशक उपस्थित रहे। साथ ही इस वाहिनी की सभी कम्पनियों, सैट, पोस्ट ,पिकेट पर भी निर्धारित समय पर 30 जनवरी (शहीद दिवस) के अवसर दो मिनट का मौन धारण किया गया।

महात्मा गांधी आज भी अपने विचारों से देश का कर रहे मार्गदर्शन : डीसी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : राष्ट्रपिता महात्मा गांधी आज भी अपने विचारों से देश का मार्गदर्शन कर रहे हैं। आज उनकी पुण्यतिथि हम मना रहे हैं । लेकिन वे आज भी हमारे दिलों में जिंदा है। यह बातें गुरुवार को रामगढ़ दामोदर नदी तट पर स्थित मुक्ति धाम गांधी स्मारक में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में डीसी चंदन कुमार ने कही। डीसी ने कहा कि महात्मा गांधी ने अपने मरने से पहले एक बात कही थी। "तुम मुझे तो मार दोगे, लेकिन मेरे विचारों को कैसे मरोगे"। उनकी यह पंक्तियां आज भी लोगों के कानों में गूंजती हैं। महात्मा गांधी के निधन के बाद देश में समाजवाद के कई सिद्धांत समाज में आए। लेकिन गांधीवाद आज भी सबसे ऊपर है। डीसी चंदन कुमार ने बताया कि गांधी जी की आत्मकथा "मेरा जीवन, सत्य का प्रयोग" यह आम इंसानों को सोचने पर मजबूर कर देती है। जब जीवन में गंभीर संघर्ष चल रहा हो, तब आप गांधी जी की जीवनी को पढ़ें। आपको एक नया मार्ग मिलेगा। डीसी ने इस मौके पर डीएमएफटी फंड से गांधी द्वार बनाने की घोषणा की। सभी अधिकारियों की मौजूदगी में योजना का शिलान्यास किया गया। महात्मा गांधी के पुण्यतिथि पर विधायक ममता देवी, डीसी चंदन कुमार, एसपी अजय कुमार, जिला उप निर्वाचन पदाधिकारी रविंद्र कुमार गुप्ता अन्य अधिकारियों के साथ मुक्तिधाम पहुंचे। यहां उन्होंने महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की। महात्मा गांधी के निधन के बाद उनका अस्थि कलश देश के विभिन्न स्थानों पर स्थापित किया गया था। उनमें रामगढ़ भी शामिल है। रामगढ़ दामोदर नदी तट के किनारे महात्मा गांधी का अस्थि कलश स्थापित कर आज भी उन्हें श्रद्धांजलि दी जाती है। सन 1940 में कांग्रेस के तीन दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन में महात्मा गांधी ने भाग लिया था। उस वक्त भारी बारिश की वजह से उन्हें रामगढ़ में ही रुकना पड़ा था। इस दौरान उन्होंने अंग्रेजों भारत छोड़ो आंदोलन की शुरूआत की थी। इस मौके पर समाजसेवी प्रवीण लोहिया को सम्मानित किया गया कार्यक्रम में कमल बगड़िया और उनके साथियों के द्वारा श्रद्धांजलि गीत पेश किए गए।

माघी काली पूजा की धूम, जगह-जगह मेले का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सरिया(गिरिडीह): प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी सरिया क्षेत्र के कई गांव में मगही काली पूजा धूमधाम से मनाई गई इस दौरान लोगों ने तीन दिनों तक भक्ति पूर्वक मां काली की आराधना कर क्षेत्र में सुख शांति की कामना की। पूजा पंडालों तथा मंदिरों को भाव रूप से सजाया गया। पेठियाटांड़ सरिया, कोवड़िया टोला, पावापुर, खेसकरी औरवाटांड, कपिलो आदि ग्रामीण क्षेत्रों में भव्य मेले का आयोजन किया गया। जहां क्षेत्र के लोग मेले का आनंद लिए जमकर मिठाइयां तथा खिलौने की खरीदी की गई। खेसारी गांव में बीते बुधवार की रात दुगोला का आयोजन किया गया। जिसमें उत्तर प्रदेश के विकास निर्मला यादव तथा बिहार के अरवल के व्यास सुयानंद पांडेय के बीच जमकर गायन क्षेत्र में मुकाबला हुआ। जिसका श्रोताओं ने भूरी-भूरी प्रशंसा की। वहीं पूजा पंडालों में स्थानीय विधायक नागेंद्र महतो पहुंचे। मां काली से आशीर्वाद प्राप्त कर क्षेत्र में सुख समृद्धि की कामना किए। इस मौके पर अर्जुन प्रसाद आर्य, पंकज कुमार, दुबराज महतो, संतोष सिंह, छोटा मंडल, अशोक साव,नागेश्वर महतो, हेमलाल मंडल, छोटू मंडल बबलू मंडल, अजय यादव, पवन पांडेय, सत्यनारायण सिंह, रामसेवक सिंह, प्रमोद मंडल आदि लोग मौजूद थे।

अनगड़ा में बुद्धिजीवी मंच के विस्तार पर आजसू ने की चर्चा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

अनगड़ा : आजसू पार्टी का अन गडा डाक बंगला में बुद्धिजीवी मंच सह आजसू पार्टी प्रखंड कमेटी का बैठक किया गया। बैठक का अध्यक्षता जिला बुद्धिजीवी मंच के अध्यक्ष शहजाद आलम ने किया और संचालन प्रखंड अध्यक्ष जगरनाथ महतो ने किया। मौके पर मुख्य अतिथि निर्मला वीरेंद्र भगत जिप अध्यक्ष रांची उपस्थित हुई। अनगड़ा प्रखंड में पंचायत स्तर तक बुद्धिजीवी मंच का विस्तार करने और आजसू पार्टी के नीति सिद्धांत को जनता तक पहुंचने के लिए विचार विमर्श किया गया। मुख्य अतिथि निर्मला भगत ने कही कि आजसू पार्टी अब पुराने तेवर में देखने को मिलेगी पार्टी सरकार में नहीं है पर झारखण्ड राज्य के जनता के बीच खरखड़ी मूल्यों को लेकर सीधे संवाद करने का मौका मिला है सभी कार्यकर्त्ता कटिबद्ध हैं। जिला बुद्धिजीवी मंच के अध्यक्ष शहजाद आलम ने सतेंद्र कुमार उर्फ पल्लू को बुद्धिजीवी मंच का जिला उपाध्यक्ष मनोनीत किया। और पार्टी का पट्टा पहनकर स्वागत किया गया। इसको लेकर अनगड़ा प्रखंड कमेटी और बुद्धिजीवी मंच के संयुक्त तत्वाधान में 19 फरवरी 2025 दिन बुधवार को मिलन समारोह किया जाएगा। पूरे महीने पार्टी विस्तार पर काम होगा। जिसमें संगठन के सभी पदाधिकारियों को आमंत्रित किया जाएगा। बैठक में मुख्य रूप से केंद्रीय सदस्य वीरेंद्र सिंह भोगता, जिला प्रवक्ता रोशन लाल मुंडा, जिला सह सचिव राजेश पाहन, चिंटू मिश्रा, पारस महतो, राजू महतो मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

अल्बर्ट एक्का मेमोरियल कॉलेज में धूमधाम से वार्षिक खेलकूद कार्यक्रम संपन्न

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चैनपुर : परमवीर अल्बर्ट एक्का मेमोरियल कॉलेज में वार्षिक खेलकूद समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें चैनपुर के एसडीपीओ आईपीएस मि. ललित मीना मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इस अवसर पर जिला परिषद श्रीमती मेरी लकड़ा, अति विशिष्ट अतिथि चैनपुर प्रमुख ओलिभाकांता कुजूर, चैनपुर भिखरिएट के डीन जिब्रियानुस किंडो, भूतपूर्व प्राचार्य श्री फिलमोन कुजूर सहित कई अन्य अतिथि मौजूद थे। कार्यक्रम की शुरूआत स्पोर्ट्स झंडा फहराकर की गई, इसके बाद मशाल जलाकर और उसे पूरे ट्रैक में घूमकर खेलों की शुरूआत की गई। इसके बाद अतिथियों के स्वागत में कॉलेज के चारो हाउस अर्थात गांधी हाउस, नेहरू हाउस, पटेल हाउस, शास्त्री हाउस के विद्यार्थियों द्वारा मिलकर पूरे स्टेडियम में एक साथ नृत्य प्रस्तुत कर अतिथियों का स्वागत किया गया। इस अवसर पर विभिन्न खेलों के कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें उंची कूद लंबी कूद, गोला फेंक, चकका फेंक बरछा फेंक, रसा कसा, रिले रेश, 100 मीटर, 200 मीटर 400 मीटर, 800 मीटर 1500 मीटर 3000 मीटर फैंसी डेरेस आदि कई इवेंट शामिल थे। लड़कियों के ग्रुप से नीति साक्षी टोप्पो चैंपियन एथलीट और लड़कों की ओर से आकाश को चैंपियन घोषित किया गया। वहीं शास्त्री हाउस ओवरऑल चैंपियन बना। इस समारोह में विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया और अपने खेल कौशल का प्रदर्शन किया। यह समारोह विद्यार्थियों के लिए एक प्रेरणादायक अवसर था, जिसमें उन्हें अपने खेल कौशल को विकसित करने और अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया गया।

सरस्वती पूजा को लेकर हुई शांति समिति की बैठक, डीजे पर रहेगा प्रतिबंध

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सरिया (गिरिडीह) : आगामी सरस्वती पूजा को लेकर सरिया थाना में गुरुवार को शांति समिति की बैठक आयोजित की गई जिसकी अध्यक्षता अंचल अधिकारी संतोष कुमार तथा संचालन थाना प्रभारी योगेश कुमार महतो ने किया इस बैठक में दर्जनों लोग उपस्थित हुए जहां प्रबंधन द्वारा सरस्वती पूजा से संबंधित बातें पूजा समिति के लोगों से की गई बताया गया कि पूजा 3 फरवरी को आयोजित होगी जबकि कहीं प्रतिमा विसर्जन 4 फरवरी को तो कहीं 5 फरवरी को किया जाएगा। विधि व्यवस्था को देखते हुए प्रशासन द्वारा निर्देश दिया गया कि सरस्वती पूजा शालीनता पूर्वक मनावें। परंतु पूजा के दौरान किसी प्रकार की अप्रिय घटना ना हो इसका वह ख्याल रखेंगे। पूजा पंडाल तथा विसर्जन के दिन फूहड़ गीत संगीत ना बजाए डीजे का प्रयोग न करें। शरारती तथा और सामाजिक तत्वों पर निगाह रखें। किसी अफवाह पर ध्यान ना दें। बल्कि प्रशासन को सूचित करने की सलाह दी गई। पूजा के दौरान नशापन से दूर रहने की भी अपील की मौके पर श्रवण कुमार, संजय कुमार, भुनेश्वर मंडल, धनेश्वर साव, मनोहर यादव, कृष्ण मुरारी पांडेय, विनोद यादव, रफीक अंसारी, गयासुद्दीन अंसारी, अलीमुद्दीन अंसारी, रेणु रवानी, शिव दयाल पासवान, केदार मोदी, सुरेश भारती सहित अन्य सामाजिक कार्य करता उपस्थित थे।

गोल्डेन ट्राफी नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट 5 फरवरी से होगा शुरू

अनगड़ा : गोल्डेन ट्राफी नाईट क्रिकेट टूनामेंट का आयोजन किया गया है यह टूनामेंट हेसल क्रिकेट क्लब की ओर से कि जा रही है पहला मैच 5 फरवरी समय 5 बजे से खेला जाएगा इस टूनामेंट के संरक्षक मुस्तफा अंसारी कविता देवी रामपोदो महतो रामेश्वर महतो अध्यक्ष मिन्हाज अंसारी कोषाध्यक्ष जबारुल अंसारी सचिव महमूद अंसारी खेल प्रभारी साबिर हसन अमीरूल अंसारी है आगे बता दें कि यह टूनामेंट दो दिवसीय है और एंट्री फीस 5500 रू प्रथम पुरस्कार 31000 रू दूतीया पुरस्कार 21000 रू है इस टूनामेंट में मुख्य रूप से एहसान अंसारी असफाक अंसारी अमीरूल अंसारी सकील अंसारी अजीज अंसारी अशरफुल अंसारी समाउल अंसारी जबू अंसारी अख्तर अंसारी नजबुल अंसारी शामिल रहेंगे।

सॉफ्ट स्किल पर कार्यशाला का हुआ समापन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

अनगड़ा : महादेवी बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग एंड क्लीनिकल टेक्नोलॉजी के तत्वावधान में विवि प्रेक्षागृह में सॉफ्ट स्किल पर दो दिवसीय कार्यशाला का आज समापन हुआ। इस अवसर पर अपने संबोधन में संस्थान की प्राचार्या डॉ. सुभानी बाड़ा ने छात्रों से कार्यशाला के दौरान मिली सीख को अपने जीवन में उतारने की अपील की। ऐसे अनुभवों को उनके छात्रों के करियर के लिए उपयोगी करार दिया। कार्यशाला के दूसरे दिन प्रो. राजन तिवारी और प्रो. मानोशी रॉय ने लीडरशिप पर अपना वक्तव्य रखा। इस अवसर पर डॉ. संजीव श्रीवास्तव एवं डॉ. नम्रता सिंह ने ग्रुप डिस्कशन और प्रेजेंटेशन पर उपस्थित प्रतिभागियों के समक्ष अपना विचार प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में सरला बिरला विश्वविद्यालय के माननीय महानिदेशक प्रो. गोपाल पाठक और माननीय कुलपति प्रो. सी जगनाथन ने प्रतिभागियों के बीच प्रमाण पत्र का वितरण किया। कार्यक्रम में धन्यवाद भाषण संस्थान के प्रशासक श्री आशुतोष द्विवेदी ने दिया। कार्यशाला के आयोजन के लिए विश्वविद्यालय के माननीय कुलाधिपति श्री बिजय कुमार दलान समेत माननीय राज्यसभा सांसद डॉ. प्रदीप वर्मा ने अपनी शुभकामनाएं प्रेषित की।

उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी का कार्यालय, गुमला (आपूर्ति शाखा)

(प्रेस विज्ञप्ति)

एदद् द्वारा गुमला जिला के राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना एवं झारखण्ड राज्य खाद्य सुरक्षा योजना से आच्छादित सभी राशन कार्डधारियों/ सदस्यों का विभागीय निर्देशानुसार e-KYC किया जाना है। वर्तमान में गुमला जिला के कुल 191323 में से 166233 परिवारों एवं 898827 में से 495041 सदस्यों का ही e-KYC हो पाया है जो 50 प्रतिशत् है। फरवरी 2025 तक शत प्रतिशत् e-KYC किया जाना अतिआवश्यक है।

अतः शेष सभी राशन कार्डधारी/सदस्यों को सूचित किया जाता है कि दिनांक 28.02.2025 तक अनिवार्य रूप अपने नजदीकी जन वितरण प्रणाली दुकानदारों से सम्पर्क कर ई-पोस मशीन से e-KYC कराना सुनिश्चित करेंगे। जिन परिवारों/सदस्य निर्धारित तिथि तक e-KYC नहीं कराते हैं तो **माह मार्च 2025 से उनका नाम राशन कार्ड से विलोपित हो जाएगा।** जिसका जिम्मेवार राशन कार्डधारी/सदस्य स्वयं होंगे।

जिला आपूर्ति पदाधिकारी,
गुमला

PR 345489 Food Public Distribution and Consumer Affairs(24-25)#D

असैनिक शल्य चिकित्सक-सह-मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, लोहरदगा

Email-cs.lohardaga2@gmail.com

प्रेस विज्ञप्ति

जिला स्वास्थ्य समिति के तत्वावधान में दिनांक 28 जनवरी, 2025 को संत उर्सुला ए०एन०एम० ट्रेनिंग स्कूल में PCPNDT Act के तहत् Save the Girl Child अभियान अंतर्गत एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य अतिथि डॉ० शम्भुनाथ चौधरी, सिविल सर्जन, सदर अस्पताल, लोहरदगा कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को PCPNDT Act. के कानूनी प्रावधानों, तकनीकि प्रावधानों एवं मुखबिर योजना के बारे में जानकारी दिये। डॉ० अमर नाथ डे, अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, सदर अस्पताल, लोहरदगा छात्राओं को PCPNDT Act. में वर्णित लिंग जाँच के तकनीकियों की जानकारी दिये।

कार्यक्रम में उपस्थित स्वयं सेवी संस्थान LGSS, हंस फाउण्डेशन और होप संस्था के प्रतिनिधियों ने जेंडर असमानता, Child Rights, POCSO एवं हेल्पलाईन नम्बर 1098, 112, 121, 104 के विशय में बताया। इसके साथ ही बच्चियों के अधिकारों के प्रति जागरूक रहने संबंधी बातों की चर्चा हुई। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान का लक्ष्य लड़कियों के साथ होने वाले भेदभाव को दूर करना है। कार्यक्रम में होप संस्था के जिला समन्वयक, अमित सिंह, LGSS से अरविंद कुमार, हंस फाउण्डेशन से अमित कुमार, PCPNDT कॉर्डिनेटर जोफा लकड़ा, राजेश कुमार, लिपिक एवं मो० मुस्तफा, STT उपस्थित रहे।

असैनिक शल्य चिकित्सक सह मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, लोहरदगा

PR 345486 Lohardaga(24-25)#D

कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग
जिला गव्य विकास कार्यालय, चतरा।
"पशुपालकों के लिए आम सूचना"

चतरा जिला अन्तर्गत वैसे ग्रामीण व्यक्तिगत लघु उद्यमियों /युवा शिक्षित बेरोजगारों/ स्वयं सहायता समूह के सदस्यों/प्रगतिशील पशुपालकों/सखी मण्डलों जिनकी इच्छा वृहद स्तर पर दुधारू मवेशी पालने की है को, सूचित किया जाता है कि विभाग द्वारा वर्ष 2024–25 एवं 2025–26 अन्तर्गत दो चरणों में वित पोषण की जाने वाली कामधेनु डेयरी योजना (50 दुधारू गाय/मैंस की योजना) सामान्य वर्ग के लिए 25 प्रतिशत अनुदान सह 75 प्रतिशत लाभुक अंशदान एवं बैंक ऋण तथा अनुसूचित जाति/ अनु० जनजाति के लिए 33.33 प्रतिशत अनुदान सह 66.67 प्रतिशत लाभुक अंशदान एवं बैंक ऋण पर संचालित है। इस OSP योजना अन्तर्गत योजना का क्रियान्वयन प्राथमिकता के आधार पर झारखण्ड मिल्क फेडरेशन के कार्य क्षेत्र में चिन्हित दुग्ध पथों के इर्द-गिर्द किया जायेगा। योजना का स्वरूप निम्नवत् है:-

क्र० सं०	योजना का नाम	योजना की लागत राशि (रू०)	सरकारी अनुदान (रू०)	बैंक ऋण (रू०)	लाभुक अंशदान (रू०)	लक्ष्य	आहर्ता
01	कामधेनु डेयरी फार्मिंग अन्तर्गत 50 दुधारू गाय /मैंस की योजना	3976250.00	33.33 प्रतिशत	56.67 प्रतिशत	10.00 प्रतिशत	01	अनु० जाति/अनु० जन जाति अन्तर्गत ग्रामीण व्यक्तिगत लघु उद्यमी /युवा शिक्षित बेरोजगार/ स्वयं सहायता समूह के सदस्य/प्रगतिशील पशुपालक/सखी मण्डल
			25 प्रतिशत	65 प्रतिशत	10.00 प्रतिशत	04	सामान्य वर्ग के व्यक्तिगत लघु उद्यमी /युवा शिक्षित बेरोजगार/स्वयं सहायता समूह के सदस्य/प्रगतिशील पशुपालक/सखी मण्डल

योजना का कार्यान्वयन हेतु विज्ञापन की तिथि से 15 दिनों के अन्तर्गत आवेदकों से आवेदन पत्र आमंत्रित किया जाता है। जिला गव्य विकास कार्यालय,चतरा से निःशुल्क आवेदन पत्र कार्यालय कार्य अवधि में प्राप्त किया जा सकता है।

नोट :- आवेदन पत्र के साथ ग्राम पंचायत की अनुशंसा की छायाप्रति, आधार कार्ड की छायाप्रति, बैंक पासबुक की छायाप्रति, अनु० जाति एवं अनु० जन जाति के आवेदकों के लिए जाति प्रमाण पत्र एवं पैन कार्ड की छायाप्रति एवं भूमि स्वामित्व प्रमाण पत्र संलग्न करना आवश्यक होगा।

जिला गव्य विकास पदाधिकारी,
चतरा।

PR 345436 Animal Husbandry(24-25)D

कार्यालय :- जिला उद्यान पदाधिकारी, चतरा
संयुक्त कृषि भवन, तपेज, चतरा पिन कोड-825401
e-mail : dhochatra@gmail.com

अल्पकालीन आम सूचना

विभागीय स्वीकृत्यादेश स०-42 दिनांक 24.07.2024 के आलोक में वित्तीय वर्ष 2024-25 में झारखण्ड राज्य उद्यान विकास योजनान्तर्गत "प्रोमोशन ऑफ अरबन फार्मिंग" के कार्यन्वयन किया जाना है। इस योजना के तहत् राज्य के शहरी क्षेत्रों में हरित आवरण सुनिश्चित करने तथा भूमंडलीय उष्मीकरण हमले के विरूद्ध पर्यावरण संतुलन बनाये रखने एवं पौष्टिक सुरक्षा प्रदान करने, आजीविका के स्थाई स्रोत का सृजन कराने साथ ही रोजी-रोटी तथा भोजन के लिए पलायन को रोकने के उद्देश्य से शहरी इलाकों एवं उससे सटे हुए आस-पास के शहरी क्षेत्रों में बसे हुए परिवार के घरों के आवासीय परिसर में खाली पड़े छोटे भू-खण्ड सरकारी परिसर जहाँ स्थान उपलब्ध हो एवं Terrace Gardening अन्तर्गत जैविक एवं गुणवत्तायुक्त विभिन्न प्रकार के सब्जीयों, फूलों एवं फलों के उत्पादन किया जाना है।

इन योजनाओं का लाभ लेने इच्छुक कृषक को कार्यालय से आवेदन प्राप्त कर विहित प्रपत्र पूर्ण रूप से भर कर पंचायती राज संस्था के मुखिया/जनप्रतिनिधि से अनुशंसा कराकर अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में दिनांक 07/02/2025 को 05:00 बजे अपराह्ण तक आवेदन दे सकते हैं।

आवेदन पत्र के साथ आवश्यक कागजात यथा आवेदक का फोटोग्राफ, आधार कार्ड, मोबाईल नं0 बैंक पासबुक, शपथ पत्र जमीन संबंधि अद्यतन रसीद संलग्न होना आवश्यक है।

सभी योजना की विस्तृत जानकारी एवं आवेदन प्रपत्र जिला उद्यान कार्यालय, संयुक्त कृषि भवन, तपेज, चतरा से प्रत्येक कार्य दिवस 11:00 बजे पूर्वा० से 05:00 बजे अपराह्न तक प्राप्त किया जा सकता है।

जिला उद्यान पदाधिकारी,
चतरा।

PR.NO.345419 Agriculture(24-25):D

झारखण्ड शिक्षा परियोजना, सिमडेगा
नए समाहरणालय भवन, ब्लॉक-ए,द्वितीय तल्ला
दूरभाष: 06525-225835 फैक्स: 225836 E-mail:- ssasimdega@yahoo.co.in

पत्रांक : दिनांक:

झारखण्ड शिक्षा परियोजना, सिमडेगा।

जिले में संचालित 03 मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालयों (CM SOE) में नामांकन से संबंधित सूचना:-

राज्य परियोजना निदेशक, झारखण्ड शिक्षा परियोजना परिषद्, रॉंची का पत्रांक ME/01/1183/2023/67 दिनांक 08.01.2025 के आलोक में जिले में संचालित 03 मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालयों (CM SOE) में शैक्षणिक सत्र 2025-26 में विद्यालयवार नामांकन के लिए सुयोग्य छात्र-छात्राओं से निम्नवत् रूप से आवेदन आमंत्रित किया जाता है:-

Sl. No.	Name of CM SOE	U_dise Code	Class wise Vacant Seats							Total
			Class -6	Class -7	Class -8	Class -9	Class -11			
							ARTS	COMMERCE	SCIENCE	
1	District CM School of Excellence, Simdega	20210417707	80	4	1	54	120	45	45	349
2	CM School of Excellence Girls, Simdega	20210417713	40	0	0	40	90	45	0	215
3	KGBV CM School of Excellence, Simdega	20210417011	25	0	0	0	0	0	0	25
	Total		145	4	1	94	210	90	45	589

इच्छुक छात्र/छात्राओ तथा उनके अभिभावकों से अनुरोध है कि वे दिनांक 10.02.2025 तक अपना आवेदन ऑनलाईन अथवा ऑफलाईन मोड में राज्य परियोजना कार्यालय द्वारा निर्गत दिशा-निदेश के अनुरूप किया जा सकता है। नामांकन हेतु ऑनलाईन आवेदन झारखण्ड शिक्षा परियोजना परिषद्, रॉंची के अधिकारिक वेबसाईट:-https://evidyavahini.jharkhand. gov.in/studentAdmission के पोर्टल पर वांछित अभिलेखों के साथ किया जा सकेगा। आवेदन संबंधित मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालयों से नामांकन प्रपत्र प्राप्त ऑफलाईन मोड में संबंधित मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय में जमा किया सकता है। विस्तृत सूचना एवं आवेदन पत्र प्रारूप जिले के अधिकारिक वेबसाईट simdega.nic.in पर भी उपलब्ध है। नामांकन हेतु अभिभावकों के जानकारी के लिए सभी उत्कृष्ट विद्यालयों में हेल्प डेस्क स्थापित किया गया है। नामांकन से संबंधित मुख्य तिथियाँ निम्नवत् है:-

Sl. No.	Admission Milestone	Date
1	Application Submission Period	20.01.2025 to 10.02.2025
2	Scrutiny of Admission form by Scrutiny committee headed by DEO, where all SoE principal/headmaster of the District and SDEO will be member.	13.02.2025 to 15.02.2025
3	Publication of Provisional list including deficiency statement if any for compliance	17.02.2025
4	Submission of Classwise applicant list to State Project Office, JEPC	20.02.2025
5	Compliance period for parents to remove deficiency in application and its submission to DEO office.	21.02.2025 to 22.02.2025
6	Conduct of Admission Test	01.03.2025
7	Publication of School wise 1st Merit list for Admission in various classes for which Application have been invited	10.03.2025
8	Admission of children in SoEs as per Selection List	11.03.2025 to 22.03.2025
9	Orientation of Children and start of academic session under CBSE Curriculum based on NCERT books	01.04.2025

विश्वासभाजन
जिला शिक्षा पदाधिकारी-सह-जिला कार्यक्रम पदाधिकारी
झारखण्ड शिक्षा परियोजना, सिमडेगा।

PR.NO.345520 Simdega(24-25):D

दलित ओबीसी मतदाता बनाएंगे दिल्ली में सरकार

रमेश सर्राफ धमोरा

दिल्ली विधानसभा के चुनाव में जो संघर्ष देखने को मिल रहा है उससे लगता है कि इस बार मुकाबला नेक टू नेक होने की पूरी संभावना नजर आ रही है। सभी दलो द्वारा मतदाताओं को लुभाने के लिये बड़ी-बड़ी धोषणा की जा रही है। पिछले लोकसभा चुनाव का ट्रेंड देखकर तो यही लगता है कि इस बार भाजपा, आआप व कांग्रेस में से कौन सी पार्टी सरकार बनायेगी यह कोई नहीं बता सकता है। इसका फैसला तो वोट डालकर दिल्ली के मतदाता ही करेंगे।

दिल्ली में विधानसभा चुनाव के लिए वोट डालने में अब कुछ दिनों का समय ही शेष रह गया है। वहां चुनाव प्रचार पूरे शबाब पर है। सभी दलों के बड़े नेता अपनी-अपनी पार्टी प्रत्याशियों को जीताने के लिए जमकर चुनाव प्रचार कर रहे हैं। पूरी दिल्ली में चुनावी चौसर बिछी हुई है। सट्टा बाजार में राजनीतिक दलों की हार-जीत के बड़े-बड़े दावे किए जा रहे हैं। दिल्ली में किसकी सरकार बनेगी इसका पता तो 8 फरवरी को मतगणना के बाद ही चल पाएगा।

मगर दिल्ली विधानसभा चुनाव में इस बार बड़ी कड़ी टक्कर देखने को मिल रही है। एक तरफ जहां सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी (आप) चौथी बार सरकार बनाने के प्रयास में लगी हुई है। वहीं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) भी चाहती है कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में उनकी पार्टी की सरकार बने ताकि केंद्र व राज्य का झगड़ा समाप्त हो। कहने को तो दिल्ली केंद्र शासित प्रदेश है। यहां की सरकार व मुख्यमंत्री के पास अन्य प्रदेशों की तरह पूरे अधिकार नहीं होते हैं। मगर दिल्ली का मुख्यमंत्री होना अपने आप में बड़ी बात है। दिल्ली से ही देश की सरकार चलती है। ऐसे में दिल्ली में जो सरकार बनती है उसके महत्व को नकारा नहीं जा सकता है।

दिल्ली विधानसभा चुनाव में इस बार दलित, जाट व गुर्जर मतदाताओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होने जा रही है। दिल्ली में 12 विधानसभा सीट अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित है। यहां करीबन 18 प्रतिशत दलित मतदाता है। दिल्ली की आरक्षित 12 सीटों के अलावा 18 और ऐसी विधानसभा सीटे हैं जहां दलित मतदाताओं की संख्या 15 प्रतिशत से अधिक है। ऐसे में दिल्ली की 30 विधानसभा सीटों पर दलित मतदाताओं की भूमिका महत्वपूर्ण रहने वाली है।

दिल्ली में बवाना, सुल्तानपुर माजरा, मंगोलपुरी, करोल बाग, पटेल नगर, मादीपुर, देवली, अंबेडकर नगर, त्रिलोकपुरी, कोंडली, सीमापुरी, गोकलपुर विधानसभा सीट को अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित किया गया है। इसके अलावा करीबन 15 से 20 अन्य ऐसी सीटें है जहां दलित मतदाता निर्णायक भूमिका में रहते हैं। इसलिए दिल्ली विधानसभा की 70 में से करीबन 30 सीटों पर दलित मतदाताओं की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। 2020 के विधानसभा चुनाव में सभी 12 आरक्षित सीटों पर आम आदमी पार्टी के प्रत्याशियों ने चुनाव जीता था। इसलिए आम आदमी पार्टी का पूरा फोकस दलित मतदाताओं पर है। दिल्ली के अनुसूचित जाति के मतदाताओं में से 38 फीसदी जाटव और 21 फीसदी वाल्मीकि है।

पिछले लोकसभा चुनाव में अनुसूचित जाति के मतदाताओं के लिए देश भर में आरक्षित 84 लोकसभा सीटों में से भाजपा मात्र 30 सीट पर ही चुनाव जीत पाई थी। इंडिया गठबंधन के भाजपा द्वारा संविधान बदलने के नारे के कारण दलित मतदाता भाजपा से छिटककर विपक्षी खेमे में चले गए थे। इसी तरह दिल्ली में भी पिछले दो विधानसभा चुनाव में अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित सभी 12 सीटों पर आम आदमी पार्टी लगातार जीतती आ रही है। इसलिए अनुसूचित जाति के मतदाताओं को अपने पक्ष में करने के लिए भाजपा व कांग्रेस इस बार के चुनाव में पूरा जोर लगा रही है।

भाजपा ने 12 आरक्षित सीटों के अलावा दो सामान्य सीटों मटिया महल से दीप्ति इंदौरा व बल्लीमारन से कमल बागड़ी को उम्मीदवार बनाया है। इस तरह भाजपा ने कुल 14 सीटो पर दलित उम्मीदवारों को मैदान में उतारा है। वहीं कांग्रेस ने भी नरेला से अनुसूचित जाति की अरुणा कुमारी को टिकट देखकर कल 13 सीटों पर दलित प्रत्याशियों को मैदान में उतारा है। भाजपा व कांग्रेस की रणनीति है कि दलित मतदाताओं को आम आदमी पार्टी से दूर किया जाए। आम आदमी पार्टी ने 12 आरक्षित सीटों पर ही अनुसूचित जाति के प्रत्याशियों को टिकट दी है। हरियाणा व महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में एक बार फिर दलित मतदाताओं का रुझान भाजपा की तरफ होने के चलते वहां भाजपा ने बड़ी जीत हासिल की थी। इसी से उत्साहित होकर भाजपा अनुसूचित जाति के मतदाओं की बहुलता वाली सीटों पर विशेष चुनावी प्रबंधन कर चुनावी रणनीति बना रही है।

दिल्ली में जाट मतदाताओं की बहुलता वाली 10 सीटों महरौली, मुंडका, रिठाला, नांगलोई, मटियाला, पालम, नरेला, विकासपुरी, नजफगढ़ व बिजवासन पर आम आदमी पार्टी का कब्जा है। इस बार भाजपा आम आदमी पार्टी से इन सभी 10 सीटों को छीन कर अपनी वापसी का प्रयास कर रही है। भाजपा ने इस बार करीबन 14 टिकट जाट नेताओं को दी है। जिनमें पूर्व सांसद प्रवेश वर्मा नई दिल्ली से पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के सामने चुनाव लड़ रहे हैं। वही आप सरकार में कैबिनेट मंत्री रहे कैलाश गहलोत भी बीजेपी टिकट पर बिजवासन से चुनाव लड़ रहे हैं। कैलाश गहलोत के भाजपा में जाने से आप के पास कोई बड़ा जाट नेता नहीं रह गया है जो जाट मतदाताओं को आप पार्टी से जोड़े रख सके। जबकि भाजपा ने पूर्व सांसद प्रवेश वर्मा को अरविंद केजरीवाल के सामने खड़ा कर दिल्ली के चुनाव को रोचक बना दिया है।

दिल्ली में गुर्जर मतदाताओं की भी बड़ी संख्या है। इनके प्रभाव वाली छतरपुर, मुस्तफाबाद, तुगलकाबाद, घोंडा, गोकुलपुरी, ओखला पर आम आदमी पार्टी का कब्जा है। वहीं बदरपुर, करावल नगर व पालम पर भाजपा का कब्जा है। दिल्ली के पूर्व सांसद व बड़े गुर्जर नेता रमेश बिधूड़ी को भाजपा ने मुख्यमंत्री आतिशी मार्लेना के खिलाफ चुनाव मैदान में उतार कर चुनाव को रोचक बना दिया है।

दिल्ली में मदनलाल खुराना व साहिब सिंह वर्मा के बाद हमेशा बाहरी व्यक्ति ही मुख्यमंत्री बनता रहा है। सुषमा स्वराज, शीला दीक्षित, अरविंद केजरीवाल, अतिशी मार्लेना जैसे लोग दिल्ली के मूल निवासी नहीं हैं। इसलिए दिल्ली के लोग चाहते हैं कि अब की बार दिल्ली का ही रहने वाला नेता दिल्ली का मुख्यमंत्री बने ताकि उसे दिल्ली की असली नब्ज व समस्याओं की बखूबी जानकारी हो। जाट मतदाता चाहते हैं कि साहिब सिंह वर्मा के बाद एक बार फिर उनके बेटे प्रवेश वर्मा को मुख्यमंत्री बनाया जाए ताकि दिल्ली का सर्वांगीण विकास हो सके। वही गुर्जर मतदाता रमेश बिधूड़ी को मुख्यमंत्री बनाने की का मांग कर रहे हैं। कहने को तो कांग्रेस भी पूरी सक्रियता से चुनाव लड़ रही है। मगर इंडिया गठबंधन में उनके साथी दलों द्वारा आम आदमी पार्टी को समर्थन देने के बाद कांग्रेस का मनोबल कमजोर हुआ है। इसी के चलते कांग्रेस का चुनाव प्रचार भी ज्यादा गति नहीं पकड़ पाया है। ऐसे में मुख्य मुकाबला आप व भाजपा के मध्य माना जा रहा है।

दिल्ली विधानसभा के चुनाव में जो संघर्ष देखने को मिल रहा है उससे लगता है कि इस बार मुकाबला नेक टू नेक होने की पूरी संभावना नजर आ रही है। सभी दलो द्वारा मतदाताओं को लुभाने के लिये बड़ी-बड़ी धोषणा की जा रही है। पिछले लोकसभा चुनाव का ट्रेंड देखकर तो यही लगता है कि इस बार भाजपा, आआप व कांग्रेस में से कौन सी पार्टी सरकार बनायेगी यह कोई नहीं बता सकता है। इसका फैसला तो वोट डालकर दिल्ली के मतदाता ही करेंगे। जिस पार्टी के पक्ष में दिल्ली के मतदाता मतदान करेंगे। वही पार्टी दिल्ली में सरकार बनाएगी।

(लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार है।)

संपादकीय

दूर की सोचें राहुल गांधी

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी भारतीय जनता पार्टी और आम आदमी पार्टी दोनों के प्रति अब समान रूप से हमलावर हो गए हैं। दिल्ली में एक चुनाव सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल ने साफ-सुथरी राजनीति की बात की थी, लेकिन उनकी सरकार में सबसे बड़ा शराब घोटाला (आबकारी घोटाला) हो गया और वह 'शीश महल" में रहने लगे। इसी तरह उन्होंने भाजपा, मोदी और आरएसएस पर एक बार फिर देश में नफरत की राजनीति करने का आरोप लगाया।

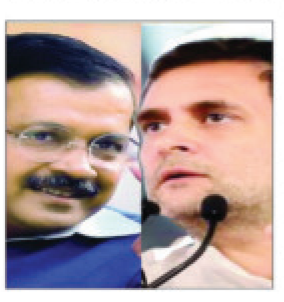

सच तो यह कि राहुल गांधी को अपनी नीतियों को लेकर स्पष्ट होना चाहिए और यह समझ बनानी चाहिए कि उन्हें कब किसका और किस मुद्दे पर विरोध करना है। केजरीवाल पर उनका हमला लगभग वैसा ही है, जैसा भाजपा के होते हैं। तो क्या यह माना जाना चाहिए कि जो भाजपा का शत्रु है वह राहुल गांधी का भी शत्रु है। यह हास्यास्पद स्थिति है कि केजरीवाल के मामले में राहुल गांधी भाजपा की लाइन ले रहे हैं। जब केजरीवाल जेल में थे तो वह उनकी रिहाई की मांग कर रहे थे और जब दिल्ली के चुनाव में उनकी पार्टी के साथ गठबंधन या समझौता नहीं हुआ तो उन पर तीखा हमला कर रहे हैं। अब राहुल गांधी को यह तय करना चाहिए कि ऐसा करके वह किसको फायदा पहुंचा रहे हैं और किसे नुकसान पहुंचा रहे हैं। दूसरी महत्त्वपूर्ण बात यह है कि अब उनकी मोहब्बत की दुकान वाला जुमला अर्थहीन हो चुका है। जब उनकी मोहब्बत की दुकान उनके गठबंधन 'इंडिया' यानी विपक्षी दलों के गठबंधन के साझेदारी को ही मोहब्बत नहीं दे पा रही है तो बाकी किसे देगी। शायद उनकी मोहब्बत सिर्फ उनके लिए है जो आंख मूंदकर उनके साथ आ जाए और जो उनका अपना ही क्यों ना हो, अगर उनके विरोध में आता है तो वहां उनकी मोहब्बत की दुकान बंद हो जाती है। दरअसल, जरूरत इस बात की है कि कांग्रेस अपने छोटे-छोटे दली स्वार्थ से ऊपर उठकर राष्ट्रीय एजेंडा तैयार करे और उसी के अनुसार अपने राजनीतिक दोस्त और दुश्मन को तय करे। अन्यथा इस समय राहुल गांधी जो कर रहे हैं उससे उनके दोस्त भी दुश्मन होते चले जाएंगे और इसकी भारी कीमत उनकी पार्टी कांग्रेस को चुकानी पड़ेगी?

चिंतन-मनन

एकता में भाषा भी अवरोध

भाषा, जो दूसरों तक अपने विचारों को पहुंचाने का माध्यम है, उसे भी राष्ट्रीय एकता के सामने समस्या बनाकर खड़ा कर दिया जाता है. अपनी भाषा के प्रति आकर्षण होना अस्वाभाविक नहीं है और मातृभाषा व्यक्ति के बौद्धिक विकास का सशक्त माध्यम बन सकती है, इसमें कोई संदेह नहीं. पर हमें इस तथ्य को नहीं भुला देना चाहिए कि मातृभाषा के प्रति जितना हमारा आकर्षण होता है, उतना ही आकर्षण दूसरों को अपनी मातृभाषा के प्रति होता है। इसलिए भाषाई अभिनिवेश में फंसना कैसे तर्कसंगत हो सकता है? हमारे पूर्वाचर्यों ने एकता की सर्वोत्तम कसौटी प्रस्तुत की थी। वह है- जो तुम्हारे लिए प्रतिकूल है, वह तुम दूसरों के लिए मत करो। हमारा भाषाई प्रेम उस सीमा तक ही होना चाहिए जहां दूसरों के भाषाई प्रेम से उसकी टक्कर न हो। हर प्रांत का अपना भाषाई प्रेम है।

उनके पारस्परिक संपर्क के लिए एक जैसी भाषा भी अपेक्षित होती है, जो उनके प्रेम को अक्षुण्ण रखते हुए एक-दूसरे को मिला सके। वह राष्ट्रीय भाषा होती है। प्रांतीय भाषा के प्रेम को इतना उभार देना कैसे उचित हो सकता है, जिससे प्रांतीय और राष्ट्रीय भाषाओं में परस्पर टकराहट पैदा हो जाए। राष्ट्रीय एकता के लिए इस विषय पर गंभीर चिंतन आवश्यक है। भाषा की समस्या को मैं सामयिक समस्या मानता हूं। इस समस्या को कभी-कभी उभार दिया जाता है और वह राष्ट्रीय एकता के लिए चुनौती बन जाती है। फिर भी इसमें स्थायित्व नहीं है। इसके आकर्षण की एक सीमा है। यह लंबे समय तक जनता को आकृष्ट किए नहीं रख सकती। आर्थिक-सामाजिक वैषम्य तथा जातीय और सांप्रदायिक वैमनस्य राष्ट्रीय एकता की स्थाई समस्याएं हैं। इनका समाधान हुए बिना राष्ट्रीय एकता का आधार मजबूत नहीं हो सकता। क्या हित-सिद्धि के भेद की भित्ति पर अभेद का प्रासाद खड़ा किया जा सकता है? क्या हीनता और उच्चता की उबड़-खाबड़ भूमि पर एकता के रथ को ले जाया जा सकता है? ऐसे कभी नहीं हो सकता।

समाज के ज्वलंत मुद्दों पर सीधा हस्तक्षेप करती हैं 'पुष्पा प्रियदर्शनी' की कविताएं

डॉ रामचंद्र कुमार

साहित्य के महान महासागर में कुछ करना अतिशय सूक्ष्म होता है किंतु इस सूक्ष्म में भी छोटा से छोटा योगदान भी अतिशय मन को अनन्य सुख प्रदान करती है—पुष्पा प्रियदर्शनी की यह पंक्ति न केवल साहित्य के प्रति उनके गहरे अनुराग और समझ को व्यक्त करती है, बल्कि यह साहित्य के महत्व को भी स्पष्ट रूप से रेखांकित करती है। उनके अनुसार, भले ही साहित्य का योगदान प्रतीत होने में सूक्ष्म हो, फिर भी वह आत्मिक संतोष और आनंद की अनंत गहराई प्रदान करता है। साहित्य, कला और संस्कृति की वह एक अद्भुत पुष्प थीं जिन्होंने साहित्य के बगिया को और अधिक सौंदर्य प्रदान किया था, लेकिन अफसोस कि असमय उन्होंने इस संसार को अलविदा ले लिया। पुष्पा प्रियदर्शनी भारत के उन नवोदित साहित्यकारों और कवयित्रियों में थीं, जिनकी रचनाएँ समकालीन समाज के ज्वलंत मुद्दों पर सीधा हस्तक्षेप करती थीं, और अपनी कविताओं के माध्यम से समाज में हो रहे बदलावों और समस्याओं को बेबाकी से प्रस्तुत करती थीं। पुष्पा प्रियदर्शनी की कविताओं में भौतिकवाद, नारी मुक्ति, मानवीय मूल्यों का पतन, और भ्रष्टाचार जैसे समकालीन मुद्दों पर उनकी चिंता गहरे रूप से व्यक्त होती है। भौतिक संस्कृति के बढ़ते प्रभावों पर उनकी पंक्तियाँ, ह्वकुतर-कुतर कुतरण पहन, समझ रहें सौभाग्य! महंगाई तन पर दिखा, बस कुतरण का राज्यह्व वर्तमान समाज की चकाचौंध और भौतिकवादी मानसिकता की आलोचना करती हैं। वे इस बात को उजागर करती हैं कि कैसे समाज में भौतिकता और दिखावे का आकर्षण बढ़ गया है, जबकि असल में यह सिर्फ एक खोखला और बनावटी सौभाग्य है। तकनीकी उन्नति और उसके समाज में बढ़ते प्रभाव पर भी पुष्पा प्रियदर्शनी अपनी चिंता व्यक्त करती हैं, जैसे कि उनकी पंक्तियाँ देखा-देखी में यहाँ बना रहे सब रील; अंतरंग क्षण बेचकर, करते हैं गुड फील। होड़ हाड़ की दौड़ में, सभी बने जांबाज, लत्ती मारण यंत्र से, बन जाते परवाज₹ यह दिखाती हैं कि कैसे लोग अपने निजी क्षणों को दिखावे और होड़ में बदलकर आत्मसंतुष्टि प्राप्त करने की कोशिश कर रहे हैं, जबकि सच्चे मानवीय संबंध और व्यक्तिगत अनुभव खोते जा रहे हैं। इसी प्रकार मानव मूल्यों के गिरावट पर भी वे लिखती हैं, मिलावटों का दौर है, रिश्ते या सामान; एक हृदय को पीर दे, दूजा छीने प्राण—इसमें वे समाज में बढ़ती मिलावट, रिश्तों में अपवित्रता और मानवीय संवेदनाओं के ह्रास की ओर संकेत करती हैं। उनका यह कथन हमारे समाज में बढ़ते भ्रष्टाचार, स्वार्थ और रिश्तों की वास्तविकता से मुख मोड़ने की स्थिति को गंभीरता से उजागर करता है।

पुष्पा प्रियदर्शनी की कविताओं में प्रेम, विरह, सौंदर्य और भक्ति का अद्वितीय संगम देखने को मिलता है, जहां वे जीवन के विभिन्न पहलुओं को गहरे भावनात्मक और व्यावहारिक दृष्टिकोण से प्रस्तुत करती हैं। उनकी रचनाओं में रिश्तों की सच्चाई, मानवीय संवेदनाओं की पवित्रता, और समाज के उतार-चढ़ावों का स्पष्ट चित्रण मिलता है। जैसे कि वे लिखती हैं, ह्वबांध रिश्तों को तुला पर है लगता तोल कुछ, कर रहे रिश्ते निवेशित इस तरह बाजार में, कह रहा मुख बोल कुछ और खुल रहा है पोल कुछ,ह्व जिसमें वे रिश्तों की असलियत और भावनाओं की शुद्धता को महत्व देती हैं। भक्ति पर वे कहती हैं, ह्वभाव से पुकारे भक्त भावना में डूब, तब मोक्षदायी प्रभु भी तो भाव बंधे आते हैं,ह्व जिससे यह संदेश मिलता है कि प्रेम और भक्ति में डूबे व्यक्ति के भाव ही उसे ईश्वर के निकट ले जाते हैं। प्रेम के संदर्भ में वे यह व्यक्त करती हैं, मानते अपना जिन्हें हम आत्मा करके समर्पण; एक दिन कर दें कहीं न आपके ही भाव तर्पण, बदली लेखन रीति है, बदला जग परिवेश्य। आज खोखला हो गया, सृजन जगत उद्देश्य;हित समाज का सन्निहित, था साहित्य अधार। गौण हुई वह साधना, बना निपट व्यापार।ह्व पुष्पा प्रियदर्शनी की ये पंक्तियाँ साहित्य के वर्तमान संकट और उसकी बदलती दिशा को बेहतरीन तरीके से व्यक्त करती हैं। वे यह संकेत करती हैं कि आजकल साहित्यिक लेखन की शैली और उद्देश्य में बदलाव आया है, जो समाज के हित से अधिक व्यक्तिगत या व्यावसायिक लाभ की ओर झुका हुआ है। अब साहित्य का सृजन उद्देश्यहीन हो गया है, और उसका वास्तविक सामाजिक या सांस्कृतिक योगदान कम होता जा रहा है। वे यह याद दिलाती हैं कि पहले साहित्य का मुख्य उद्देश्य समाज के हित और जागरूकता को बढ़ाना था, लेकिन अब वह उद्देश्य गौण हो गया है। वे साहित्य के व्यापारिकरण की आलोचना करती हैं, जहां पहले साहित्य एक साधना हुआ करता था, वहीं अब यह केवल एक व्यवसाय बनकर रह गया है। इन पंक्तियों के माध्यम से पुष्पा प्रियदर्शनी साहित्य के वर्तमान संकट को गहरी चिंता और आलोचना के साथ प्रस्तुत करती हैं।

महाकुंभ की महत्व पर उठते कई सवाल

विनोद तकियावाला

भौतिकवादी इस युग में जहाँ प्रत्येक क्षेत्र में आज विज्ञान का तुती बोल रही है,वही वैश्विक मानचित्र के पटल पर इनदिनों एक बार फिर से भारत की चर्चा चहुँ दिशाओं हो रही है।अवसर है आस्था व आध्यात्म के अविस्मरणीय स्वर्णिम पल की।सर्व विदित रहे कि इन दिनों तीर्थराज्य की राजधानी धर्म नगरी प्रयागराज स्थित गंगा युमना व सरस्वती की पवित्र संगम स्थली पर भव्य व दिव्य महाकुम्भ का आयोजन हो रहा है।यूँ तो कुंभ चार वर्ष व महाकुंभ 12 बर्ष में लगता है।देश में सिर्फ चार जगहों पर 12 वर्ष के अंतराल में लगता है।

ये चार शहर है हरिद्वार,प्रयागराज, उज्जैन और नासिक।इसी वजह से इन शहरों को कुंभनगरी कहा जाता है।जिनका उल्लेख प्राचीन हिंदू शास्त्रों व पुराणों में भी मिलता है,पौराणिक ग्रन्थ के अनुसार आदिकाल में जब समुद्र मंथन के दौरान अमृत कलश निकला था,जिसे पाने के लिए देवताओं व असुरों में होड़ मच गई थी।तब स्वंय भगवान विष्णु ने मोहिनी रूप धारण किया और असुरों को छलकर अमृत देवताओं को ही पिलाया था लेकिन इस दौरान कलश के अमृत की कुछ बूंदें छलककर धरती पर आ गिरी थीं।ये बूंदें हरिद्वार,प्रयागराज,उज्जैन और नासिक और इसी वजह से इन्हीं चार स्थलों महाकुंभ का आयोजन होता है।

आप के मन उठना स्वामिक है कि हर 12 साल के बाद ही क्यों आता है।तो आप को बता दे कि अमृत के लिए असुरों और देवताओं के मध्य 12 दिनों का युद्ध हुआ था।मै स्पष्ट कर दूँ कि उस समय के12दिव्य आज के एक दिन 12 साल के बराबर है।इसी कारण महाकुंभ का आयोजन पूरे12साल के अंतर पर होता है।पौराणिक मान्यता के अनुसार कुंभ मेले में स्नान करने से मोक्ष मिलता है व इंसान के सारे पापों का अंत हो जाता है।एक विशेष पक्ष का मानना है कि यह महाकुंभ न केवल धार्मिक आयोजन है,बल्कि यह भारत की सांस्कृतिक विविधता का अद्भुत प्रदर्शन भी है।हालांकि यथार्थ की धरातल ये सभी बातें कोपल कलपित लगती है।एक ओर तो हम पृथ्वी से इसरो चन्द्रयान 3 व आदित्या एल वन चाँद व सूर्य की तस्वीर भेज रहे हो।मै यहाँ स्पष्ट कर दुँ कि मै कोई धर्म विरोधी या नास्तिक व्यक्ति नही हूँ।आध्यात्म व धर्म आस्था व धारण की अवधारणाओ पर आधारित होता है।आज जो महाकुम्भ के नाम की ब्राण्ड,मॉकेट्रिंग व विज्ञापन पोस्टर बाजी,खबरिया चैनल के माध्यम पताल भैरवी राग अलापे जा रहे है,वही दूसरी तरफ शोसल मीडिया के ओछी मानसिकता व हरकतों से कुछ लोग नाराज देख रहे है।इसका बड़ा उद्धाहरण हर्षा रिछारिया,मोनालिसा और आईआई टीन बाबा के नाम से प्रसिद्ध अभय सिंह,ये तीनों ही चेहरे महाकुंभ में ना केवल चर्चित व चर्चा में रहे बल्कि बेलगाम शोसल मीडिया के द्वारा अपने नीजी स्वार्थ सिद्धि के कारण कई चेहरों ने सोशल मीडिया पर सुर्खियां तो खुब बटोरीं टी आर पी व अपनी व्यूबर की संख्या मिलयन में पहुंचाने के कारण इन चर्चित चेहरो को अध्यात्म व आस्था के संगम को बीच में ही छोड़कर जा चुके हैं।महाकुंभ की शुभारम्भ से ही सोशल मीडिया पर छाई हुई हर्षा रिछारिया को सबसे सुंदर साध्वी का तगमा तक दे दिया गया,लेकिन जब निरंजनी अखाड़े के रथ पर भी बैठ कर शाही सवारी करते नजर आईं तो इसे लेकर संत समाज में विवाद शुरू हो गया। कुछ संतों ने तो हर्षा के संग रथ पर बैठने और भगवा वस्त्र धारण करने पर अपनी आपत्ति तकजताई।वह मामला इतना तुल पकड़ गया है कि हर्षा रिछारिया ने रोते हुए महाकुंभ छोड़ने तक का ऐलान कर दिया।वहीं दूसरी ओर मोनालिसा भी महाकुंभ छोड़कर चली गई है।बताया जा रहा है कि ऐसा करने के लिए उसके पिता ने कहा था।मोनालिसा खूबसूरती की वजह से चर्चा में आई।सर्वविदित रहे कि इंदौर की रहने वाली मोनालिसा रुद्राक्ष की माला बेचने कर कुछ पैसे कमाने के लिए यहाँ आई थी।ताकि वहअपने परिवार के भरण पोषण में मदद करे सके,लेकिन महाकुंभ में उनकी खूबसूरती के कारण चर्चा में आ गई।जिसके कारण कुछ लोक उसकी तुलना सिनेजगत व स्वर्ग लोक की परी व कलाकारों से कर रहे हैं।वही सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में उसकी आंखों पर काफी रिएक्शन आए।मोनालिसा की बहन ने बताया कि वह तो माला बेचने आई थी,यहाँ के लोग मोनालिसा को माला बेचने नहीं देते थे और वीडियो छुप छुप के बनाते थे,इसी के चलते वह चली गई।इसी तरह आई आई टी एन बाबा के नाम से चर्चा में आए अभय सिंह ने आई आई टी बॉम्बे से पढ़ाई की थी।उनपर आरोप है कि उन्होंने गुरु के प्रति अपशब्दों का प्रयोग किया था।इसी के चलते बाबा को अखाड़ा शिविर और उसके आस- पास आने पर रोक लगा दी गई है।इस पूरे मामले को लेकर अखाड़े का कहना है कि संन्यास में अनुशासन और गुरु के प्रति समर्पण महत्वपूर्ण है।इसका पालन न करने वाला संन्यासी नहीं बन सकता है।

उपरोक्त उदाहरण एक छोटा किन्तु कटु सत्य है।जिसकी अनदेखी नही की जा सकती है।कुछ लोगो ने तो महाकुंभ को आस्था व भावना से खिलवाड़ व एक राजनीतिक दल नीजी स्वार्थ से जोड़ दिया है।उनका तर्क है कि अगले वर्ष राज्य में विधान सभा के चुनाव होने वाले है,महाकुंभ के नाम सरकारी खजानों व सरकारी तंत्र व जिस तरह से पानी तरह से बहाया जा रहा है।व्यवस्था के नाम श्रुद्धालुओ के लिए सुविधा के नाम सिर्फ और सिर्फ खाना पुर्ति की गई है।वह सच्चे-संत साधुओं श्रुद्धाओं को कठिनाईयों का समाना करना पड़ रहा है।मौनी अमावस्या के अवसर महत्वपूर्ण के पूर्व घटित घटना ना केवल कई मासूम को जान गवाना पड़ा इसके पूर्व टेन्ट में आग लगी थी। जिसकी खबरे छन छन कर आ रही है।गोदी मीडिया अपने आकाओं की गुनगान व टी आर पी को बढ़ाने के ब्रेकिंग न्यूज देते थक नही रहें। परिणाम स्वरूप महाकुम्भ की महत्त्व पर कई सवाल उठाए जा रहे। वही भारत जैसे विकासशील देश के लिए सिर्फ ऐसे आयोजन जहाँ करोड़ो जनता को 5 किलो अनाज के लिए लाईनों मे खडा रहना पड़ता है।शिक्षा व स्वास्थ्य व रोजगार के लिए सड़को पर आये दिनो आन्दोलन करना पड़ता हो,धर्म की आड़ में अपने चेहते की फैक्टरी चलें,एक वर्ग के मतदाताओ को रिझा -बहका कर अपने पक्ष में वोट करवा सके। महाकुंभ की महता कम सरकार व उनके चेहते पूँजीपतियों के लिए प्रचार प्रसार के संग मार्केट्रिंग कर रहें। एक संत ने तो सबाल उठाते हुए यहाँ तक कह दिया कि क्या बात पुरे कुम्भ मेला क्षेत्र सिर्फ दो व्यक्तियों की फोटो लगी।वही विपक्षी दल के नेता ने कहाँ कि कुम्भ में डुबकी लगाने से महंगाई,भुखमरी व बेरोजगारी देश से समाप्त नही होने वाली है।महाकुंभ की महत्त्व पर उठते कई सवाल राष्ट्र व समाज के लिए सोचने को मजबुर करती है।क्या यह वही भारत है जिसकी कल्पना राष्ट्रपिता महात्मा गांधी व आजादी के दीवाने, हमारे स्वतंत्रता सेनानी व संविधान निमाताओं की थी ,जिन्होने भारत को धर्म निरपेक्ष व लोकतांत्रिक देश बनाने की सपना देखा था।

एक नजर

बोरियो पुलिस ने बापू को किया नमन

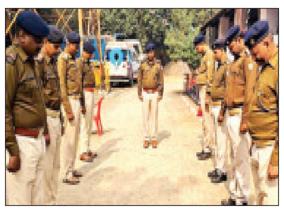

साहिबगंज/बोरियो: थाना परिसर में शहीद दिवस पर थाना प्रभारी पंकज वर्मा के नेतृत्व में गुरुवार को पुलिस कर्मियों ने शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि दी। अहिंसा, शांति और सत्य के उपासक राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर उन्हें शत-शत नमन कर दो मिनट का मौन रखा। मौके पर एसआई पंकज सिंह, सिद्धार्थ टोप्पो, रामधन उरांव, एएसआई उमेश उपाध्याय, सुधीर कुमार तिवारी, कैलाश प्रसाद शाह, मुंशी पंकज कुमार आदि उपस्थित थे।

सांसद के खिलाफ साहिबगंज के पत्रकारों ने लिया निंदा प्रस्ताव

साहिबगंज: स्थानीय सर्किट हाउज में गुरुवार को पत्रकारों की बैठक हुई। अध्यक्षता अरविंद ठाकुर ने की। बैठक में भागलपुर में पत्रकारों के साथ सांसद अजय मंडल व उनके लोगों की गाली-गलौज व मारपीट की एक स्वर में भर्त्सना करते हुए निंदा प्रस्ताव लिया गया। प्रमोद निरंजन ने कहा कि सुशासन की बात करने वाली सरकार के सांसद ने लोकतंत्र की गरिमा को तार-तार कर दिया है। उनके इस कुकृत पर उन पर और उनके लोगों पर संविधान के प्रावधानों के अनुरूप कार्रवाई होनी चाहिए। अरविंद ठाकुर ने कहा कि सभी पत्रकार, सभी संगठन व जेजेए भागलपुर सांसद की कुकृत की कड़ी निंदा करते हैं। सांसद ने लोकतंत्र पर हमला किया है। उन पर हर हाल में कार्रवाई होनी चाहिए। कहा कि आगे भी पत्रकार एकजुटता के साथ आंदोलन करेंगे। मौके पर राजेंद्र पाठक, रब नवाज आलम, मोहम्मद गुलजार,चंदन सिंह, सुभाष मोदी, अमित कुमार सिंह, सहेंद्र प्रसाद, संजीव सागर, अरविंद यादव, आलोक, मनीष, दीपक केसरी, नवीन कुमार, राजेश, मुकेश मिश्रा, उज्वल सिंह सहित अन्य मौजूद थे।

स्थापना दिवस पर 2 को राजमहल से हजारों कार्यकर्ता जायेंगे दुमका

साहिबगंज/राजमहल: झारखंड मुक्ति मोर्चा के 46वां स्थापना दिवस समारोह की तैयारी को लेकर राजमहल कासिम बाजार स्थित विधायक कार्यालय में कार्यकताओं की एक बैठक आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता कार्यकारी राजमहल प्रखंड अध्यक्ष घीसू शेख ने किया। बैठक में मुख्य रूप से राजमहल विधायक प्रतिनिधि मो. मारूफ उर्फ गुड्डू शामिल हुए। इस दौरान विधायक प्रतिनिधि ने बताया कि आगामी 2 फरवरी को दुमका जिला के गांधी मैदान में झारखंड मुक्ति मोर्चा के 46वां स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया जाएगा।इसको लेकर कार्यकर्ताओ के साथ बैठक कर विचार विमर्श किया गया।

सांढ़ के हमले में वृद्ध घायल

साहिबगंज: नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत एलसी रोड में सांढ़ के हमले से एक वृद्ध घायल हो गया। घायल को आसपास के लोगों की मदद से सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। बताया जा रहा है कि तालबन्ना निवासी राजेश केसरी 58 वर्षीय नगर थाना क्षेत्र के एलसी रोड किसी काम को लेकर साइकिल में सवार होकर गया हुआ था। उसी दौरान राजेश केसरी पर सांढ़ ने जोरदार हमला कर दिया जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया जिसमें उसके सिर पर चेहरे पर गंभीर जख्म हो गया। फिलहाल घायल का इलाज सदर अस्पताल में किया गया डॉक्टर ने बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया।

डीडीसी सतीश चंद्रा ने किया कंबल वितरण एवं योजनाओं का निरीक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिले के बोरियो प्रखंड अंतर्गत बड़ा तौफिर पंचायत के ग्राम अदरो एवं पंचायत दुगाटोला के ग्राम लोहंडा माको में उप विकास आयुक्त सतीश चंद्रा ने जनसमुदाय के बीच कम्बल वितरण किया। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री जनमन योजना, लंबित प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण और मनरेगा अंतर्गत संचालित योजनाओं का स्थल निरीक्षण भी किया। निरीक्षण के दौरान संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मियों को निर्देश दिया गया कि योजनाओं को तय समय सीमा के भीतर पूर्ण किया जाए, ताकि लाभार्थियों को जल्द से जल्द इसका लाभ मिल सके।

कम्बल वितरण एवं सरकारी योजनाओं की समीक्षा

शीतलहर को देखते हुए जरूरतमंदों के बीच कम्बल वितरण किया गया। इस दौरान ग्रामीणों ने उप विकास आयुक्त के समक्ष विभिन्न समस्याएं रखीं, जिनमें प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के लंबित मामलों को जल्द निपटाने, मनरेगा के तहत मजदूरी भुगतान में आ रही समस्याओं का समाधान और अन्य बुनियादी सुविधाओं को दुरुस्त करने की मांग शामिल थी।उप विकास आयुक्त ने ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि उनकी समस्याओं का समाधान जल्द से जल्द किया जाएगा। उन्होंने संबंधित पदाधिकारी को निर्देश दिया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के लंबित आवेदनों को प्राथमिकता के आधार पर निष्पादित करें और यह सुनिश्चित करें कि कोई पात्र लाभार्थी योजना से वंचित न रहे।

उत्क्रमित मध्य विद्यालय, अदरो का निरीक्षण

निरीक्षण के क्रम में उप विकास आयुक्त ने उत्क्रमित मध्य विद्यालय, अदरो का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने विद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्था, अधोसंरचना, विद्यार्थियों की उपस्थिति एवं मध्याह्न भोजन योजना की समीक्षा की। उन्होंने शिक्षकों से बातचीत कर शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए सुझाव मांगे। विद्यालय के निरीक्षण के दौरान कुछ कमियों की ओर ध्यान आकर्षित किया गया, जिनके शीघ्र समाधान हेतु संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए।

मनरेगा योजनाओं का स्थल निरीक्षण एवं निर्देश

मनरेगा अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं का भी निरीक्षण किया गया, जिसमें जल संचयन, सड़क निर्माण और अन्य आधारभूत संरचनाओं से जुड़ी परियोजनाएं शामिल थीं। उन्होंने पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी कार्य मानकों के अनुरूप एवं पारदर्शिता के साथ पूरे किए जाएं, ताकि ग्रामीणों को अधिक से अधिक रोजगार मिल सके और योजना का लाभ सही तरीके से पहुंचे।

पदाधिकारियों और पंचायत प्रतिनिधियों को दिए निर्देश

निरीक्षण के दौरान उप विकास आयुक्त ने अंचल अधिकारी एवं संबंधित पंचायत के पंचायत कर्मियों और पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में सरकारी योजनाओं का ससमय क्रियान्वयन सुनिश्चित करें। उन्होंने पदाधिकारियों से कहा कि वे क्षेत्र में भ्रमण कर लोगों की समस्याओं को सुनें और प्राथमिकता के आधार पर उनका समाधान करें। मौके पर जिला पंचायती राज पदाधिकारी अनिल कुमार, प्रखंड विकास पदाधिकारी पंकज कुमार उपस्थित थे।

कुत्ते का आतंक : राहगीर व स्कूली छात्र-छात्रा को बना रहे हैं अपना शिकार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिले में इन दोनों कुत्तों का खौफ बना हुआ है। कुत्ते बच्चों व राहगीरों को अपना शिकार बना रहे हैं। गुरुवार को कुत्तों ने जिले के राजमहल थाना क्षेत्र अंतर्गत गोसाय कल्याणचक में स्कूली बच्ची को अपना शिकार बनाया। मिली जानकारी के अनुसार मुरली मिशन स्कूल की एक छात्रा को गुरुवार की सुबह 9:00 बजे स्कूल जाने के दौरान चेहरे पर कुत्ते ने काटकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। परिजनों को जानकारी मिलती ही स्कूली छात्रा को साहिबगंज सदर अस्पताल लाया और डॉक्टर के देखरेख में इलाज किया गया। जहां राह में चलते बच्चों पर हमला कर घायल कर दिया कुत्तों की आतंक से स्थानीय लोगों में भय का माहौल बना हुआ है ग्रामीणों का कहना है कि आवारा कुत्तों ने आतंक मचाया हुआ है अभी तक आवारा कुत्तों ने कई लोगों को काट कर घायल कर चुके हैं। इधर घायल बच्ची को सदर अस्पताल में ऐंटी रेबीज इंजेक्शन दिया गया वही ऐंटी रेबीज इंजेक्शन लगवाने वालों का आंकड़ा दिखे तो विगत कुछ दिनों से रोजाना 10 से 15 नए घायल पहुंच रहे हैं फिलहाल बच्ची का इलाज सदर अस्पताल में किया गया।

देश के जनमानस के नस-नस में बैठा है महात्मा गांधी का आदर्श : मनोज घोष

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरहरवा : जिला अध्यक्ष बरकत खान के निदेर्शानुसार बरहरवा नगर पंचायत के वार्ड नम्बर 03 के बसीर गैरेज स्थित बरकत खान के निजी कार्यालय प्रांगण में कांग्रेस नगर अध्यक्ष मनोज घोष की अध्यक्षता में कांग्रेस कार्यकताओं ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि मनायी। सर्वप्रथम नगर अध्यक्ष मनोज घोष ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की तस्वीर पर माल्यार्पण कर पुष्प अर्पित किया साथ ही द्वीप प्रज्वलित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। उपस्थित कांग्रेस प्रेमियों को संबोधित करते हुए कांग्रेस नगर अध्यक्ष मनोज घोष ने कहा कि देश के जनमानस के रग रग में गांधी का आदर्श झलकता है और सत्य, अहिंसा, निडरता की शक्ति बड़े से बड़े साम्राज्य की जड़े हिला सकती है पूरा विश्व उनके आदर्शों की प्रेरणा लेता है। इसलिए हम सभी को उनके बताए हुए मार्ग पर चलना चाहिए ताकि हमारा देश निरंतर आगे बढ़े। इसके अलावे गांधी के जीवनी पर उन्होंने विस्तार से प्रकाश डाला और आज उनके आदर्श को समय की मांग बताया। मौके पर जिला समन्वयक सह प्रखण्ड महासचिव निताय सरकार, प्रदेश कॉर्डिनेटर अश्विनी आंनद, स्वास्थ्य विभाग के प्रदेश सचिव संतोष झा, संतोष राम, छोटेलाल रमानी, छोटे साव, राजू, अहमद अंसारी, मानिक रविदास, समाउल सेख सहित अन्य मौजूद थे।

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के दौरान क्रिकेट प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : सड़क सुरक्षा माह 2025 के उपलक्ष्य में सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम के तहत आज सड़क सुरक्षा क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन के साथ सड़क सुरक्षा माह 2025 का समापन सेमिनार आयोजित किया गया। क्रिकेट तो बहाना हैझ असल में सड़क सुरक्षा का पाठ पढ़ना है राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2025 के कार्यक्रम के तहत आज साहिबगंज जिले के सिद्धो कान्हो मैदान में सड़क सुरक्षा क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें महिला वर्ग एवं पुरुष वर्ग के खिलाड़ियों ने भाग लिए। उसके साथ सड़क सुरक्षा माह 2025 का समापन सेमिनार समारोह का आयोजन सिद्धो कान्हो सभागार साहिबगंज में आयोजित किया गया। सिद्धो कान्हो सभागार में राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2025 का समापन सेमिनार आयोजित कर सभी सहभागियों को पुरस्कृत किया गया जो पूरे माह के अंतराल में विभिन्न कार्यक्रम में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किए हैं जैसे पेंटिंग, क्विज, निबंध, डिबेट, पतंग प्रतियोगिता के साथ फुटबॉल, क्रिकेट प्रतियोगिता के विजेताओं को उप विकाश आयुक्त सतीश चंद्रा, जिला परिवहन पदाधिकारी मिथिलेश कुमार चौधरी, अपर समाहर्ता गौतम कुमार भगत, डीएसओ झुनू मिश्रा, एसडीओ अंगरनाथ स्वर्णकार द्वारा पुरुस्कृत किया गया। उप विकास आयुक्त सतीश चंद्रा एवं जिला परिवहन पदाधिकारी मिथिलेश कुमार चौधरी द्वारा बताया गया कि सड़क सुरक्षा माह 2025 का खेल प्रतियोगिता तो बहाना है असल में सभी को सड़क सुरक्षा का पाठ पढ़ना है। इसी संदेश के तहत साहिबगंज जिले भर में सड़क सुरक्षा पर आधारित विभिन्न विभिन्न कार्यक्रम किया गया।

टाउन हॉल में पुलिस अधीक्षक ने सांस्कृतिक कार्यक्रम का किया उद्घाटन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : शहर के टाउन हॉल में गुरुवार को साहिबगंज शहर के टेक्नो पॉइंट कॉन्वेंट पब्लिक स्कूल का एनुअल कॉन्सर्ट का आयोजन हुआ। मुख्यातिथि पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह, पूर्व जैक अध्यक्ष अरविंद कुमार सिंह, डॉ विजय कुमार, राजमहल मॉडल कॉलेज के प्राचार्य डॉ रणजीत कुमार सिंह, प्रो कमल महावर, जेएससीए डिस्ट्रिक्ट सब कमिटी चेयरमैन चंदेश्वर प्रसाद सिन्हा, पूर्व नगर परिषद उपाध्यक्ष अनवर अली, निवर्तमान वार्ड पार्षद मो निजामुद्दीन, काली दास पाठक व अन्य ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। वही मुख्य अतिथि सहित अन्य अतिथियों को गुलदस्ता व शाल ओढ़कर सम्मानित किया गया।इस दौरान स्कूली बच्चों ने एक से बढ़ कर एक सांस्कृतिक कार्यक्रम, नृत्य-संगीत व नाटक का मंचन किया। छोटे बच्चों के कार्यक्रम मौजूद अभिभावक एवं लोगों को अपनी ओर आकर्षित किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह ने अपने संबोधन में कहा अभिभावक बच्चों को अपने विचार को नहीं डाले बल्कि बच्चों को स्वतंत्र विचार से अपनी पढ़ाई व सपना को संवारने का अवसर दे।

कुष्ठ रोगियों की 225 गांवों में खोज करेगी स्वास्थ्य विभाग की टीम

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

खूंटी : विश्व कुष्ठ दिवस के अवसर पर स्वास्थ्य विभाग खूंटी के जरिये गुरुवार को बापू की तस्वीर पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ जिले में कुष्ठ रोग जागरूकता सह खोज अभियान का शुभारंभ हुआ। अभियान 13 फरवरी 2025 तक चलेगा। जिले के प्रत्येक गांव में स्वास्थ्य सहिया और एएनएम के माध्यम से ग्रामसभा का आयोजन कर लोगों को कुष्ठ का इलाज के प्रति जागरूक किया जाएगा, ताकि यथाशीघ्र कुष्ठ के रोगियों की खोज कर इलाज किया जा सके और उन्हें विकलांगता से बचाया जा सके। कुष्ठ रोग जागरूकता सह खोज अभियान के सफल संचालन के लिए 225 टीम जिले के 225 ग्राम में जाकर कुष्ठ रोगियों की खोज करेगी। मौके पर डॉ एन मांझी सिविल सर्जन ने बताया कि कुष्ठ न अभिशाप और न ही वंशानुगत रोग है। जल्द जांच और इलाज से कुष्ठ से निजात मिल जाती है। उन्होंने कुष्ठ के लक्षणों की चर्चा करते हुए बताया कि चमडे के रंग से हल्का अथवा फीके रंग अथवा लालीमा लिए हुए छोटा या बड़ा दाग का होना, दाग में सूनापन तथा दाग में दर्द अथवा खुजलाहट नहीं होना, कान, चेहरा, धड़, हाथ अथवा पैर के चमड़े का मोटा होना, चमड़े का रंग लाल हो अथवा चमडे में छोटा-छोटा गांठ निकल जाना, हाथ अथवा पैर में कमजोरी या विकृति पैदा होना, हाथ की तलहथी अथवा पैर के तलवे में घाव होना, आंखों की पलकों में कमजोरी के कारण आंख पूरी तरह बंद नहीं हो सकना, कुष्ठ रोग के लक्षण हैं। उन्होंने कहा कि एमडीटी के सारी खुराक का सेवन नियमित रूप से किया जाए, तो यह पूर्णतः ठीक हो सकता है। उपचार एवं इसकी दवा (एमडीटी) सभी सरकारी स्वास्थ्य केन्द्रों में मुफ्त दी जाती है। मौके पर डॉ नमिता टोप्पो, जिला कुष्ठ निवारण पदाधिकारी, रंजत कुमार, बीरसिंह पूर्ति, शशि भूषण हेमरोम सहित अन्य कर्मी मौजूद थे।

संक्षिप्त खबरें

संकुल स्तरीय ग्राम उद्यमियों का दो दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

पटमदा: बोड़ाम प्रखंड सभागार में झारखंड पंचायती राज विभाग द्वारा संकुल स्तरीय ग्राम स्तरीय उद्यमियों का दो दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न हुआ। प्रशिक्षण में संयुक्त प्रयास से ग्राम पंचायतों में सबकी योजना सबका विकास अभियान 2025-2026 के सफल क्रियान्वय हेतु राज्य के ह्यडिजिटल पंचायत योजना के तहत ग्राम पंचायत कार्यालय में कार्यरत ग्राम स्तरीय उद्यमियों को ई- ग्राम स्वराज पोर्टल, पंचायत विकास सूचकांक, प्रशिक्षण प्रबंधक पोर्टल और पोर्टल पर संकुलस्तरीय दो दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। जिसमें जिला पंचायत राज पदाधिकारी, जिला प्रबंधक ,बीडीओ किकू महतो, परियोजना प्रबंधक, प्रखंड समन्वयक नीलम कुमारी तथा डिजिटल पंचायत योजना के अंतर्गत प्रखंड स्तर के मास्टर प्रशिक्षक कार्तिक प्रधान और मोहम्मद शामिम ने प्रशिक्षण दिया और इसमें बोड़ाम, पटमदा तथा जमशेदपुर प्रखंड के सभी पंचायत के वी एल ई ने प्रशिक्षण लिया।

पीएचसी तिरुलडीह में स्वास्थ्य सुविधा बढ़ाने को लेकर मुखिया ने सौंपा डीसी को ज्ञापन

ईचागढ़ : गुरुवार को तिरुलडीह पंचायत के मुखिया सुधीर सिंह मुंडा ने सरायकेला खरसावां जिला के उपायुक्त रविशंकर शुक्ला से मिलकर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तिरुलडीह में स्वास्थ्य सुविधा बढ़ाने को लेकर एक मांगपत्र सौंपा। इस मांग पत्र में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तिरुलडीह में डिजिटल एक्स-रे मशीन और अल्ट्रासॉउन्ड मशीन उपलब्ध कराने और बेड की संख्या बढ़ाने समेत कई मांग शामिल है। वहीं, मुखिया सुधीर सिंह मुंडा के द्वारा सौंपे गए मांग पत्र पर उपायुक्त ने जल्द तिरुलडीह प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में सुविधा बढ़ाने का भरोसा दिया है। मांगपत्र सौपे जाने के बाद जानकारी देते हुए तिरुलडीह पंचायत के मुखिया सुधीर सिंह मुंडा ने कहा कि कुकडू प्रखंड का गठन वर्ष 2009 में ईचागढ़ और नीमडीह प्रखंड से अलग करके किया गया था, ताकि क्षेत्र का विकास हो। लेकिन अभी भी कुकडू प्रखंड के लोग आपातकालीन चिकित्सा सुविधाओं के लिए पश्चिम बंगाल के पुरुलिया जिले के अस्पताल या जमशेदपुर, रांची जाने को विवश हैं। 15 साल के बाद भी कुकडू में एक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की स्थापना नहीं हुई है। कहा कि कुकडू प्रखंड को आकांक्षी प्रखंड के रूप में भी चयनित किया गया है। लेकिन अबतक व्यवस्था में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है। उन्होंने कुकडू प्रखंड में जबतक एक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का निर्माण न हो जाए, तबतक तिरुलडीह प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में सुविधा बढ़ाने की मांग की है।

विद्यालय भवन का विधायक ने किया उद्घाटन

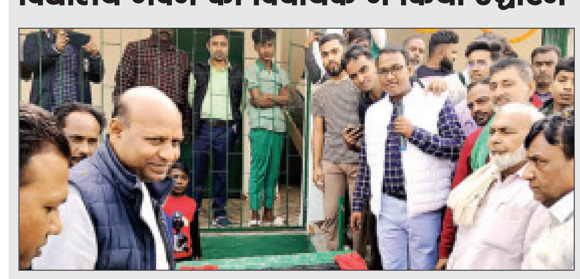

साहिबगंज: जिला के उधवा प्रखंड क्षेत्र के जोंका के उत्क्रमित प्लस टू उर्दू उच्च विद्यालय के नए भवन का गुरुवार को राजमहल विधायक मो ताजुद्दीन राजा उर्फ एमटी राजा ने किया। स्कूल प्रबंधन एवं विद्यालय के बच्चों के माध्यम से विधायक का स्वागत किया गया। उद्घाटन के उपरांत उन्होंने ग्रामीण व अभिभावकों को संबोधित करते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में भी उच्च स्तरीय शिक्षा को बढ़ावा दिया जाएगा। अभिभावकों एवं विद्यालय के शिक्षकों ने विद्यालय की समस्या से भी अवगत कराया। कहा कि विद्यालय में मैदान का समतलीकरण, बैंच डेस्क की आवश्यकता है वहीं परिसर में हाई टेंशन तार है जिससे आए दिन दुर्घटना घटित होने की आशंका बनी रहती है इसलिए उसे हटाने की जरूरत है। अभिभावकों के मांग पर विधायक ने तत्काल संज्ञान लेते हुए संबंधित विभाग को दूरभाष पर सूचित कर तुरंत निष्पादन का निर्देश दिए हैं। मौके पर मो आलमगीर ऊर्फ बादल, मो जाकिर, मो राजा, काजू मल्लिक, अयुब अली, मो कमराल सहित अन्य मौजूद थे।

कुणाल शाहदेव हत्याकांड में गिड्डू यादव को उम्रकैद की सजा और 20 हजार रुपये का अर्थदंड

ईचागढ़ : ईचागढ़ राजघराने से संबंध रखने वाले 32 वर्षीय कुणाल शाहदेव की हत्या करने के मामले में न्यायालय ने ईचागढ़ निवासी गुरुपद यादव उर्फ गिड्डू यादव को उम्रकैद की सजा सुनाई गई है। अनुमंडलीय न्यायालय चांडिल में गुरुवार को मामले पर सजा सुनाते हुए जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश सचिंद्र नाथ सिन्हा ने अभियुक्त को उम्रकैद के साथ 20 हजार रुपये का अर्थदंड और धारा 27 आर्म्स एक्ट में चार वर्ष की सजा और दस हजार रुपये जुमार्ना लगाया है। केश का संचालन और अभियोजन चांडिल के अपर लोक अभियोजक हर्ष वर्धन के द्वारा किया गया।

सटाकर मारी गई थी गोली

ईचागढ गांव में 26 मई 2022 को कुणाल शाहदेव की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। उस वक्त वह अपनी बुलेट मोटरसाइकिल से गौरांगकोचा से ईचागढ़ व लेपाटांड के बीच चतुमुर्खी शिवमंदिर के पास स्थित अपने फार्म हाउस जा रहे थे। मोबाइल पर फोन आने के कारण ईचागढ़ गांव के बीच मोटरसाईकिल रोककर बात कर रहे थे। उसी समय गिड्डू यादव ने उसे पिस्तौल सटाकर गोली मार दिया था। घायल अवस्था में जमशेदपुर ले जाने के दौरान उसकी मृत्यु हो गई थी। मृतक कुणाल के पिता सुभाष शाहदेव पेशे से चिकित्सक है और ईचागढ़ गांव में ही उनका क्लीनिक है।

24 घंटे के अंदर हुआ था खुलासा

घटना के बाद मृतक के पिता ने ईचागढ़ थाना में गिड्डु यादव व अन्य के खिलाफ हत्या का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज कराया था। मामले का अनुसंधान करते हुए ईचागढ़ के तत्कालीन थाना प्रभारी दिनेश ठाकुर ने 24 घंटे के अंदर मामले का खुलासा करते हुए पिस्तौल के साथ हत्यारोपी को गिरफ्तार किया था। अनुसंधान के क्रम में पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त मोटरसाईकिल और मोबाइल भी बरामद किया था। बताया गया था कि वर्चस्व को लेकर दोनों के बीच विवाद था और इसी कारण गिड्डु यादव ने कुणाल शाहदेव की हत्या कर दी थी। इस मामले में अभियोजन द्वारा कुल 19 गवाहों की गवाही कराई गई।

मारुति सुजुकी इंडिया स्टैंडअलोन नेट प्रॉफिट 13 प्रतिशत बढ़ा, अब तक का सबसे ज्यादा निर्यात

मुंबई ।

देश की सबसे बड़ी कार मैन्युफैक्चरिंग कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया ने 29 जनवरी को चालू वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही के नतीजों का ऐलान कर दिया। शेयर बाजार को दी सूचना में कंपनी ने बताया कि दिसंबर तिमाही में उसका स्टैंडअलोन नेट प्रॉफिट सालाना आधार पर 13 प्रतिशत बढ़कर 3,525 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। एक साल पहले समान तिमाही में यह 3,130 करोड़ रुपये था। एक्सचेंज फाइलिंग के मुताबिक, मारुति सुजुकी इंडिया का ऑपरेशन से रेवेन्यू 16 प्रतिशत बढ़कर 38,492.1 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। एक साल पहले की समान तिमाही में यह 33,308.7 करोड़ रुपये था। कंपनी ने तीसरी तिमाही में कुल 5,66,213 वाहन बिके। घरेलू बाजार में कंपनी की बिक्री 4,66,993 यूनिट रही। जबकि निर्यात 99,220 यूनिट्स का रहा, जो किसी भी तिमाही में अब तक का सबसे ज्यादा निर्यात है। पिछले साल सामना अवधि में कंपनी की कुल बिक्री 5,01,207 यूनिट थी, जिसमें घरेलू बाजार में 4,29,422 यूनिट और निर्यात बाजार में 71,785 यूनिट शामिल थे। दिसंबर तिमाही के दौरान, कंपनी ने अब तक की सबसे अधिक नेट सेल दर्ज की, जो 36,802 करोड़ रुपये रही, जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह 31,860 करोड़ रुपये थी।

मारुति के बोर्ड ने हिसाशी ताकेउची को एक अप्रैल 2025 से तीन साल की अतिरिक्त अवधि के लिए एमडी एवं सीईओ के रूप में फिर से नियुक्त करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। ताकेउची को पहली बार एक अप्रैल, 2022 को इन पदों पर नियुक्त किया गया था। उन्होंने केनिची आयुकावा की जगह ली थी जो 31 मार्च 2022 को सेवानिवृत्त हो गए थे। ताकेउची जुलाई 2019 से मारुति सुजुकी के निदेशक मंडल का हिस्सा रहे और अप्रैल 2021 से अपनी पदोन्नति तक संयुक्त प्रबंध निदेशक (वाणिज्यिक) थे।

तिलहन के रकबे में गिरावट, इसकी जगह गेहूं बो रहे हैं किसान?

- इस वर्ष ज्यादातर वृद्धि गेहूं और दलहन की मुख्य फसलों में हुई

नई दिल्ली। भारत में किसान तिलहन से ज्यादा गेहूं की फसल पर ध्यान दे रहे हैं। रबी फसलों का कुल रकबा बढ़ा है, लेकिन तिलहनी फसलों में गिरावट आई है। रबी फसलों का कुल रकबा 2024-25 में पिछले फसल वर्ष की तुलना में बढ़ा है लेकिन इस दौरान तिलहन फसलों के रकबे में गिरावट आई है। देश इस समय अपनी जरूरत का 55 फीसदी खाद्य तेल आयात कर रहा है, इसे कम करने के लिए सरकार ने तिलहन की बढ़ते रकबे की ओर ध्यान दिया है। पिछले फसल वर्ष की तुलना में इस वर्ष फसलों का कुल रकबा बढ़ा है, लेकिन ज्यादातर वृद्धि गेहूं और दलहन की मुख्य फसलों में हुई है। इसके विपरीत तिलहन के रकबे में गिरावट देखी गई है। इससे किसानों को बेचने में मुश्किलें आ सकती हैं क्योंकि तिलहन की रकबे में कमी का सीधा प्रभाव उनके मुनाफे पर पड़ सकता है। कृषि मंत्रालय ने आंकड़ों के मुताबिक रबी बुआई सीजन के अंत में तिलहन की रकबे में गिरावट देखी गई है, जो मुख्य तौर पर उत्तर प्रदेश, राजस्थान, और मध्य प्रदेश में हुई है।

उत्तर प्रदेश योजना आयोग के एक पूर्व सदस्य का कहना है कि गेहूं और दलहन जैसी प्रतिस्पर्धी फसलों की तुलना में तिलहन की कम रिटर्न की वजह से किसान इससे दूरी बना रहे हैं। सरकार को इस मुद्दे पर ध्यान देने की जरूरत है ताकि किसानों को अधिक प्रोत्साहित किया जा सके और वे उन्हें बेहतर मार्गदर्शन और समर्थन प्राप्त कर सकें।

बैंक के निपटा लें जरूरी काम, फरवरी में आठ दिन बैंक में रहेंगी छुट्टियां

नई दिल्ली।

नए साल का जनवरी माह खत्म होने वाला है और फरवरी की शुरुआत होने वाली है। फरवरी में बैंकों में छुट्टियों की भरमार रहेगी। इस महीने के 28 दिनों में से 8 दिन बैंकों में कामकाज नहीं होगा। शनिवार और रविवार के साप्ताहिक अवकाश के अलावा कई त्योहारों और खास दिनों में बैंक बंद रहेंगे। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) हर कैलेंडर वर्ष में बैंकों की छुट्टियों की सूची जारी करता है। पूरे देश के बैंक फरवरी में 8 दिन बंद नहीं रहेंगे। आरबीआई द्वारा जारी हॉलीडे लिस्ट में से कई अवकाश राष्ट्रीय स्तर के हैं। उस दिन पूरे देश में बैंकिंग सेवाएं बंद रहेंगी। वहीं, कुछ अवकाश स्थानीय या क्षेत्रीय स्तर के होते हैं। उन दिनों को केवल उससे जुड़े राज्यों में ही बैंक शाखाएं बंद होती हैं। रविवार के अलावा हर महीने के दूसरे और चौथे शनिवार को भी देशभर के बैंक बंद रहते हैं।

बैंकों में छुट्टी होने से कई बार जरूरी काम अटक जाते हैं, लेकिन अब बैंकों द्वारा ज्यादातर सर्विसेज को ऑनलाइन करने की वजह से ज्यादा दिक्कत नहीं होती है। खास बात यह है कि छुट्टी वाले दिन बैंकों की ऑनलाइन सर्विसेज चालू रहती हैं। इसलिए आप नेट बैंकिंग, मोबाइल बैंकिंग या यूपीआई के जरिए एक बैंक अकाउंट से दूसरे में पैसे ट्रांसफर समेत कई काम कर सकते हैं।

ये रही छुट्टियों की पूरी लिस्ट

- 3 फरवरी, (सोमवार)- अगरतला में सरस्वती पूजा बैंक बंद
- 11 फरवरी, (मंगलवार)- चेन्नई में थाई पूसाम बैंक बंद
- 12 फरवरी, (बुधवार)- शिमला में गुरु रविदास जयंती बैंक बंद
- 15 फरवरी, (शनिवार)- इंफाल में लुई-नगाई-नी बैंक बंद
- 19 फरवरी, (बुधवार)- बेलापुर, नागपुर और मुंबई में शिवाजी जयंती बैंक बंद
- 20 फरवरी, (गुरुवार)- आइजोल और ईटानगर में राज्य दिवस बैंक बंद
- 26 फरवरी, (बुधवार)- महाशिवरात्रि पर अहमदाबाद, आइजोल, बेलापुर, बेंगलुरु, भोपाल, भुवनेश्वर, चंडीगढ़, देहरादून, हैदराबाद (आंध्र प्रदेश), हैदराबाद (तेलंगाना), जयपुर, जम्मू, कानपुर, कोच्चि, लखनऊ, मुंबई, नागपुर, रायपुर, रांची, शिमला, श्रीनगर और तिरुवनंतपुरम में बैंक बंद
- 28 फरवरी, (शुक्रवार)- गंगटोक क्षेत्र में लोसर के अवसर पर बैंक बंद

वरिष्ठ नागरिक ग्राहकों के लिए एसबीआई ने की खास फिक्स्ड डिपॉजिट योजना

मुंबई ।

देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने अपने वरिष्ठ नागरिक ग्राहकों के लिए एक खास फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) योजना पेश की है। योजना का उद्देश्य बुजुर्गों की आर्थिक सुरक्षा और स्थिरता को मजबूत करना है। एसबीआई की एसबीआई पैट्रन्स फिक्स्ड डिपॉजिट योजना 80 साल और उससे अधिक उम्र के नागरिकों के लिए है, और इसमें उन्हें सीनियर सिटीजन दरों के ऊपर अतिरिक्त 0.10 प्रतिशत (10 बेसिस पॉइंट्स) ब्याज दर का लाभ मिलेगा। नई योजना के तहत, सुपर सीनियर सिटीजन को ब्याज दर में 10 बेसिस पॉइंट्स की बढ़ोतरी के साथ 4.10 प्रतिशत से लेकर 7.60 प्रतिशत तक ब्याज मिलेगा। हालांकि, वित्तीय सलाहकार के अनुसार, यह बढ़ोतरी स्वागत योग्य कदम है, लेकिन इसका प्रभाव अपेक्षाकृत मामूली है। योजना में न्यूनतम जमा राशि 1,000 रुपये रखी गई है, जबकि अधिकतम जमा सीमा 3 करोड़ रुपये है। यह खाता एकल या संयुक्त रूप से भी खोला जा सकता है, लेकिन संयुक्त खाता धारक की उम्र करीब 80 वर्ष होनी चाहिए।

एसबीआई पैट्रन्स एफडी योजना में निवेश की अवधि 7 दिन से लेकर 10 वर्ष तक हो सकती है, इससे ग्राहकों को लचीलापन मिलता है। इसके अलावा, एसबीआई वरिष्ठ नागरिकों के लिए अन्य योजनाएं भी प्रदान करता है, जिसमें एसबीआई वी-केयर डिपॉजिट योजना शामिल है, जो एक साल के लिए 7.6 प्रतिशत और दो साल के लिए 7.9 प्रतिशत ब्याज देती है। इस प्रकार, एसबीआई की अन्य एफडी योजनाओं जैसे 444 दिनों की अमृत वृष्टि (7.75 प्रतिशत ब्याज) और 400 दिनों की अमृत कलश (7.60 प्रतिशत ब्याज) ने इस योजना से अधिक ब्याज दरें प्रदान की हैं।

कुंभ यूपी की अर्थव्यवस्था को बूस्टर, 25,000 करोड़ रुपये का राजस्व मिलने का अनुमान

होटल व्यवसायियों, होमस्टे मालिकों, रेस्तरां संचालकों को लाभ

प्रयागराज ।

प्रयागराज में संगम के तट पर 45 दिवसीय महाकुंभ मेला, जिसे पहले पूर्ण कुंभ के नाम से जाना जाता था, 13 जनवरी से शुरु होकर 45 दिनों तक चलेगा। उत्तर प्रदेश सरकार ने 13 जनवरी से 26 फरवरी के बीच 40 करोड़ आगंतुकों के आने का अनुमान लगाया है। अनुमान है कि महाकुंभ 2025 से योगी सरकार को 25,000 करोड़ रुपये का राजस्व मिल सकता है, इससे उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को 2 लाख करोड़ रुपए का आर्थिक लाभ हो सकता है। इस आयोजन से स्थानीय स्वयं सहायता समूहों, कारीगरों, होटल व्यवसायियों, होमस्टे मालिकों, रेस्तरां संचालकों और खाद्य विक्रेताओं को लाभ मिलने की उम्मीद है,

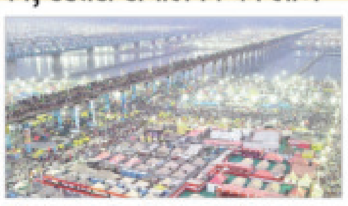

इसमें डाबर, मदर डेयरी और आईटीसी जैसे प्रमुख ब्रांडों द्वारा 3,000 करोड़ खर्च करने का अनुमान है। आधिकारिक अनुमान है कि 2019 के कुंभ में 24 करोड़ श्रद्धालुओं ने भाग लिया था, जबकि 2013 के पूर्ण कुंभ में, इस तब इलाहाबाद के नाम से जाना जाता था, 12 करोड़ श्रद्धालु आए थे। 2016 के उज्जैन कुंभ (सिंहस्थ) में 7.5 करोड़ श्रद्धालु आए थे।

उत्तर प्रदेश में योगी के नेतृत्व वाली भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार ने महाकुंभ के लिए बुनियादी ढांचे से लेकर स्वच्छता तक 549 परियोजनाओं की शुरुआत की है, इसकी लागत 6,900 करोड़ है। 2019 में, 3,700 करोड़ की लागत से 700 परियोजनाएँ शुरू की थीं। राज्य सरकार ने यह सुनिश्चित करने के लिए व्यापक व्यवस्था की है कि महाकुंभ मेला बिना किसी अप्रिय घटना के संपन्न हो जाए।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय रुपया आठे पैसे की गिरावट के साथ ही 86.63 पर बंद हुआ। आज सुबह फेडरल रिजर्व के ब्याज दरों को स्थिर रखने के बाद शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया चार पैसे गिरकर 86.59 पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि विदेशी कोषों की लगातार निकासी और अमेरिकी मुद्रा की व्यापक मजबूती के कारण रुपये पर दबाव जारी है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 86.58 पर खुला और फिर कमजोर रुख के साथ 86.59 पर आ गया, जो पिछले बंद भाव से चार पैसे की गिरावट दिखाता है। रुपया बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले दो पैसे बढ़कर 86.55 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.14 फीसदी की गिरावट के साथ 107.84 पर था।

मॉस्को सिटी की 'समूह वीजा-मुक्त यात्रा' के लिए भारत के साथ बातचीत

मुंबई । मॉस्को सिटी टूरिज्म कमेटी ने भारत सरकार के साथ समूह वीजा-मुक्त व्यवस्था के लिए बातचीत करने की खबरों के साथ ध्यान खींच लिया है। इस व्यवस्था के तहत एक समूह में यात्रा करने वाले पर्यटकों को बिना वीजा के रूस में प्रवेश की अनुमति देने की योजना है। मॉस्को सिटी टूरिज्म कमेटी के एक अधिकारी ने इसकी घोषणा की। अधिकारी ने बताया कि इस योजना के तहत वीजा की आवश्यकता न सिर्फ कम होगी, बल्कि इसमें एक समूह में यात्रा करने वाले पर्यटकों को भारत सरकार के साथ संबंधित दस्तावेज प्रस्तुत करने का भी माध्यमिका प्रस्ताव है। इस सुविधा का लाभ उठाने के लिए विदेश मंत्रालय के साथ चर्चा की जा रही है। उन्होंने कहा कि भारत हमारे लिए एक महत्वपूर्ण बाज़ार है। इससे पहले हमें चीन में स्रोत देखने के लिए मिला। भारत खर्चे में भी फिर चीन के बाद आता है। 2024 के पहले नौ महीनों के दौरान 61,000 भारतीय ग्राहकों और 1.97 करोड अन्य मेहमानों ने मॉस्को की यात्रा की, जो इस साझेदारी की सफलता का प्रमाण है। यह समूह वीजा-मुक्त व्यवस्था संबंधित प्रतियोगिता बाज़ारों में भारत के पर्यटकों को एक नया राहत प्रदान कर सकती है और जनता के बीच अधिक साझेदारी और आत्मविश्वास के लिए मान्यता प्राप्त कर सकती है।

कच्चा तेल सस्ता फिर भी महंगे हुए पेट्रोल-डीजल

क्रूड की कीमतें 72.79 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली । वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतें स्थिर होकर 72 डॉलर प्रति बैरल के आसपास कारोबार कर रही हैं. जहां क्रूड की कीमतें 72.79 डॉलर प्रति बैरल है तो ब्रेंट क्रूड का भाव 76.69 डॉलर प्रति बैरल है। इस बीच देश में ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल की कीमतें अपडेट कर दी हैं। देश के कुछ हिस्सों में गुरुवार को ईंधन के दाम बढ़ गए हैं, जबकि कुछ राज्यों में कीमतें कम हुई हैं। देश के 4 महानगरों में से सिर्फ चेन्नई में कीमतों में बढ़ोतरी हुई है। आंध्रा प्रदेश और असम समेत कुछ राज्यों में पेट्रोल महंगा हुआ है तो बिहार और अरुणाचल प्रदेश समेत कुछ प्रदेशों पर ईंधन के दाम कम हुए हैं। वहीं दिल्ली में पेट्रोल 94.77 रुपये और डीजल 87.67 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 103.50 रुपये और डीजल 90.03 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 92.49 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 105.01 रुपये और डीजल 91.82 रुपये प्रति लीटर है। इन शहरों में बदल गए भाव- गुरुग्राम में पेट्रोल 94.99 रुपये और डीजल 87.84 रुपये प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 105.23 रुपये और डीजल 92.09 रुपये प्रति लीटर हो गया है। जयपुर में पेट्रोल 104.91 रुपये और डीजल 90.21 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

सेंसेक्स 227, निफ्टी 86 अंक ऊपर आया

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। बाजार में ये तेजी दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीदारी हावी रहने से आई हैं। सरकारी पीएसयू कंपनियों और बजाज फाइनेंस के शेयरों में उछाल से भी बाजार ऊपर आया है। टाटा मोटर्स में गिरावट से हालांकि इस तेजी पर कुछ हद तक अंकुश लगा। मंथली एक्सपायरी के दिन बाजार में तेजी का माहौल रहा। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स तेजी के साथ अंत में 226.85 अंक करीब 0.30 फीसदी बढ़कर 76,759.81 पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी अंत में 86.40 अंक तकरीबन 0.37 फीसदी की बढ़त लेकर 23,249.50 पर बंद हुआ।

अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने अपनी ब्याज दरों को स्थिर रखा। हाल ही में ब्याज दरों में कटौती के सिलसिले को रोकते हुए फेड ने फैसला किया कि आगे के आर्थिक और राजनीतिक हालातों को ध्यान में रखते हुए कदम उठाए जाएंगे। फेड की फेडरल ओपन मार्केट कमेटी) ने उम्मीदों के अनुसार अपनी ब्याज दर को 4.25 फीसदी से 4.5 फीसदी के बीच स्थिर रखा।

वहीं गत दिवस भी बाजार बढ़त पर बंद हुआ था।

बाजार जानकारों के अनुसार सरकारी पीएसयू कंपनियों के शेयरों और बजाज फाइनेंस में उछाल की वजह से बाजार को बल मिला जिससे उसमें तेजी आई। इसके अलावा रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक और भारती एयरटेल के शेयरों में उछाल से भी बाजार को लाभ हुआ। वैश्विक बाजारों में आई मजबूती से भी बाजार पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा।

इससे पहले आज सुबह वैश्विक बाजारों से मिलेजुले रुख के बीच घरेलू शेयर बाजार कमजोर शुरुआत के बाद संभल गए। सरकारी पीएसयू कंपनियों के शेयरों और बजाज फाइनेंस में उछाल की वजह से बाजार हरे निशान में लौट गया। हालांकि, टाटा मोटर्स में गिरावट ने बाजार में तेजी सीमित कर दिया। सेंसेक्स गुरुवार को हल्की तेजी के साथ 76,598 अंक पर खुला। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी खराब शुरुआत के बाद हरे निशान में लौट गया। वहीं एशिया-पैसिफिक बाजारों में मिलेजुले रुख में कारोबार हुआ। ऑस्ट्रेलियाई बाजारों में तेजी देखने को मिली, जबकि वॉल स्ट्रीट में गिरावट दर्ज की गई। फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों को स्थिर रखने के फैसले के बावजूद ऑस्ट्रेलियाई बाजार ने बढ़त बनाई। कई बाजार लूनर न्यू ईयर की छुट्टियों के कारण बंद थे। ताजा जानकारी के अनुसार एएसएक्स 200 में 0.4 फीसदी की तेजी दिखी। वहीं जापान का निक्केई और टॉपिक्स क्रमशः 0.17 और 0.2 फीसदी की गिरावट के साथ कारोबार करते नजर आए। फेड के ब्याज दर स्थिर रखने के फैसले के बाद अमेरिकी बाजारों में गिरावट आई।

एलएंडटी को पश्चिम एशिया में महत्वपूर्ण ठेका मिला

नई दिल्ली । लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) ने कहा कि उसकी एक सहायक इकाई ने खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) क्षेत्र में माल ढुलाई संभालने की सुविधा स्थापित करने के लिए एक महत्वपूर्ण ठेका हासिल किया है। इस ठेके के तहत, एलएंडटी को 1,000 करोड़ से 2,500 करोड़ रुपये के बीच का महत्वपूर्ण काम मिलेगा। जीसीसी क्षेत्र में एक प्रमुख रेलवे कंपनी से संदिग्ध ठेका प्राप्त करने के बाद, एलएंडटी अब उन्नत स्वचालन और नियंत्रण प्रणालियों के साथ माल ढुलाई संभालेगा। इस ठेके में इंजीनियरिंग, खरीद, निर्माण और संचालन का काम शामिल है। जीसीसी क्षेत्र में यह ठेका कार्यक्षमता को बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान देगा और खाड़ी सहयोग क्षेत्र की अवसंरचना में विकास को प्रोत्साहित करेगा। यह एलएंडटी की स्थिरता और प्रभावकारी कार्यक्षमता की एक और विजय है जो वित्तीय पारदर्शिता के साथ आगे बढ़ेगा।

भारत में बने 'जिम्नी फाइव-डोर' मॉडल की जापानी बाजार में बिक्री शुरू

- कंपनी का चालू वित्त वर्ष में जापान को निर्यात किया जाने वाला यह दूसरा मॉडल है

नई दिल्ली । मारुति सुजुकी इंडिया ने कहा कि भारत में बने 'जिम्नी फाइव-डोर' मॉडल की जापानी बाजार में बिक्री शुरू की गई है। विशेष रूप से मारुति सुजुकी के गुरुग्राम स्थित संयंत्र में बने इस एसयूवी को गुरुवार को जापान में पेश किया गया। जिम्नी फाइव-डोर मॉडल वित्त वर्ष 2024-25 में फ्रोंक्स के बाद सुजुकी मोटर कॉरपोरेशन के घरेलू बाजार में पेश किया जाने वाला दूसरा एसयूवी बन गया है। मारुति सुजुकी इंडिया के एक अधिकारी ने कहा कि भारत में बनी जिम्नी 5-डोर को जापान में पेश किए जाने से हमारी वैश्विक स्तर की विनिर्माण क्षमता का पता चलता है। उन्होंने कहा कि कंपनी का चालू वित्त वर्ष में जापान को निर्यात किया जाने वाला यह दूसरा मॉडल है। इससे पहले अगस्त 2024 में फ्रोंक्स को जापान में पेश किया गया था। उन्होंने कहा कि मेक्सिको, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका जैसे बाजारों में इसकी शानदार सफलता के बाद, हमें भरोसा है कि यह जापान में ग्राहकों को पसंद आएगी। जिम्नी का निर्यात 'मेक-इन-इंडिया' के लिए हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।मारुति सुजुकी ने कहा कि जिम्नी का तीन दरवाजे वाला संस्करण जापानी बाजार में पहले से ही बिक्री के लिए उपलब्ध है और पांच दरवाजे वाला संस्करण इसकी लोकप्रियता को और बढ़ाएगा।

अंबुजा सीमेंट्स का मुनाफा दोगुना से अधिक बढ़ा

- कंपनी की आय बढ़कर 9,329 करोड़ रुपये हुई

अहमदाबाद।

अदाणी ग्रुप की सीमेंट कंपनी अंबुजा सीमेंट्स ने वित्त वर्ष 25 की तीसरी तिमाही के नतीजे पेश कर दिए हैं। अक्टूबर-दिसंबर में कंपनी का मुनाफा सालाना आधार पर दोगुना से अधिक बढ़कर 2,620 करोड़ रुपये हो गया है। चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में कंपनी की आय बढ़कर 9,329 करोड़ रुपये हो गई है, जो कि पिछले साल की समान अवधि में 8,129 करोड़ रुपये थी। कंपनी ने कहा कि कर्ज के बिना कंपनी की नेट वर्थ 62,535 करोड़ रुपये है। कंपनी के पास 8,755 करोड़ रुपये का कैश मौजूद है। अंबुजा सीमेंट्स के एक अधिकारी ने कहा कि हमें अपनी विकास योजना के अनुरूप तिमाही में टिकाऊ प्रदर्शन रिपोर्ट करते हुए खुशी हो रही है। इनोवेशन, डिजिटलीकरण, ग्राहक संतुष्टि और ईएसजी पर ध्यान केंद्रित करते हुए, हमारा विजन नए भौगोलिक क्षेत्रों में हमारे विस्तार को आगे बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि हमारे रणनीतिक अधिग्रहणों ने हमारी क्षमता और बाजार उपस्थिति में मजबूत वृद्धि की है। तिमाही में कंपनी ने खावड़ा में 200 मेगावाट सौर ऊर्जा क्षमता शुरू की है, जिससे आगामी तिमाहियों में बिजली की लागत में कमी आएगी। कंपनी ने दिसंबर तिमाही के दौरान अतिरिक्त 631 मिलियन मीट्रिक टन (एमटी) चूना पत्थर भंडार रिपोर्ट किया है, जिससे कुल भंडार 8.3 बिलियन मीट्रिक टन हो गया। इस साल की शुरुआत में अंबुजा सीमेंट्स लिमिटेड को अदाणी सीमेंटेशन लिमिटेड के साथ विलय के संबंध में एक्सचेंजों से नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट (एनओसी) मिल गया था। अदाणी सीमेंटेशन और अंबुजा सीमेंट्स के बीच विलय के प्रस्ताव को जून 2024 में बोर्ड से मंजूरी मिल गई थी।

एमएसएमई के लिए नई ऋण गारंटी योजना- निवेश और निर्यात को मिलेगी मदद

- योजना से भारतीय निर्यात संगठनों को अधिक वित्तीय पहुंच प्राप्त होगी

नई दिल्ली। वित्त मंत्रालय ने एक नई ऋण गारंटी योजना की घोषणा की है, जिसमें एमएसएमई क्षेत्र को 100 करोड़ रुपये तक के ऋण की सुविधा प्राप्त होगी। यह योजना निवेश, विनिर्माण और निर्यात को बढ़ावा देने में मदद करेगी। निर्यातकों का मानना है कि एमएसएमई के लिए वित्तपोषण की कमी से परिस्थितियाँ कठिन हो रही हैं, जिससे वैश्विक बाजारों में प्रतिस्पर्धा करने की क्षमता में रोक हो रही है। योजना के अनुसार उधारकर्ता को कुछ शर्तें पूरी करनी होंगी, जैसे वैध उद्यम पंजीकरण संख्या वाला एमएसएमई होना, गारंटीकृत ऋण की राशि 100 करोड़ रुपये से अधिक न होना और उपकरणों की परियोजना लागत का कम से कम 75 प्रतिशत होना। इस योजना से भारतीय निर्यात संगठनों को अधिक वित्तीय पहुंच मिलेगी और उन्हें नवीनतम उपकरणों में निवेश करने के लिए महत्वपूर्ण समर्थन प्राप्त होगा। इस नीति के माध्यम से सरकार विनिर्माण को बढ़ावा देने और भारत के ग्लोबल प्रतिस्पर्धा में मदद करने के लिए कदम उठा रही है। यह योजना सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों के लिए सहायक होगी।

महाकुंभ भगदड़ में बिहार की 8 महिलाओं की मौत

11 लोग लापता: परिजन बोले- साधुओं के आने पर भीड़ बढ़ी लोग कुचलते हुए निकले

पटना। प्रयागराज के संगम तट पर मंगलवार देर रात भगदड़ मच गई। इस हादसे में 30 से अधिक लोगों की मौत हुई है। 25 मृतकों की पहचान हो गई है। 19 गंभीर घायल हैं। मृतकों में सबसे ज्यादा 19 यूपी के हैं। भगदड़ में बिहार की 8 महिलाओं की भी मौत हुई है। इनमें गोपालगंज की 4, औरंगाबाद की 2, पटना की मनेर और मुजफ्फरपुर की 1-1 श्रद्धालु की मौत हुई है। 5 जिलों के 11 लोग अब भी लापता हैं। वहीं, भगदड़ में गोपालगंज के 4 अन्य लोग घायल भी हो गए हैं, जिनका प्रयागराज के हॉस्पिटल में इलाज चल रहा है। मृतक महिलाओं का प्रयागराज में पोस्टमॉर्टम कराया गया है। इसके बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। गोपालगंज में जिन 4 महिलाओं की मौत हुई है। सभी जिले के अलग-अलग थाना क्षेत्र की रहने वाली थीं। बरौली थाना क्षेत्र के माड़नपुर गांव निवासी स्वर्गीय तारकेश्वर सिंह की पत्नी शिवकालो देवी (65), भोरे थाना क्षेत्र के रामनगर गांव निवासी स्वर्गीय बुटेली मांझी की पत्नी सरस्वती देवी (68), उचकागांव थाना क्षेत्र के श्यामपुर गांव निवासी धूरेंद्र की पत्नी तारा देवी (60) और बलेसरा गांव निवासी बच्चा दुबे की पत्नी कांति देवी (65) शामिल हैं। इसके अलावा औरंगाबाद के गोह प्रखंड के सोसुना गांव निवासी स्वर्गीय सुरेश यादव की राजरानी देवी (55) और हसपुरा थानाक्षेत्र के मनपुरा गांव निवासी स्व.अरूण कुमार सिंह की बेटी सोनम कुमारी(20) की भी महाकुंभ के भगदड़ में मौत हो गई। सोनम अपनी मां रजनी कुंवर के साथ कुंभ स्नान करने गई थी। परिजन के अनुसार, मृतका का शव प्रयागराज से हसपुरा के लिए रवाना हो चुका है। परिजन शव पहुंचने का इंतजार कर रहे हैं। वहीं, पटना के मनेर की सिया देवी (62) की भी भगदड़ में मौत हो गई। मुजफ्फरपुर के मुशहरी प्रखंड शिवा देवी (60) की भी महाकुंभ में जान चली गई है। शिवा देवी की पोतियों को दादी के शव का इंतजार महाकुंभ भगदड़ में मुजफ्फरपुर की शिवा देवी (60) की मौत हो गई। उनकी पोती ने बताया कि 'दादी ने ही परवरिश की है। मां-पिताजी जॉब करते हैं। घर में हम लोग तीन भाई-बहन की देखभाल दादी करती थी। अब हम लोग कैसे रहेंगे?' उनकी दोनों बहू और पोतियां दादी के शव का इंतजार कर रही हैं। शिवा देवी के पति बलदेव शर्मा का निधन 2017 में हो गया था। वह पेशे से शिक्षक थे। उनके दो बेटे संजय कुमार और रवि कुमार हैं। दोनों की शादी हो चुकी है और उनकी पत्नियां नौकरी करती हैं, जबकि वे खुद खेती-बाड़ी करती थीं। चचेरी बहू उषा कुमारी ने बताया, '26 जनवरी को चाची गांव से महाकुंभ के लिए निकली थीं। परिवार से तीन लोग महाकुंभ गए थे और वहां पहुंचने के बाद सभी खुश थे। लेकिन अचानक सुबह 4 बजे गांव की ही धर्मशिला देवी ने फोन कर सूचना दी कि शिवा देवी भगदड़ में मर गई है।' बरौली थाना क्षेत्र के माड़नपुर गांव की शिवकालो देवी बेटी संगीता कुमारी के साथ महाकुंभ में मौनी अमावस्या के स्नान करने गई थी। स्नान करने घाट की ओर जा रही थी, तभी भगदड़ मच गई। हादसे में शिवकालो देवी की मौत हो गई। शिवकालो देवी की बेटी संगीता देवी ने बताया, शिवकालो देवी की मौत की सूचना जैसे ही माड़नपुर गांव में पहुंची, तो गांव में सन्नाटा पसर गया। घर में शिवकली देवी की दो बहू हैं, उनका रो-रोकर बुरा हाल है। मृतका के पति की नौ साल पहले मौत हो चुकी है। इनको दो बेटा और चार बेटी हैं। एक बेटा पुणे में इंजीनियर है, जबकि दूसरा बेटा सऊदी में फोर्थ मैन का काम करता है। मौत की सूचना पर बुधवार को पूरे दिन मृतका के घर रिश्तेदारों का आना-जाना लगा रहा। मृतका का शव पोस्टमॉर्टम के बाद माड़नपुर लाया जाएगा, जहां अंतिम संस्कार की प्रक्रिया होगी। हादसे में भोरे थाना क्षेत्र के रामनगर गांव निवासी भूटेली मांझी की पत्नी सरस्वती देवी (68) की भी मौत हो गई।

इंटर बोर्ड परीक्षा में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था

नवादा। में इंटरमीडिएट की बोर्ड परीक्षा 1 फरवरी से 15 फरवरी तक आयोजित की जाएगी। इस परीक्षा में कुल 32,604 परीक्षार्थी शामिल होंगे, और इसे जिले के 30 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित किया जाएगा। कदाचार मुक्त परीक्षा सुनिश्चित करने के लिए जिलाधिकारी रवि प्रकाश और एसपी अभिनव धीमान ने केंद्राधीक्षकों और दंडाधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक की है। परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी की गई है। परीक्षार्थियों को दो स्तरीय जांच के बाद ही प्रवेश मिलेगा, और सुबह 9 बजे के बाद कोई भी परीक्षार्थी केंद्र में प्रवेश नहीं कर सकेगा। केंद्र में जूता-मोजा पहनकर जाने की अनुमति नहीं होगी, और केवल पेन और एडमिट कार्ड लाने की अनुमति होगी। मोबाइल या अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का उपयोग प्रतिबंधित परीक्षा की शुचिता बनाए रखने के लिए विशेष निर्देश दिए गए हैं। यदि परीक्षा कक्ष में चीट-पर्ची पाई जाती है, तो वीक्षक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की जाएगी। मोबाइल या अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का उपयोग फिर प्रतिबंधित होगा, और महिला परीक्षार्थियों की जांच के लिए महिला कर्मियों की तैनाती की गई

डिवाइडर से टकराई कार एक की मौत: 5 घायल

पटना मुख्य सड़क की घटना पटना के मरीन ड्राइव से लौट रहे थे

पटना। मुख्य सड़क पर महात्मा गांधी सेतु के पास सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई। जबकि एक ही परिवार के 5 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के अनुसार छपरा जिले के नयागांव थाना क्षेत्र के डुमरी गांव के रहने वाले ये लोग पटना मरीन ड्राइव घूमकर वापस लौट रहे थे। घायलों को पीएमसीएच किया गया रेफर हादसे में विपिन सिंह की मौके पर ही मौत हो गई। घायलों में अमित कुमार, हर्ष कुमार, पिंकी देवी, जयप्रकाश कुमार, रंगोली कुमारी और रवि रंजन कुमार शामिल है। दुर्घटना तब हुई जब स्विफ्ट डिजायर कार का चालक अचानक नियंत्रण खो बैठा और कार सड़क किनारे बने डिवाइडर से टकरा गई। गंगा ब्रिज थाने की पुलिस को स्थानीय लोगों द्वारा सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और सभी घायलों को हाजीपुर सदर अस्पताल ले गई। डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद घायलों की गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए पटना पीएमसीएच रेफर कर दिया। पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम की कार्रवाई शुरू कर दी। घायलों के परिवार वालों को सूचित कर दिया गया है।

डीलरशिप हथियाने के लिए सुपारी देकर मर्डर

पड़ोसी डीलर ने 2 लाख रुपए देकर करवाई हत्या: दो आरोपी अरेस्ट

पटना। के सिकंदरा थाना क्षेत्र में मर्डर के मामले में दो आरोपी अरेस्ट हुए है। स्थानीय जन वितरण प्रणाली के डीलर शिवनंदन महतो की हत्या का खुलासा पुलिस ने 23 दिन बाद किया है। जांच में पता चला कि पड़ोसी डीलर मनोज रविदास ने डीलरशिप हथियाने के लिए सुपारी देकर शिवनंदन की हत्या करवाई। पुलिस ने इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों में खरडीह गांव के चंदन महतो और मनोज रविदास शामिल हैं। तीन अन्य आरोपी अभी फरार हैं, जिनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है। 2 लाख रुपए देकर रची हत्या की साजिश एसपी मदन कुमार आनंद के अनुसार, मनोज रविदास ने आपराधिक प्रवृत्ति के चंदन महतो को 2 लाख रुपए देकर शिवनंदन की हत्या की साजिश रची। मनोज का मकसद पूरे गांव में अकेले डीलरशिप चलाना था, जिससे वह अधिक उपभोक्ताओं को राशन मुहैया करा सके और ज्यादा आमदनी कर सके। जांच में यह भी खुलासा हुआ कि इससे पहले भी मनोज रविदास ने शिवनंदन को बदनाम करने के लिए कई झूठे मामले दर्ज करवाए थे। एक महीने पहले भी इसी वजह से शिवनंदन को जेल जाना पड़ा था। यह हत्याकांड खरडीह गांव में डीलरशिप के लिए हुई प्रतिद्वंद्विता का परिणाम है।

घर में घुसकर बच्ची के साथ रेप की कोशिश

पटना। के फुलवारी शरीफ में 40 वर्षीय शख्स ने बच्ची(11) के साथ रेप करने की कोशिश की है। ग्रामीणों ने आरोपी को पकड़कर जमकर पिटाई कर दी। मामले की सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची। लोगों के चंगुल से छुड़ाकर इलाज के लिए एम्स में भर्ती कराया है। लोगों ने पकड़कर जमकर पीटा बच्ची घर में अकेली थी। पिता काम से बाहर गए थे। इस बीच आरोपी घर में घुस गया और छेड़छाड़ करने लगा। बच्ची ने हिम्मत दिखाते हुए शोर मचाना शुरू कर दिया। आवाज सुनकर लोगों की भीड़ जुट गई। आरोपी को पकड़कर जमकर पिटाई कर दी। केस दर्ज कर जांच में जुटी पुलिस फुलवारी शरीफ पुलिस अनुमंडल पदाधिकारी सुशील कुमार ने बताया कि मामले की छानबीन की जा रही है। पीड़िता की मां के बयान पर थाने में मामला दर्ज कर लिया गया है। आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है।

संक्षिप्त डायरी

सासाराम महाकुंभ में श्रद्धालुओं की सुरक्षा पहली प्राथमिकता

रोहतास। में महाकुंभ मेले के लिए श्रद्धालुओं की सुरक्षा को देखते हुए रेलवे प्रशासन ने महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। सासाराम रेलवे स्टेशन पर अत्यधिक भीड़ के मद्देनजर कई प्रमुख ट्रेनों का परिचालन अस्थायी रूप से स्थगित कर दिया गया है। रेलवे प्रशासन की ओर से जारी आदेश के मुताबिक, पुरी-नई दिल्ली पुरुषोत्तम एक्सप्रेस (12801) 28 जनवरी और 2 फरवरी को रद्द रहेगी। इसी ट्रेन की वापसी सेवा (12802) 30 जनवरी और 4 फरवरी को नहीं चलेगी। इसके अलावा हावड़ा-बीकानेर एक्सप्रेस (22307) 30 जनवरी को, हावड़ा-जोधपुर एक्सप्रेस (12307) 4 फरवरी को और आनंद विहार-नंदन कानन एक्सप्रेस (12815) 30 जनवरी को रद्द कर दी गई है। रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों के अनुसार यह फैसला स्टेशन पर भीड़ के बेहतर प्रबंधन और यात्री सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए लिया गया है। प्रशासन श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विशेष ट्रेनों के संचालन पर भी विचार कर रहा है, ताकि यात्रियों को न्यूनतम असुविधा का सामना करना पड़े।

कुंभ मेले से लौट रहे श्रद्धालु की हार्ट-अटैक से मौत

रोहतास। के एक युवक की कुंभ से लौटने के दौरान हार्ट अटैक से मौत हो गई। डालमियानगर के नारायण टोला निवासी प्रमोद कुमार(35) अपने परिवार के साथ महाकुंभ स्नान के लिए प्रयागराज गए थे। बुधवार की सुबह जब मेला परिसर में भगदड़ और चीख-पुकार की आवाजें सुनाई दीं, तो प्रमोद ने स्कॉर्पियो में बैठकर जल्द से जल्द वहां से निकलने का फैसला किया। इसी दौरान उन्हें सीने में तेज दर्द महसूस हुआ और वाहन में ही उनकी मौत हो गई। परिजनों ने पुलिस की मदद से उन्हें एक निजी अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। बता दें कि प्रमोद एक दवा दुकान चलाकर अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। उनके साथ उनके ससुराल नवीनगर से भी कुछ परिजन अलग वाहन से कुंभ स्नान के लिए आए थे। बुधवार की शाम उनका पार्थिव शरीर नारायणपुर टोला स्थित घर पहुंचा। जहां सोन नदी के तट पर उनका अंतिम संस्कार किया गया।

युवक की संदिग्ध परिस्थिति में मौत प्रेम प्रसंग में खुदकुशी की आशंका

रोहतास। के सासाराम मुफ्फसिल थाना क्षेत्र में पहाड़ी के पास एक युवक बेहोशी की हालत में मिला, जिसकी बाद में इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतक की पहचान नोखा थाना के बिसेनी खुर्द गांव निवासी गफ्फार अंसारी के 20 साल के बेटे रियाज अंसारी के रूप में हुई है। घटना की जानकारी मृतक के दोस्त कलीम अंसारी ने दी।

उसने बताया कि मंगलवार की देर शाम रियाज का फोन आया था, जिसमें उसने अपनी तबीयत खराब होने की बात कही थी। जब कलीम मौके पर पहुंचा, तो रियाज को बेहोशी की हालत में पाया। उसे तुरंत सदर अस्पताल के ट्रामा सेंटर ले जाया गया, जहां बुधवार को उपचार के दौरान उसकी मृत्यु हो गई। प्रारंभिक जांच में प्रेम प्रसंग में जहर खाकर आत्महत्या का मामला सामने आ रहा है।

मुफ्फसिल थानाध्यक्ष ने बताया कि युवक की मौत संदिग्ध प्रतीत हो रही है। पुलिस ने परिजनों का बयान दर्ज कर लिया है और मामले की गहन जांच कर रही है। मृत्यु के वास्तविक कारण का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चल पाएगा।

3 दिन बाद भूसे में मिला बच्चे का शव में बदबू आने पर हुई जानकारी

रोहतास। के करगहर थाना क्षेत्र के बभनी गांव से लापता हुए 7 साल के हिमांशु कुमार का शव गांव के ही एक मकान में रखे भूसे के घर से मिला है। मालूम हो कि 26 जनवरी को सुधीर सिंह का बेटा हिमांशु कुमार लापता हो गया था। इसके बाद से ही परिजन और पुलिस लगातार उसकी खोज कर रहे थे। बुधवार को तीन दिन बाद शव मिलते ही गांव में हड़कंप मच गया। मृतक बच्चा अपने माता-पिता का इकलौता बेटा बताया जा रहा है। शव मिलने के बाद परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। घटना को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश है। स्थानीय लोगों की माने तो भूसे के घर से बदबू आने पर परिजनों को शक हुआ। घर खोलने पर बच्चे का शव मिला। बच्चे का जूता भी पास में ही मौजूद था। सूचना पर पहुंची पुलिस जांच में जुट गई है। मौके पर मौजूद एसपी रौशन कुमार, एसडीपीओ 2 कुमार वैभव और अन्य पुलिस पदाधिकारी जांच में जुटे हुए है। इसके साथ ही एफएसएल की टीम भी जांच कर रही है। डॉग स्क्वायड की टीम भी पहुंची है। परिजनों ने कहा कि करगहर थाने में 26 जनवरी की देर शाम प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। हिमांशु 26 जनवरी को स्कूल गया था। इसके बाद दोपहर एक बजे वह घर से बाहर गया। उसके बाद से वह गायब बताया जा रहा है। परिजनों ने देर रात तक उसकी खोजबीन की, नहीं मिलने पर गुमशुदगी की प्राथमिकी दर्ज कराई। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसपी रौशन कुमार 27 जनवरी को बभनी गांव पहुंचे थे और पुलिस अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए थे। बभनी गांव में डॉग स्क्वायड की टीम भी पहुंची थी।

शिवदीप लांडे का पोस्ट जल्द आ रहा हूं

यूजर्स ने पूछा- अध्यात्म में जाएंगे या राजनीति में: इस्तीफे पर बिहार सरकार ने लगाई अंतिम मुहर

पटना। सरकार ने बुधवार को पूर्व IPS शिवदीप लांडे का इस्तीफा मंजूर कर लिया है। इसके बाद लांडे ने फेसबुक पर पोस्ट करते हुए लिखा- जल्द आप लोगों के बीच आ रहा हूं। इसके साथ ही उन्होंने एक फोटो लगाई है। तस्वीर कुछ खास समझ में नहीं आ रही, लेकिन यूजर्स इस पर तरह-तरह के कमेंट्स कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा है कि 'ये शिव का तिलक लग रहा है, लगता है सर अध्यात्म में जाएंगे।' दूसरे ने लिखा है कि 'महोदय राजनीति में जाएंगे। आपको नौकरी करनी चाहिए थी।' एक यूजर ने लिखा है कि 'सर आपके फैसले से सभी पुलिस वालों को दुख पहुंचा है।' IPS शिवदीप लांडे का इस्तीफा 117 दिनों के बाद मंजूर किया गया था। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 13 जनवरी को शिवदीप लांडे का इस्तीफा मंजूर किया। 14 जनवरी को देर शाम गृह विभाग ने अधिसूचना जारी कर दिया है। वहीं IPS काम्या मिश्रा का इस्तीफा अभी तक मंजूर नहीं किया गया है। काम्या ने भी 130 दिन पहले अपना इस्तीफा गृह विभाग को भेज दिया था। शिवदीप लांडे ने 19 सितंबर 2024 को अपना इस्तीफा दिया था। इस्तीफा देने के पहले शिवदीप पूर्णिया में बतौर IG के पद पर तैनात थे। पूर्णिया में 6 सितंबर को पूर्णिया रेंज के IG पद का चार्ज लिया था। इस्तीफे के तुरंत बाद इनका इस्तीफा मंजूर नहीं किया गया था। इसके बाद ऐसी अटकलें लगाई जा रही थी कि शिवदीप अपना इस्तीफा वापस ले लेंगे, लेकिन अब शिवदीप का इस्तीफा मंजूर कर लिया गया है। इस्तीफे की पेशकश के बाद विभाग ने शिवदीप को ट्रांसफर कर तत्काल मुख्यालय बुला लिया था। मुख्यालय में उन्हें IG प्रशिक्षण की जिम्मेदारी दी गई। उनकी जगह राकेश राठी को पूर्णिया का IG बनाया गया। महाराष्ट्र के रहने वाले शिवदीप लांडे का पूरा नाम शिवदीप वामनराव लांडे है। वह 2006 बैच के IPS अधिकारी हैं। जनवरी 2015 में शिवदीप पटना के डाक बंगला चौराहे पर घूस मांग रहे इंस्पेक्टर सर्वचंद को फिल्मी अंदाज में दुपट्टा ओढ़कर पकड़ने के मामले में चर्चा में आए थे। यूपी पुलिस के इंस्पेक्टर सर्वचंद पर आरोप था कि वह पटना के दो व्यापारी भाइयों से एक पुराने केस को खत्म करने के लिए पैसे मांग रहे थे। इन दोनों भाइयों ने इसकी जानकारी तत्कालीन एसपी शिवदीप लांडे को दी। इसके बाद लांडे भेष बदलकर टी-शर्ट पहने और सिर पर दुपट्टा लपेटे इंस्पेक्टर सर्वचंद का डाक बंगला चौराहे पर इंतजार करने लगे। सर्वचंद जैसे ही घूस का पैसा लेने के लिए वहां पहुंचे, शिवदीप ने उन्हें अरेस्ट कर लिया। हालांकि, सबूतों के अभाव में थोड़ी ही देर में सर्वचंद्र को छोड़ भी दिया गया। बिहार कैडर की 2019 बैच की IPS काम्या मिश्रा ने भी अपना इस्तीफा सरकार को भेजा है। वह लंबी छुट्टी पर चली गई है। उनके इस्तीफे पर भी अभी फैसला नहीं हुआ है। 5 अगस्त 2024 को उन्होंने निजी कारणों का हवाला देते हुए अपना इस्तीफा सौंपा है। काम्या मिश्रा बिहार के दरभंगा में के तौर पर कार्यरत थीं।

सर्दियों में स्किन का ख्याल रखता है गुड़, इन तीन तरीकों से करें इस्तेमाल

सर्दी के मौसम में जब आपकी स्किन रूखी व बेजान हो जाती है तो ऐसे में गुड आपकी स्किन को हाइड्रेटेड और ग्लोइंग बनाए रखता है। यह विटामिन, मिनरल और एंटी-ऑक्सीडेंट से भरपूर है जो आपकी स्किन को मॉइश्चराइज़ करने के साथ-साथ उसे एक्सफ़ोलिएट और हील भी करता है।

ठंड के मौसम में हम सभी गुड़ का सेवन जरूर करते हैं। यह शरीर को गरमाहट प्रदान करता है। लेकिन क्या आपको पता है कि गुड़ ठंड के दिनों में आपकी स्किन का ख्याल भी रख सकता है। सर्दी के मौसम में जब आपकी स्किन रूखी व बेजान हो जाती है तो ऐसे में गुड आपकी स्किन को हाइड्रेटेड और ग्लोइंग बनाए रखता है। यह विटामिन, मिनरल और एंटी-ऑक्सीडेंट से भरपूर है जो आपकी स्किन को मॉइश्चराइज करने के साथ-साथ उसे एक्सफ़ोलिएट और हील भी करता है।

गुड़ को आप कई अलग-अलग तरीकों से अपने विंटर स्किन केयर रूटीन का हिस्सा बना सकते हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको बता रहे हैं कि ठंड के दिनों में अपनी स्किन का ख्याल रखने के लिए आप गुड़ का इस्तेमाल किस तरह करें-

गुड़ और शहद से बनाएं फेस मास्क

ठंड के मौसम में अपनी स्किन की नमी को बनाए रखने और डेड स्किन सेल्स को हटाने के लिए आप गुड़ और शहद की मदद से फेस मास्क बनाकर इस्तेमाल करें।

आवश्यक सामग्री-

1 बड़ा चम्मच गुड़ पाउडर या कुचला हुआ

1 बड़ा चम्मच शहद

इस्तेमाल का तरीका-

सबसे पहले गुड़ को शहद के साथ मिलाकर पेस्ट बना लें।

अब इस मिश्रण को अपने चेहरे पर 10-15 मिनट तक लगाएं।

अंत में, गुनगुने पानी से चेहरा धो लें और स्किन को मॉइश्चराइज करें।

गुड़ से बनाएं लिप बाम

ठंड के मौसम में होंठों के रूखेपन या फटने की समस्या बेहद आम है। ऐसे में आप गुड़ की मदद से लिप बाम बनाएं। यह आपके होंठों की नमी को बनाए रखने में मदद करेगा।

आवश्यक सामग्री-

1 चम्मच गुड़

1 चम्मच घी या नारियल का तेल

इस्तेमाल का तरीका-

गुड़ को घी या नारियल के तेल के साथ मिक्स करें।

अब इसे अपने होंठों पर लगाएं।

आप हर दिन इसका इस्तेमाल कर सकती हैं और सर्दियों में भी होंठों को मुलायम बनाए रख सकती हैं।

गुड़ से बनाएं स्क्रब

गुड़ की मदद से स्क्रब भी बनाया जा सकता है। आप इसके साथ ओट्स या चीनी का इस्तेमाल कर सकते हैं।

आवश्यक सामग्री-

1 बड़ा चम्मच गुड़

1 बड़ा चम्मच पिसा हुआ ओट्स या चीनी

1 बड़ा चम्मच जैतून का तेल

स्क्रब बनाने का तरीका-

सबसे पहले गुड़ को पिसे हुए ओट्स या चीनी के साथ मिक्स करें।

अब इसमें जैतून का तेल मिलाएं।

इसे अपने चेहरे या शरीर पर लगाकर मसाज करें और धो लें।

हेल्दी डाइट के बाद भी कम नहीं हो रहा बजन तो आज से ही शुरू कर दें यह काम, एक हफ्ते में दिखेगा असर

वेट लॉस करना चाहते हैं और इसके लिए एक्सरसाइज भी करते हैं। हेल्दी खाना भी खाते हैं। लेकिन फिर भी मनचाहा रिजल्ट नहीं मिल रहा। इसके लिए कई बार लाइफस्टाइल की बहुत छोटी बातें जिम्मेदार होती हैं। इस बारे में फिटनेस कोच शितिजा ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर किया है और बताया कि कैसे वर्कआउट करने के बाद भी वजन कम नहीं हो रहा।

आखिर क्यों दिखता है बढ़ा हुआ वजन

अगर आपका वजन भी रोज एक किलो के करीब ज्यादा दिख रहा तो इसके लिए कई फैक्टर जिम्मेदार होते हैं।

-रात को हाई कार्बोहाइड्रेट वाला डिनर

-स्ट्रेस

-बहुत ज्यादा हैवी वर्कआउट, जिसकी वजह से मसल्स लॉस होने की बजाय स्ट्रेंथ पाती हैं।

-रात को देर से खाना

-पीरियड्स के दौरान भी कुछ महिलाओं का वजन बढ़ा हुआ दिखता है।

-अगर आपकी नींद ठीक से पूरी नहीं हो रही तो भी वेट गेन होगा।

-वेट नापते वक्त आपका पेट खाली होना चाहिए। अगर आप शौच के लिए जाने वाले हैं तो वजन ना तौलें। ऐसे वक्त में भी वेट ज्यादा दिखता है।

-ज्यादा नमक और सोडियम रिच फूड्स खाने की वजह से शरीर में वाटर रिटेंशन की प्रॉब्लम हो जाती है और वजन ज्यादा दिखने लगता है।

कैसे पता करें कि हो रहा वेट लॉस

-अगर आप वजन नापने वाली मशीन पर खड़े होने पर वजन घटा हुआ नहीं पाते तो घबराएं नहीं। रोज वजन घटने की बजाय बढ़ा हुआ दिख रहा तो इस तरह पता करें कि आपकी एक्सरसाइज असर दिखा रही है।

-आपके कपड़ों की साइज बदल गई है और फिटिंग चेंज हो गई है।

-शरीर ज्यादा फ्रेश और स्ट्रांग महसूस करता है। जैसे कि सीढ़ियां चढ़ते वक्त या फिर वेट ट्रेनिंग करना अब पहले से आसान लगता है।

रोज-रोज वजन फ्लक्चुएट हो रहा लेकिन लंबे समय में वजन घटा है तो इसका मतलब है कि आपकी डाइट और एक्सरसाइज असर दिखा रही है।

स्वेटर-शॉल पर आ गए हैं रोएं तो निकालने के लिए अपनाएं ये तरीके

गर्म कपड़ों में रोएं निकलने से हर कोई परेशान रहता है। एक-दो धुलाई के बाद वूलेन कपड़ों में रोएं निकल आते हैं। जिसकी वजह से महंगे से महंगा कपड़ा पुराना नजर आने लगता है। लेकिन आप कुछ आसान हैक्स की मदद से आप इनको आसानी से हटा सकते हैं।

दिसंबर और जनवरी का महीना आते-आते कई राज्यों में सर्दी ने जोर पकड़ लिया है। पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी का असर मैदानी इलाकों में भी देखने को मिल रहा है। सर्दी से बचने के लिए हम सभी ऊनी कपड़ों का सहारा लेते हैं। लेकिन गर्म कपड़ों में रोएं निकलने से हर कोई परेशान रहता है। एक-दो धुलाई के बाद वूलेन कपड़ों में रोएं निकल आते हैं। जिसकी वजह से महंगे से महंगा कपड़ा पुराना नजर आने लगता है। लेकिन आप कुछ आसान हैक्स की मदद से आप इनको आसानी से हटा सकते हैं। इसके साथ ही आपको कुछ सावधानियां बरतनी चाहिए। जिससे कि इन कपड़ों में रोएं न लगें। वहीं रोएं की वजह से आपका कपड़ा खराब हो रहा है, तो आप कंघी वाली ट्रिक आजमा सकती हैं।

कपड़ों से क्यों निकलते हैं रोएं

कपड़ों को गलत तरीके से धोने या सुखाने से रोएं निकलने लगते हैं।

ऊनी कपड़े पहनकर सोने से भी कपड़ों में रोएं निकलने लगते हैं।

ऊनी कपड़ों को गर्म पानी से धोने से रोएं भी निकलने लगते हैं।

सस्ती और खराब क्वालिटी का ऊन होने पर रोएं निकल सकते हैं।

कंघी से हटाएं रोएं

आप कंघी की मदद से भी वूलेन कपड़ों से रोएं हटा सकती हैं। सबसे अच्छी बात ये है कि इसमें किसी तरह का कोई खर्च नहीं आता है। आप रोएं वाली जगह पर कंघी को घुमाना होगा। ऐसे में कंघी में रोएं फंसकर साफ हो जाएंगे। ध्यान रखें कि रोएं निकालने के लिए पतली कंघी लेनी होगी।

इन ट्रिक्स से निकालें रोएं

आप पैकिंग टेप की सहायता से आसानी से रोएं निकाल सकते हैं। इसके लिए रोएं पर टेप लगाएं।

इसके अलावा वूलेन कपड़ों को विनेगर में भिगोकर रखें, इससे रोएं आसानी से निकल सकते हैं।

आप शेविंग रेजर की सहायता से भी रोएं निकाल सकते हैं। लेकिन ध्यान रखें कि रोएं निकालते समय कपड़े को कोई नुकसान न हो।

वहीं अगर आपके पास लिंट रिमूवर है, तो यह बेस्ट ऑप्शन होगा।

ऐसे धोएं ऊनी कपड़े

बता दें कि बहुत सारे लोग ऊनी कपड़ों को गर्म पानी से धोते हैं, जिसकी वजह से कपड़ों में रोएं निकल आते हैं। बल्कि गर्म पानी से धोने से इसकी बनावट भी खराब हो जाती है। इसलिए सबसे अच्छा तरीका है कि आप वूलेन कपड़ों को गर्म पानी से धोएं। वहीं अगर आप वूलेन कपड़ों को वॉशिंग मशीन में धोते हैं, तो आपको वूल या डेलिकेट मोड ऑन करें। अगर आप हाथ से इन कपड़ों को धोते हैं, तो ज्यादा बेहतर रहेगा। गर्म कपड़ों को सही तरीके से धोने से गर्म कपड़ों में रोएं की कोई परेशानी नहीं होती है।

साइकल चलाते समय न करें ये गलतियां

अधिकतर लोग खुद को फिट रखने के लिए साइकिल चलाना पसंद कर रहे है और फिटनेस के लिए इसे अपनी रूटीन में शामिल कर रहे है। वैसे भी फिट और एक्टिव रहने के लिए साइकिल चलाना बेस्ट माना जाता है। यदि नियमित रूप से साइकिल चलाई जाए तो इससे बॉडी की पूरी एक्सरसाइज होती है। और टोन्ड और परफेक्ट फिगर पा सकते है। लेकिन साइकिल चलाते वक्त कुछ बातों का ध्यान रखना बेहद जरूरी है। वरना सेहत से जुड़ी अन्य समस्या हो सकती हैं।

- कुछ लोगों की आदत होती है कि वे बार-बार पानी पीते है, ये बिलकुल अच्छी बात है लेकिन साइकिल चलाते समय अधिक मात्रा में पानी नहीं पीना चाहिए। क्योंकि साइकिल चलाते वक्त अधिक मात्रा में पानी पीया जाएं तो इससे मतली की समस्या होने लगती है। वहीं ज्यादा पानी पीने से बार-बार पेशाब आएगी। जिससे पेट में दर्द हो सकता है। इसलिए साइकिल चलाते वक्त पानी न पीएं।
- साइकिल चलाना फिट रहने के लिए एक बेस्ट विकल्प है। इसलिए साइकिल चलाते वक्त फास्ट फूड या फिर जंक फूड से दूरी रखना ही बेहतर होता है, क्योंकि अनहेल्दी खाने से शरीर में फेट बढ़ता है। इससे आप सुस्त महसूस करेंगे।
- साइकिल चलाने से पहले स्ट्रेचिंग न करें। वैसे आमतौर पर वर्कआउट से पहले स्टेचिंग की सलाह दी जाती है। लेकिन साइकिल चलाने से पहले स्ट्रेचिंग न करें। इससे मांसपेशियां कमजोर हो सकती है और उनमें खिचाव आ सकता है। यदि आप स्टेचिंग करना चाहते है तो कम से कम आधे घंटे पहले करें।
- कई बार ऐसा होता है कि हम साइकिल राइड को मजेदार बनाने के लिए स्टंट करना शुरू कर देते हैं। इससे एक्सीडेंट होने की संभावना अधिक रहती है।

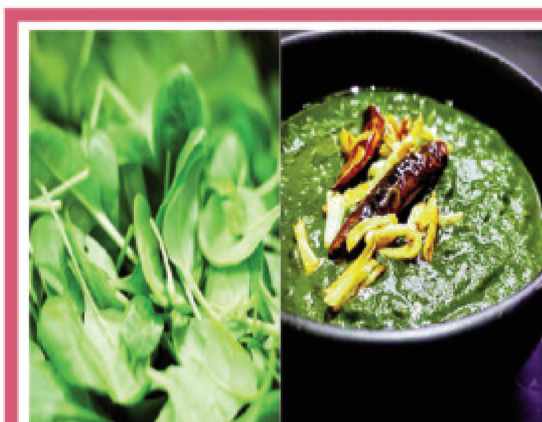

सर्दियों में लहसुनी पालक का लुत्फ उठाएं

सर्दियों के दौरान हरी सब्जियां खाना काफी पौष्टिक माना जाता है। पालक खाना सेहत के लिए भी काफी फायदेमंद होती। ठंड के मौसम में लहसुनी पालक का लुत्फ उठाएं, स्वाद इतना गजब सब करेंगे तारीफें।

ठंड के मौसम में साग, पालक और मेथी की सब्जी खूब खाई जाती है। सब्जी मंडी में इस समय पूरे बाजार में हरी सब्जियां नजर आती है। हरी सब्जियां सेहत के लिए काफी फायदेमंद होती है। पालक के सेवन करने से शरीर को कई पोषक तत्व मिलते हैं। पालक में भरपूर न्यूट्रिशन पाए जाते हैं। इसमें आयरन, मैग्नीशियम, पोटेशियम, कैल्शियम, प्रोटीन और फाइबर मौजूद होता है। इस विंटर सीजन में लहसुनी पालक की सब्जी बनाएं, जो स्वाद और हेल्थ के लिए बढ़िया है। आइए आपको लहसुनी पालक रेसिपी बताते हैं।

लहसुनी पालक बनाने के लिए हमें क्या चाहिए?

- 1 बड़ा कटोरा पालक, उबालकर कटा हुआ
- 1 बड़ा चम्मच घी
- 1/4 छोटा चम्मच जीरा
- 2 बड़ा चम्मच कटा हुआ लहसुन
- 1 छोटा कटा प्याज
- 1 चम्मच कटी हरी मिर्च
- 2 साबुत सूखी लाल मिर्च
- 1/4 चम्मच हल्दी पाउडर
- 1/4 चम्मच मिर्च पाउडर
- स्वादानुसार नमक

तड़का के लिए

- 1 बड़ा चम्मच शुद्ध घी
- 1/2 छोटा चम्मच जीरा
- 1 छोटा चम्मच कटा हुआ लहसुन
- 1 साबुत सूखी लाल मिर्च
- कटा हुआ टमाटर

लहसुनी पालक कैसे बनाएं

- सबसे पहले आप एक पैन में तेल गर्म करें और उसमें जीरा, कटा हुआ लहसुन और साबुत सूखी लाल मिर्च डालें। कुछ समय तक भूने, फिर आप कटा हुआ प्याज डालें, जब तक यह ग्लोडन ब्राउन न हो जाए।

- अब कटी हुई हरी मिर्च, हल्दी और लाल मिर्च पाउडर डालें। कुछ सेकंड के लिए भूनें, फिर कटा हुआ पालक और स्वादानुसार नमक डालें। कुछ मिनट तक भूनते रहें, और परोसने के बर्तन में निकाल लें।

- फिर आफ तड़का के लिए शुद्ध घी, जीरा, कटा हुआ प्याज और साबुत सूखी लाल मिर्च के साथ तड़का तैयार करें। जब तक लहसुन सुनहरा भूरा ने हो जाए तब तक इसे भूनें।

- अब आप इस तैयार किए हुए तड़के को लहसुनी पालक में डाल दीजिए और कटे हुए टमाटर से गार्निश करें।

चौथे टी20 में टीम इंडिया को इंग्लैंड से मिलेगी कड़ी टक्कर, पुणे में आसान नहीं होगी जीत

देहरादून (एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड के बीच शुक्रवार, 31 जनवरी को चौथा टी20 मैच खेला जाएगा। टीम इंडिया इस मुकाबले को जीतकर सीरीज अपने नाम करना चाहेगी। हालांकि, पुणे में खेले जाने वाले चौथे टी20 में टीम इंडिया को इंग्लैंड से कड़ी टक्कर मिलनी वाली है। इससे पहले राजकोट में खेले गए तीसरे टी20 में भारत को 36 रनों से हार झेलनी पड़ी थी। फिलहाल, पांच मैचों की टी20 सीरीज में भारत 2-1 से आगे है।

वहीं चौथे टेस्ट से पहले सबसे बड़ा सवाल ये है कि प्लेइंग इलेवन में किसे मौका मिलेगा। क्योंकि रिंकू सिंह के चोटिल होने के बाद विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल को सात नंबर पर मौका दिया गया था। जुरेल दूसरे और तीसरे टी20 में टीम इंडिया का हिस्सा थे, लेकिन दोनों ही मौकों पर वह फेल हुए। ऐसे में कोच गौतम गंभीर और कप्तान सूर्यकुमार यादव के सामने बड़ा सवाल ये है कि क्या ध्रुव जुरेल पर फिर से भरोसा किया जा सकता है।

साथ ही विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन का प्रदर्शन भी उम्मीद के मुताबिक नहीं है। तेज रफ्तार के सामने संजू की कमजोरी साफ दिख रही है। सैमसन की खराब फॉर्म चौथे टी20 मैच से पहले भारतीय टीम प्रबंधन की चिंता का सबब होगा। मौजूदा सीरीज में उनका स्कोर 26,05 और 03 रहा है, जो चिंता की बात है। वह 145 किमी की रफ्तार से ज्यादा गेंदों का सामना नहीं कर पा रहे हैं। इंग्लैंड के जोफ्रा आर्चर और मार्क वुड 145 से 155 किमी की रफ्तार से गेंद डालते हैं जिनकी गति सैमसन के लिए परेशानी का कारण बन गई है।

रिंकू सिंह की कमर की तकलीफ के कारण सातवें नंबर पर ध्रुव जुरेल को उतारा गया, लेकिन वह इस फॉर्मेट में फिट नहीं हो पा रहे। ऐसे में कोच गौतम गंभीर और कप्तान सूर्यकुमार यादव को सोचना होगा कि क्या अब रमनदीप सिंह को मौका देना चाहिए। रमनदीप सिंह एक फिनिशर होने के साथ बेहतर तेज गेंदबाज हैं।

वहीं मिडिल ऑर्डर भारत के लिए बड़ा

परेशानी का सबब बना हुआ है। भारत का मिडिल ऑर्डर इंग्लैंड के लेग स्पिनर आदिल रशीद का सामना नहीं कर पा रहा है। वहीं शिवम दुबे, जिन्हें नितीश रेड्डी के चोटिल होने पर टीम में जगह मिली है, उन्हें मौका देना बनता है। दुबे स्पिन के सामने बड़े छक्के लगाने में माहिर हैं। ऐसे में अब ये देखना दिलचस्प होगा कि दुबे को मौका मिलता है या नहीं।

साथ ही तीसरे टी20 में लेफ्ट आर्म तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह को रेस्ट दिया गया था।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

भारत : सूर्यकुमार यादव (कप्तान), संजू सैमसन, अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, रमनदीप सिंह, शिवम दुबे, हार्दिक पंड्या, वरुण चक्रवर्ती, रवि बिश्नोई, वाशिंगटन सुंदर, अर्शदीप सिंह

इंग्लैंड : जोस बटलर (कप्तान), बेन डकेट, फिल साल्ट, हैरी ब्रूक, लियाम लिविंगस्टोन, जेमी स्मिथ, जेमी ओवरटन, ब्रायडन कार्स, जोफ्रा आर्चर, आदिल राशिद, मार्क वुड।

नतीजन टीम इंडिया को हार झेलनी पड़ी। ऐसे में अब एक सवाल ये भी है कि क्या अर्शदीप सिंह को मोहम्मद शमी की जगह वापस लाया जाए। मोहम्मद शमी काफी समय बाद टीम में लौटे हैं और राजकोट में उन्होंने अच्छी वापसी की है।

नर्मदा ने 10 मीटर एयर राइफल में जीता गोल्ड, राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी तोड़ा

देहरादून (एजेंसी)। विश्व कप की पूर्व विजेता नर्मदा नितिन राजू ने यहां 38वें राष्ट्रीय खेलों में महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने के दौरान एशियाई खेलों की पदक विजेता रमिता जिंदल और ओलंपियन इलावेनिल वालारिवन सहित कई मजबूत निशानेबाजों को मात देते हुए राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया और विश्व रिकॉर्ड की बराबरी करने से महज एक अंक के दशमलव से आगे के हिस्से से चूक गईं।

तमिलनाडु का प्रतिनिधित्व कर रहीं नर्मदा ने 8 निशानेबाजों के फाइनल में 254.4 के स्कोर के साथ पोडियम में शीर्ष स्थान हासिल किया तथा महाराष्ट्र की आर्या बोरसे (252.5) और रमिता (230.4) को पछाड़ा। इस प्रक्रिया में उन्होंने ओलंपियन अपूर्वी चंदेला के नयी दिल्ली में 2019 विश्व कप में बनाए गए 252.9 के राष्ट्रीय रिकॉर्ड को तोड़ दिया। इस स्पर्धा का विश्व रिकॉर्ड 254.5 अंक का है जो पिछले साल नयी दिल्ली में आईएसएसएफ विश्व कप फाइनल में चीन की हुआंग युटिंग ने बनाया था।

नर्मदा ने 2023 काहिरा विश्व कप में रुद्राक्ष पाटिल के साथ मिलकर 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता था और इसी साल भोपाल में विश्व कप में कांस्य पदक जीता था। इसके बाद से यह 23 वर्षीय निशानेबाज की इस स्पर्धा में यह तीसरी सबसे बड़ी उपलब्धि है। नर्मदा बुधवार को क्वालीफिकेशन दौर में तीसरे स्थान पर रही थीं। आत्मविश्वास से भरी इस निशानेबाज ने फाइनल में अपने अधिक प्रतिष्ठित प्रतिद्वंद्वियों पर दबदबा बनाने के लिए शानदार स्कोर बनाए।

वॉन ने दी सूर्यकुमार को सलाह, हर गेंद पर शॉट न लगायें

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर माइकल वॉन ने भारतीय टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव को अपना फार्म हासिल करने के लिए विकेट पर टिककर खेलने की सलाह दी है। वॉन ने कहा कि हर गेंद पर शॉट नहीं लगाया जा सकता और ये बात सूर्यकुमार को समझनी होगी। वान ने कहा कि उन्हें अपनी बल्लेबाजी में संतुलित रवैया अपनाना होगा। सूर्यकुमार इंग्लैंड के खिलाफ तीनों ही टी20 मैचों में रन नहीं बना पाये हैं। इसी को लेकर वॉन ने कहा कि सूर्यकुमार मैदान पर उतरते ही चौके , छक्के लगाने के प्रयास में लग जाते हैं जिससे उन्हें नुकसान हो रहा है। इसलिए उन्हें शॉट लगाने से पहले क्रीज पर कुछ समय बिताना चाहिये। सूर्यकुमार अब तक इस सीरीज में बल्लेबाजी के दौरान एक बार भी 20 रन तक नहीं बना पाये हैं। उसके आउट होने का मुख्य कारण गलत समय पर आक्रामक शॉट लगाना रहा है, या तो गेंद को पीछे की तरफ ले जाना या फिर हवा में गलत तरीके से मारना। वॉन ने कहा कि भारतीय टीम पावरप्ले में अधिक से अधिक रन बनाना चाहती है पर सूर्यकुमार को टीम में अपना पूरा योगदान देने के लिए अपनी भूमिका को बेहतर ढंग से निभाना चाहिये। वॉन ने कहा, लगातार कुछ मौकों पर वह काफी आसानी से आउट हो रहे हैं। जब आप कहते हैं कि हर समय आक्रामक रहें, तो इसका मतलब है कि सही गेंद का चयन करके आक्रामक होना चाहिये। आप हर गेंद को बाउंड्री पर नहीं मार सकते पर इस युग के कुछ खिलाड़ियों में इतना कौशल और प्रतिभा है कि उन्हें लगता है कि वे ऐसा कर सकते हैं जबकि संभव नहीं है। उन्होंने कहा, भारत के वापस आने के लिए और मुझे भरोसा है कि वे ऐसा करेंगे। इसके लिए सूर्यकुमार को यह कहने की जरूरत होगी, ठीक है, मुझे बस 15 गेंदें खेलनी हैं, खुद को तैयार करना है, मैदान के आयामों को देखना है।

अंडर-19 विश्व कप : सेमीफाइनल में भारत का पलड़ा इंग्लैंड पर भारी

कुआलालंपुर (एजेंसी)। भारतीय टीम अंडर 19 महिला टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में शुक्रवार को इंग्लैंड के खिलाफ उतरेगी तो टूर्नामेंट का अपना अपराजेय अभियान जारी रखना उसका लक्ष्य होगा। पहले मैच में मेजबान मलेशिया को दस विकेट से हराने के बाद भारत ने श्रीलंका को 60 रन से और बांग्लादेश को आठ विकेट से हराया। वहीं सुपर सिक्स चरण में स्कॉटलैंड को 150 रन से मात दी।

निक्की प्रसाद की कप्तानी वाली टीम के लिए स्कॉटलैंड के खिलाफ जी तृषा ने 59 गेंद में 110 रन बनाए जिसमें 13 चौके और चार छक्के शामिल थे। वहीं उनकी सलामी जोड़ीदार जी कमलिनी ने 42 गेंद में 51 रन की पारी खेली। तृषा टूर्नामेंट में पांच मैचों में 76.66 की औसत से 230 रन बना चुकी है। इंग्लैंड की बल्लेबाज डेविना पेरिन 131 रन बनाकर दूसरे स्थान पर है।

भारत ने स्कॉटलैंड को सिर्फ 58 रन पर आउट कर दिया था। आयुषी शुक्ला ने आठ रन देकर चार, वैष्णवी शर्मा ने पांच रन देकर तीन और तृषा ने छह रन देकर तीन विकेट लिए। वैष्णवी अब तक 12 और आयुषी दस विकेट ले चुकी हैं।

टीमें

भारत : निक्की प्रसाद (कप्तान), सानिया शाल्के, जी तृषा, जी कमलिनी, भाविका अहिरे, ईश्वरी अवासरे, मिथिला विनोद, जोशिता वीजे, सोनम यादव, पारुनिका सिसोदिया, केसरी धृति, आयुषी शुक्ला, अनंदिता किशोर, एमडी शबनम, वैष्णवी एस।

इंग्लैंड : एबी नोरग्रोव (कप्तान), फीबी ब्रेट, ओलिविया ब्रिसडेन, टिली कोर्टीन कोलमैन, ट्रूडी जॉनसन, कैटी जोंस, चार्लोस लैम्बार्ट, इव ओनील, डेविना पेरिन, जेमिमा स्पेंस, चार्लोट स्टब्स, अमृता सुरेनकुमार, पृषा थानावाला, एरिन थॉमस, ग्रेस थाम्पसन।

रणजी ट्रॉफी मैच में उमड़ी भीड़, सुरक्षा घेरा तोड़कर विराट के पास पहुंचा एक प्रशंसक

नई दिल्ली ।भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली एक दशक से अधिक समय बाद यहां के अरुण जेटली स्टेडियम में रणजी ट्रॉफी मैच खेलने पहुंचे। इस दौरान विराट को देखने भारी तादाद में लोग स्टेडियम पहुंच गये। प्रशंसकों की तादाद इतनी अधिक थी कि स्टैंड दर्शकों से खचाखच भरा नजर आया। प्रशंसक उनकी एक झलक पाने के लिए उमड़ पड़े। इसी दौरान एक प्रशंसक सुरक्षा घेरा तोड़कर मैदान पर विराट के पास पहुंचा और उनके पैर छुए। सुरक्षा अधिकारियों ने किसी प्रकार उसे वहां से हटाया।

यह घटना रेलवे की बल्लेबाज के 12वें ओवर में हुई। उस समय विराट दूसरी स्लिप पर फिल्डिंग कर रहे थे। जैसे ही एक प्रशंसक विराट के करीब पहुंचा स्टेडियम में मौजूद लोगों ने चिल्लाना शुरू कर दिया। सुरक्षाकर्मी इस व्यक्ति को हटाने के लिए दौड़े पर कोहली ने उन्हें शांत रहने का इशारा किया।

दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ ने कहा कि कोहली की वापसी पर लगभग 10,000 प्रशंसकों के आने की उम्मीद की थी पर उससे भी कहीं ज्यादा प्रशंसक आ गये। इस प्रकार की भीड़ रणजी ट्रॉफी में नही होती। अधिकारियों ने कहा कि स्टेडियम में मैच देखने के लिए 15,000 से अधिक प्रशंसक मौजूद हैं। इसका एक कारण कोई टिकट नही होना थी था। इस मैच में शुरुआत से ही दिल्ली के गेंदबाज हावी रहे और उन्होंने रेलवे के बल्लेजों को खुलकर खेलने का अवसर नहीं दिया।

आईपीएल में श्रेयस के साथ खेलने को लेकर उत्साहित हैं सूर्यांश

मुंबई । मुंबई के युवा ऑलराउंडर सूर्यांश शेडगे आजकल इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की तैयारियों में लगे हैं। सूर्यांश को पहली बार आईपीएल खेलने का अवसर मिला है। उन्हें गत वर्ष हुई मेगा नीलामी में पंजाब किंग्स ने खरीदा था। सूर्यांश आईपीएल में कप्तान श्रेयस अय्यर के साथ खेलने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इसे युवा क्रिकेटर ने घरेलू क्रिकेट में पिछले दिनों मुंबई की ओर सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में भी काफी अच्छा प्रदर्शन किया था। सूर्यांश ने फाइनल में ऑलराउंड प्रदर्शन करते हुए केवल 15 गेंद में नाबाद 36 रन बनाने के साथ ही 32 रन देकर एक विकेट भी लिया था। अय्यर की कप्तानी में सूर्यांश ने घरेलू क्रिकेट में खेला है। ऐसे में अब उनका मानना है कि अय्यर के आईपीलए में पंजाब किंग्स का कप्तान हाने से उन्हें खिलाड़ियों के साथ तालमेल बिठाने में सहायता मिलेगी। उन्होंने कहा, 'अगर आप पिछले कुछ साल में पंजाब किंग्स के रिकॉर्ड को देखें तो वे हमेशा नयी प्रतिभाओं में निवेश करते हैं और घरेलू क्रिकेट पर बारीकी से नजर रखते हैं। शेडगे ने कहा, 'मैं फेंचाइजी का हिस्सा बनकर उत्साहित हूं। अय्यर के कप्तान होने से मेरे लिऐ और भी आसान इसलिए रहेगा क्योंकि मैं उन्हें अच्छी तरह जानता हूं। वह टीम के कोच रिकी पोंटिंग के मार्गदर्शन में काम करने को लेकर खास तौर पर उत्साहित हैं। उन्होंने कहा, ' पोंटिंग महान खिलाड़ी हैं। संन्यास के बाद वह लगातार क्रिकेट से जुड़े रहे हैं। ऐसे में उनसे काफी कुछ सीखने को मिलेगा।

एफआईएच प्रो हॉकी लीग के भुवनेश्वर चरण में सलीमा की कप्तानी में उतरेगी भारतीय टीम

नई दिल्ली (एजेंसी)। 15 फरवरी से होने वाले एफआईएच प्रो लीग के भुवनेश्वर चरण के लिये भारत की 24 सदस्यीय महिला हॉकी टीम की कप्तानी सलीमा टेटे के पास ही रहेगी। इस टूर्नामेंट के लिए अनुभवी स्ट्राइकर वंदना कटारिया को भारतीय टीम में जगह मिली है जबकि युवा फॉरवर्ड सोनम को भी स्टैंडबाय खिलाड़ी के तौर पर शामिल किया गया है। भारतीय टीम को इस टूर्नामेंट में इंग्लैंड, नीदरलैंड, स्पेन और जर्मनी से दो दो मुकाबले खेलने हैं।

भारतीय टीम की उपकप्तानी नवनीत कौर के पास रहेगी। अनुभवी डिफेंडर निक्की प्रधान, ज्योति छत्री , मिडफील्डर बलजीत कौर और फॉरवर्ड मुमताज खान तथा रूतुजा डडास को भी टीम में जगह मिली है। टीम के मुख्य कोच हरेंद्र सिंह ने कहा है कि टीम में अनुभवी और

युवा खिलाड़ियों को शामिल किया गया है। ये शीर्ष स्तर के टूर्नामेंट के लिये सबसे जरुरी होता है। साथ ही कहा कि हमारा ध्यान संतुलित टीम पर रहा है जिसमें हर पोजिशन के लिये अच्छे विकल्प उपलब्ध हों।'' गोलकीपर बांवरी सोलंकी, डिफेंडर अक्षता ढेकाले और ज्योति सिंह, फॉरवर्ड साक्षी राणा, अन्नु और सोनम को भी स्टैंडबाय के रूप में शामिल किया गया है। स्टैंडबाय खिलाड़ी के तौर पर शामिल सोनम ने महिला हॉकी इंडिया लीग में शानदार प्रदर्शन किया और वह सबसे अधिक गोल करने वाले खिलाड़ियों की सूची में दूसरे स्थान पर रही थीं। हरेंद्र ने कहा ,'' हमें टीम की तैयारियों पर भरोसा है और हमारा मानना है कि यह विश्व की सर्वश्रेष्ठ टीमों के खिलाफ शानदार प्रदर्शन कर सकती है।''

भारतीय टीम : गोलकीपर = सविता और बिछू देवी खारीबाम डिफेंडर = सुशीला चानू, निक्की प्रधान, उदिता, ज्योति, इशिका चौधरी और ज्योति छत्री मिडफील्डर =वैष्णवी विठ्ठल फाल्के, नेहा, मनीषा चौहान, सलीमा टेटे , सुनेलिटा टोप्पो, लालरेम्सियामी, बलजीत कौर, शर्मिला देवी। फॉरवर्ड = नवनीत कौर, मुमताज खान, प्रीति दुबे, रूतुजा पिसाल, ब्यूटी डुंगडुंग, संगीता कुमारी, दीपिका और वंदना कटारिया।

सचिन तेंदुलकर फाउंडेशन समारोह में निदेशक के तौर पर शामिल हुई सारा

मुम्बई । सचिन तेंदुलकर फाउंडेशन (एसटीएफ) की ओर से बीते दिनों मुंबई के बॉम्बे क्लब में एक सामूहिक समारोह आयोजित किया गया था। इसमें सचिन तेंदुलकर की बेटी सारा तेंदुलकर फाउंडेशन में निदेशक की भूमिका में पहली बार शामिल हुई। इसमें सारा युवाओं से जुड़ने और उनकी आकांक्षाओं को पूरा करने में उनकी मदद करने पर केंद्रित नया एक नया दृष्टिकोण लेकर आई हैं। समारोह खत्म होने के कुछ दिन बाद सारा ने सोशल मीडिया पर समारोह की कुछ तस्वीरें शेयर की हैं। इसमें उनकी एक तस्वीर मां और पिता के साथ है। फाऊंडेशन समारोह को सचिन तेंदुलकर की पत्नी अंजलि तेंदुलकर ने भी संबोधित किया और भविष्य की योजनाओं पर बात की। समारोह में कई दिग्गज हस्तियां भी पहुंची थीं। मशहूर गायक शंकर महादेवन भी विशेष तौर पर पहुंचे। समारोह में सारा तेंदुलकर की दोस्त भी पहुंची थीं। सारा फाऊंडेशन समारोह के दौरान बेहद खुश दिखीं। फाऊंडेशन समारोह के अंत में सचिन ने फाऊंडेशन से जुड़ी एनजीओ के प्रतिनिधियों के साथ तस्वीरें भी शेयर की। सचिन ने फाऊंडेशन शुरू करने के कार्य और भविष्य की योजनाओं पर भी खुली बात की। बहरहाल, समारोह में कोल्डप्ले के मुख्य गायिक क्रिस मार्टिन विशेष तौर पर पहुंचे थे। फाउंडेशन की यात्रा पर विचार करते हुए सचिन ने कहा कि जब मैं आखिरी बार पवेलियन की ओर लौटा, तो मेरे मन में यह भाव था कि मेरी पारी अभी खत्म नहीं हुई है। अंजलि और मेरा यह सपना था कि जरुरतमंदों के लिए कुछ आसान किया जाए और युवा सपने देखने वालों को खुद पर विश्वास करने और उड़ान भरने में मदद की जाए। हमने महसूस किया कि विचार का अंकुरण इसे लागू करने से कहीं ज्यादा आसान था। आखिरकार ये फाऊंडेशन अस्तित्व में आया और अब हम अपना काम करते हुए आधा दशक पार कर चुके हैं, आगे भी ये सफलर इसी गति के साथ जारी रहेगा।

पार्थिव ने पंड्या की बल्लेबाजी के तरीके पर सवाल उठाये

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज पार्थिव पटेल ने ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या पर निशाना साधा है। पार्थिव ने कहा है कि पंड्या ने इंग्लैंड के बीच तीसरे टी20 में ठीक से स्ट्राइक रोटेट नहीं की । इस मैच में पंड्या ने हालांकि 40 रन निकले। इसके बाद भी पार्थिव ने उनकी बल्लेबाजी के तरीके पर नाराजगी जतायी है। इस पूर्व विकेटकीपर के अनुसार पंड्या ने बीच के ओवर्स में स्ट्राइक रोटेट नहीं की। उन्होंने कई बार एक रन लेने से इनकार किया। वह ज्यादा गेंदे खेले इसके कारण बाकी बल्लेबाजों पर दबाव बना। पार्थिव के मुताबिक टीम इंडिया को हार्दिक पंड्या के बल्लेबाजी के तरीके पर ध्यान देना चाहिये।

पार्थिव ने कहा , मैं समझता हूं कि जब आप अपना समय ले रहे हैं तो आप पिच की गति और उछाल से अभ्यस्त होना चाहते हैं पर आप जमने के लिए ही 20 से 25 गेंदें नहीं ले सकते। अगर आप ऐसा नहीं करते हैं। आप बड़े शॉट नहीं खेलना चाहते ये ठीक है पर आपको फिर भी स्ट्राइक रोटेट तो करते रहना होगा। आप लगातार तीन या चार डॉट बॉल नहीं खेल सकते हैं। पटेल ने कहा कि, आप पंड्या को 34 गेंदों में 40 रन बनाते हुए देख सकते हैं पर उनकी पारी की डॉट बॉल से अन्य बल्लेबाजों पर भी दबाव पड़ता हैं। इसलिए, मुझे लगता है कि ये कुछ ऐसा है जिसके बारे में प्रबंधन को सोचना होगा।

चैम्पियंस ट्रॉफी के प्रोमो में बर्फीली हवाओं के बीच बैठे दिखे धोनी

मुम्बई ।भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी 2025 के प्रोमो में एक नये अंदाज में नजर आये हैं। इस प्रोमो को देखकर प्रशंसक उत्साहित हैं। प्रोमो जब खुलता है तो दर्शक पाते हैं कि कैसे धोनी बर्फीली हवाओं के बीच बैठे हैं और चैम्पियंस ट्रॉफी पर बात करते नजर आते हैं। विज्ञापन में धोनी कहते हैं, जब मैं कप्तान था तो कूल रहना आसान था पर प्रशंसक बनकर आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी देखना आसान नहीं है। भले ही हमारी टीम मजबूत है पर एक मैच भी हार जाएं, तो बाहर हो जाएगी, ऐसे में तनाव होना ही है। इस तनाव ने तापमान इतना बढ़ा दिया है कि हर मैच करो या मरो का हो गया है। इस प्रोमो के दौरान दौरान धोनी को रैफरल लेते हुए भी दिखाया जाता है। तभी एक ट्रक आता है और बहुत सारी बर्फ धोनी पर डालकर चला जाता है। उक्त प्रोमो पर जमकर प्रशंसकों की काफी प्रतिक्रियाएं भी आयी हैं। जहां कई प्रशंसकों ने प्रोमो पर कैप्टन कूल लिखा तो कईयों ने धोनी की इस अदा की सराहना की है। वहीं एक प्रशंसक ने लिखा, चैम्पियंस ट्रॉफी के प्रचार वीडियो में महान धोनी अपने ब्रांड और कौशल का प्रदर्शन करते हुए दिखाई दे रहे हैं।

उस्मान ख्वाजा ने टेस्ट में लगाया दोहरा शतक, 38 की उम्र ऐसा करने वाले दूसरे ऑस्ट्रेलियाई बने

गाले (एजेंसी)। उस्मान ख्वाजा टेस्ट में दोहरा शतक लगाने वाले 38 साल या उससे अधिक उम्र के दूसरे ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी बनकर महान डोनाल्ड ब्रेडमैन के साथ अपना नाम दर्ज करा लिया। ऑस्ट्रेलियाई सलामी बल्लेबाज ख्वाजा ने गुरुवार को यहां श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट के दूसरे दिन टेस्ट क्रिकेट में अपना पहला दोहरा शतक लगाया। ख्वाजा श्रीलंका में दोहरा शतक लगाने वाले एकमात्र ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी भी हैं। इससे पहले उन्होंने कोलंबो में 2004 में जस्टिन लैंगर द्वारा बनाए गए 166 रनों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा था, जो श्रीलंका में किसी ऑस्ट्रेलियाई द्वारा बनाया गया सर्वोच्च स्कोर था।

वह 2006 में बांग्लादेश के खिलाफ जेसन गिलेस्पी के प्रसिद्ध 201 नाबाद के बाद एशिया में दोहरा शतक बनाने वाले पहले ऑस्ट्रेलियाई बन गए। टेस्ट में दोहरा शतक बनाने वाले अन्य खिलाड़ी मैथ्यू हेडन (चेन्नई में भारत के खिलाफ नाबाद 201), डीन जोन्स (1986 में मद्रास में बराबरी पर रहे टेस्ट में भारत के खिलाफ 210), ग्रेग चैपल (1980 में फैसलाबाद में पाकिस्तान के खिलाफ 235 और मार्क टेलर (1998 में पेशावर में पाकिस्तान के खिलाफ 334 नाबाद) हैं। ऑस्ट्रेलिया फिलहाल 482/3 पर बल्लेबाजी कर रहा है जिसमें ख्वाजा (208*) और डेब्यू करने वाले जोश इंगलिस (47*) मध्यक्रम में नाबाद हैं।

ऑस्ट्रेलिया ने पहले दिन बारिश के कारण समय से पहले खेल समाप्त होने के बाद 15 मिनट पहले खेल शुरू करके 330/2 से फिर से शुरुआत की। ख्वाजा और कप्तान स्टीव स्मिथ ने पिछली शाम को जहां से छोड़ा था, वहीं से आगे बढ़ते हुए तीसरे विकेट के लिए 266 रन की साझेदारी की जो श्रीलंका में ऑस्ट्रेलिया की सबसे बड़ी टेस्ट साझेदारी है। मेहमान टीम ने नॉन-स्ट्राइकर छोर पर रन आउट के एक मौके को चूकने के बाद ओवरथ्रो के जरिए 400 रन का आंकड़ा पार किया जिससे ख्वाजा 177 रन पर आउट होने से बचे। लेग स्पिनर जेफरी वेंडरसे ने 100वें ओवर में इस मैराथन साझेदारी को तोड़ा, जब श्रीलंका ने स्मिथ के खिलाफ [illegible] की मांग को सफलतापूर्वक खारिज कर दिया, जो 141 रन पर पैड पर लपके गए।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के अभिभाषण से शुरू होगा संसद का बजट सत्र

1 फरवरी को पेश होगा बजट, वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण का लगातार 8वां बजट

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद का बजट सत्र शुक्रवार से शुरू होगा। संसद के बजट सत्र से पहले गुरुवार को केंद्र सरकार ने सर्वदलीय बैठक बुलाई। यह बैठक संसद के एनेक्सी में आयोजित की गई। मीटिंग में आगामी केंद्रीय बजट पर केंद्र सरकार सभी दलों के साथ चर्चा की गई।

संसद के बजट सत्र की शुरुआत 31 जनवरी को पार्लियामेंट के जॉइंट सेशन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के अभिभाषण से होगी और फिर अगले दिन 1 फरवरी को आम बजट पेश किया जाएगा। सोमवार से लोकसभा और राज्यसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा शुरू हो जाएगी। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने विपक्षी नेताओं से अपील की कि वे संसद सत्र के दौरान सहयोग करें ताकि सदन में सुचारू रूप से चर्चा हो सके।

6 फरवरी को पीएम मोदी देंगे जवाब

बजट सत्र दो चरणों में होगा। पहला चरण 31 जनवरी से 13 फरवरी तक चलेगा। इसमें नौ बैठकें होंगी। पीएम मोदी छह फरवरी को राज्यसभा में बहस का जवाब दे सकते हैं। इसके बाद दोनों सदन 13 फरवरी तक स्थगित हो जाएंगे। सत्र का दूसरा चरण 10 मार्च को शुरू होगा जो 4 अप्रैल 2025 तक चलेगा।

16 बिल ला सकती है सरकार

बजट सत्र में सरकार ने वक्फ (अमेंडमेंट) बिल के अलावा तीन नए बिल को सूचीबद्ध किया है। वक्फ बिल पर बनी जॉइंट पार्लियामेंट्री कमेटी गुरुवार को अपनी रिपोर्ट स्पीकर ओम बिरला को सौंप दी है। इस सत्र में बजट और वक्फ बिल सहित कुल 16 बिलों पर कार्यवाही हो सकती है। इसमें से 12 बिल 2024 के मानसून और शीतकालीन सत्र में पेश किए जा चुके हैं। वहीं बजटीय प्रावधानों के फाइनेंस बिल सहित चार नए बिल इस सत्र में पेश हो सकते हैं। इसमें प्रोटेक्शन ऑफ इंट्रेस्ट इन एयरक्राफ्ट ऑब्जैक्ट्स,त्रिभुवन यूनिवर्सिटी बिल और इमिग्रेशन एंड फॉरेनर्स बिल शामिल हैं।

हनीप्रीत को डेरे की फुल पावर देगा राम रहीम, पावर ऑफ अटॉर्नी देने की तैयारी

सिरसा। राम रहीम के डेरा सच्चा सौदा के साढ़े 7 साल बाद सिरसा स्थित हेडक्वार्टर आने की बड़ी वजह सामने आई है। डेरे के टॉप सोर्सेज के मुताबिक राम रहीम डेरे की गद्दी को लेकर चल रहे विवाद के निपटारे के लिए यहां पहुंचा है। यह विवाद पहले राम रहीम के परिवार और मुख्य शिष्या हनीप्रीत के बीच चल रहा था। जिसके बाद परिवार विदेश चला गया। अब हनीप्रीत और डेरा मैनेजमेंट कमेटी के बीच विवाद चल रहा था। सूत्रों के मुताबिक विवाद को खत्म करने के लिए राम रहीम अपनी मुख्य शिष्या और मुंहबोली बेटी हनीप्रीत को डेरे की पावर दे सकता है। इसके लिए डेरे के मैनेजमेंट से लेकर फाइनेंस वगैरह तक की पावर ऑफ अटॉर्नी हनीप्रीत को दी जा सकता है। हालांकि डेरा मैनेजमेंट फिलहाल इसकी पुष्टि नहीं कर रहा है। डेरे से जुड़े सोर्सेज के मुताबिक डेरे की गतिविधियों को लेकर किसी बात पर तुरंत फैसला लेना होता है तो उसमें काफी परेशानी होती है। इसके लिए डेरा मैनेजमेंट कमेटी को राम रहीम के पैरोल पर आने का इंतजार करना पड़ता है। ज्यादा देरी होने पर डेरा कमेटी को जेल में राम रहीम से मिलना पड़ता है। हालांकि इसमें उन्हें काफी परेशानी होती है। हनीप्रीत को राम रहीम का सबसे करीबी और राजदार माना जाता है। ऐसे में डेरे मे आंतरिक तौर पर भी यह चर्चा है कि हनीप्रीत को डेरे की कमान सौंपी जा सकती है।

रेप के आरोप में कांग्रेस सांसद राकेश राठौर गिरफ्तार

सीतापुर। उप्र के सीतापुर से कांग्रेस के सांसद राकेश राठौर को बलात्कार के आरोप में बृहस्पतिवार को उनके आवास से गिरफ्तार कर लिया गया। राठौर इलाहाबाद उच्च न्यायालय से अपनी अग्रिम जमानत याचिका खारिज होने के बाद अपने आवास पर संवाददाता सम्मेलन कर रहे थे। इसी दौरान कोतवाली नगर पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। सांसद की गिरफ्तारी की खबर में मिलने पर काफी संख्या में उनके समर्थक कोतवाली परिसर के बाहर जमा हो गए हैं। पुलिस के मुताबिक, सांसद राठौर को न्यायिक प्रक्रिया के तहत गिरफ्तार किया गया है और आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। कांग्रेस सांसद राकेश राठौर के खिलाफ इसी महीने 15 जनवरी को एक महिला से शादी का झांसा देकर बलात्कार करने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की गई है। महिला ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया है कि राठौर ने शादी का झांसा देकर उसके साथ कई बार बलात्कार किया है। महिला ने अपनी शिकायत में कहा है कि राठौर पिछले चार साल से उससे शादी करने और उसे राजनीतिक करियर बनाने का झांसा देकर उससे बलात्कार कर रहे थे। इस मामले में स्थानीय अदालत से जमानत याचिका खारिज होने के बाद सांसद राठौर ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय का रुख किया था मगर वहां से भी उन्हें राहत नहीं मिली। उसके बाद इस मामले में उनकी गिरफ्तारी का रास्ता साफ हो गया था। एसपी चक्रेश मिश्रा ने बताया है कि सांसद की गिरफ्तारी उनके आवास से कोतवाली पुलिस ने की है।

बाहुबली अनंत सिंह को जमानत के लिए करना होगा इंतजार

पटना। मोकामा के बाहुबली अनंत सिंह को एमपीएमएल कोर्ट से गुरुवार को राहत नहीं मिली है। गोलीबारी कांड में सिंह को अदालत से जमानत के लिए अभी इंतजार करना होगा। सिंह की जमानत अर्जी पर सुनवाई के दौरान अदालत ने पटना पुलिस से केस डायरी मांगी है। अदालत से जमानत नहीं मिलने पर फिलहाल सिंह को जेल में ही रहना होगा। अब तय है कि अदालत केस डायरी को देखने के बाद ही सिंह की याचिका पर अगला आदेश देगी। पटना सिविल कोर्ट के वकील दिनकर दुबे ने कहा कि गोलीबारी के मामले में बाहुबली सिंह की जमानत याचिका पर सुनवाई हुई है। अदालत ने मामले की सुनवाई कर केस डायरी की मांग की है और अगली सुनवाई केस डायरी आने के बाद होगी। पूर्व विधायक सिंह के वकील सुनील कुमार ने नियमित जमानत अर्जी एमएमएलए कोर्ट में दायर की थी। अनंत सिंह अदालत में आत्मसमर्पण करने के बाद 24 जनवरी 2025 से जेल में बंद हैं। बाढ़ से मामला स्थानांतरित होकर पटना की विशेष अदालत में आया था। छोटे सरकार' के नाम से मशहूर सिंह एक बाहुबली नेता हैं, जिन्होंने बिहार की मोकामा विधानसभा सीट का कई बार प्रतिनिधित्व किया है। उनकी पत्नी और मोकामा की मौजूदा विधायक नीलम देवी हाल ही में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) छोड़ मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली जनता दल-यूनाइटेड (जदयू) में शामिल हुई थीं।

लखनऊ में गिराए जाएंगे 81 अपार्टमेंट

लखनऊ। लखनऊ में अवैध तरीके से बने 81 अपार्टमेंट गिराए जाएंगे। इन सभी में एलडीए ने नोटिस लगा दी है। इन्हें 14 दिनों का नोटिस दिया गया है। इसके बाद गिराने का काम शुरू हो जाएगा। पहले दो अपार्टमेंट तोड़े जाएंगे। 83 अपार्टमेंट में लगभग 2,000 फ्लैट बने हैं। हाईकोर्ट के आदेश पर इन्हें गिराया जा रहा है। इनका निर्माण 2002 से 2012 के बीच में हुआ था। हाईकोर्ट में वर्ष 2012 में अवैध निर्माण पर एक पीआईएल दाखिल हुई थी, जिसमें 81 बिल्डिंग अवैध बनने की रिपोर्ट दी गई थी। एलडीए ने इन अपार्टमेंट के खिलाफ उस समय सीलिंग की कार्रवाई की थी। ध्वस्तीकरण का आदेश भी था लेकिन इमारतें तोड़ी नहीं जा सकीं।

दिहाड़ी मजदूरों ने वेतन की मांग को लेकर सीएम उमर के आवास के बाहर किया प्रदर्शन

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के वन्यजीव विभाग के दिहाड़ी मजदूरों ने गुरुवार को बेहतर वेतन और नियमित मासिक मजदूरी की मांग को लेकर मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के आवास के बाहर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि उन्हें अन्य विभागों की तुलना में कम वेतन मिल रहा है, इससे उनकी आजीविका प्रभावित हो रही है। प्रदर्शन के दौरान, मजदूरों ने मुख्यमंत्री से हस्तक्षेप की अपील की, ताकि उन्हें समय पर और बेहतर वेतन मिल सके। एक प्रदर्शनकारी नेता ने बताया कि 2017 में पिछले सरकार द्वारा जारी परिपत्र में मासिक वेतन 9,300 निर्धारित किया गया था, लेकिन उन्हें केवल 2,000-3,000 प्रति माह ही मिल रहा है, जो इस महंगाई में काफी कम है। प्रदर्शनकारियों ने बताया कि पहले विभाग में 1,500 दिहाड़ी मजदूर थे, लेकिन अब उनकी संख्या घटकर 750 रह गई है, और इनमें से किसी को भी नियमित मासिक वेतन नहीं दिया जा रहा है। वे अपनी दैनिक जरूरतों को पूरा करने में असमर्थ हैं, और उनके बच्चों की स्कूल फीस भी नहीं चुका पा रहे हैं।

राम मंदिर दर्शन को अयोध्या पहुंची लाखों की भीड़ सात दिनों में 18 लाख लोग पहुंचे राम मंदिर

अयोध्या (एजेंसी)। प्रयागराज में डुबकी लगाने के बाद श्रद्धालुओं ने अयोध्या का रुख किया है। यही वजह है कि यहां लाखों की संख्या में रोज श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। रामलला के दरबार में भक्तों की भीड़ को देखते हुए कि राममंदिर ट्रस्ट को व्यवस्थाएं बदलनी पड़ी। बीते सात दिनों में रामलला के दरबार में 18 लाख से अधिक श्रद्धालु पहुंच चुके हैं जबकि प्राण प्रतिष्ठा के बाद सात दिनों में करीब 16 लाख श्रद्धालु आए थे।

बीती 26 से 29 जनवरी के बीच औसतन रोजाना तीन लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने रामलला के दर्शन किए। श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए मंदिर सुबह पांच बजे से रात 11 बजे तक निरंतर खुल रहा है। इससे पहले मंदिर सुबह सात बजे से रात 9:30 बजे तक खुलता था। एसपी सुरक्षा बलरामाचारी दुबे ने बताया कि राममंदिर इन दिनों रोजाना 18 घंटे खुल रहा है। भीड़ नियंत्रण के लिए गेट नंबर तीन को भी खोल दिया गया है। अब श्रद्धालुओं की निकासी रामजन्मभूमि पथ के बजाय गेट नंबर तीन से ही हो रही है। एटीएस, सीआरपीएफ, पीएसी, पुलिस के जवान राममंदिर की सुरक्षा में लगे हैं। हाईटेक कंट्रोल रूम से 24 घंटे निगरानी की जा रही है। लाउड स्पीकार के माध्यम से श्रद्धालुओं को हर सुविधा की निरंतर जानकारी दी जा रही है। खोया पाया कैंप भी परिसर में स्थापित किया गया है। राममंदिर के ट्रस्टी डॉ अनिल मिश्र ने बताया कि ट्रस्ट के 200 स्वंय सेवक श्रद्धालुओं की सेवा में लगाए गए हैं। श्रद्धालुओं को पानी भी पिलाया जा रहा है। तीर्थ यात्री सुविधा केंद्र में बीमार श्रद्धालुओं का नि:शुल्क इलाज किया जा रहा है। ट्रस्ट की टीम 24 घंटे व्यवस्थाओं की मानीटरिंग कर रही है।

मनोज जरांगे करेंगे अनशन खत्म, अब बनाएंगे अलग रणनीति

बोले- मैं सीएम देवेंद्र फडणवीस को चैन से नहीं बैठने दूंगा

मुंबई (एजेंसी)। मराठा आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जरांगे ने कहा कि वह अपना अनिश्चितकालीन अनशन आज यानी गुरुवार को खत्म कर देंगे। उन्होंने आरक्षण की मांग को आगे बढ़ाने के लिए एक अलग रणनीति पर अमल करने का फैसला लिया है। जरांगे के अलावा महिलाओं समेत 104 कार्यकर्ताओं ने अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) श्रेणी के तहत मराठा समुदाय के लिए आरक्षण की मांग को लेकर 25 जनवरी से भूख हड़ताल शुरू की थी।

मनोज जरांगे ने आरक्षण के अलावा बीड जिले के मासाजोग गांव के सरपंच संतोष देशमुख की हत्या में शामिल लोगों के लिए मौत की सजा की मांग की है। संतोष देशमुख का 9 दिसंबर 2024 को अपहरण कर उन्हें प्रताड़ित किया गया और उनकी हत्या कर दी गई थी। मनोज जरांगे ने बुधवार रात कहा कि वह गुरुवार को अनशन वापस लेंगे, क्योंकि इसे आगे बढ़ने के लिए एक अलग रणनीति अपनाने का फैसला किया है।

सरकार को यह साफ करना चाहिए कि क्या उसका मराठा समुदाय को आरक्षण देने का इरादा है। मनोज जरांगे ने

महाराष्ट्र सीएम देवेंद्र फडणवीस पर मराठा समुदाय को गुमराह करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि वह सीएम फडणवीस से शाम तक अपना रुख स्पष्ट करने को कहा था लेकिन वह चुप रहे। मेरा अनशन इस बात से पर्दा उठाने के लिए था कि वास्तव में इस मुद्दे का समर्थन कौन करते हैं और कौन नहीं।

जरांगे ने कहा कि मैं सीएम को चैन से नहीं बैठने दूंगा। मराठा समुदाय अब जानता है कि गलती किसकी है। सत्ता में आने के बाद फडणवीस ने मराठों को धोखा दिया और आरक्षण के मुद्दे पर चुप रहे लेकिन मैं उन्हें नहीं छोड़ूंगा। महाराष्ट्र के अधिकारियों के मुताबिक इससे पहले दिन में बार-बार अनुरोध किए जाने के बावजूद उन्होंने नसों के जरिए से तरल पदार्थ लेने से इनकार कर दिया था। अनशन के पांचवें दिन उनकी सेहत बिगड़ गई। मनोज जरांगे ने लोगों के अनुरोध पर सोमवार रात को थोड़ा पानी पीना स्वीकार किया था। वह मंगलवार को भी संतोष देशमुख के परिवार के अनुरोध के बाद पानी पीने के लिए राजी हुए थे।

मनोज जरांगे उस मसौदा अधिसूचना के क्रियान्वयन की मांग कर रहे हैं, जिसमें कुनबी समुदाय को मराठा समुदाय के सदस्यों के 'सगे सोयरे' यानी रक्त संबंधी माना है ताकि उन्हें ओबीसी श्रेणी के तहत आरक्षण दिया जा सके। जरांगे ने शनिवार को उम्मीद जताई थी कि सीएम फडणवीस मराठा समुदाय की मांगों को मानेंगे। यह एक सितंबर 2023 के बाद से उनका सातवां अनिश्चितकालीन अनशन है। उस समय पुलिस ने अंतरवाली सराटी में प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज किया था।

तिहाड़ में तैयारी: तहव्वुर राणा को भारत लाने के लिए अमेरिका जाएगी एनआईए की टीम

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुंबई 26/11 हमले के आरोपी तहव्वुर राणा को भारत लाने की तैयारी लगभग पूरी हो गई है। आज गुरुवार को एनआईए की टीम राणा को लाने के लिए अमेरिका रवाना होगी। इधर तिहाड़ जेल में राणा को रखने की भी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक एनआईए ने गृह मंत्रालय को अधिकारियों के नाम सौंपे हैं और विदेश मंत्रालय को भी सूचित किया है। गृह मंत्रालय के एक सूत्र ने बताया कि एनआईए टीम वर्तमान में अमेरिकी अधिकारियों के साथ कॉर्डिनेट कर रही है। यह टीम विदेश मंत्रालय से यात्रा की अंतिम पुष्टि का इंतजार कर रही है। इस टीम में आईजी, डीआईजी रैंक के अधिकारी

शामिल हैं, जो तहव्वुर राणा की भारत वापसी की निगरानी करेंगे।

इस बीच दिल्ली जेल विभाग ने तिहाड़ जेल में उनकी हिरासत के लिए तैयारियां शुरू कर दी हैं। भारत आने के बाद आतंकी राणा को एक उच्च-सुरक्षा वार्ड में रखा जाएगा, जहां उसके सेल में उसकी गतिविधियों की निगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। तहव्वुर राणा पाकिस्तानी मूल का कनाडाई नागरिक है। उसके ऊपर 2008 के मुंबई आतंकवादी हमलों में शामिल होने का आरोप है, जिसमें 166 लोग मारे गए थे। इस मामले में वह दोषी करार है। उसे पाकिस्तानी-अमेरिकी आतंकवादी डेविड कोलमैन हेडली से जोड़ा गया था, जो हमले के मास्टरमाइंड में से एक था। आतंकी राणा के प्रत्यर्पण को उसके कानूनी चुनौतियों के खारिज होने के बाद मंजूरी दी गई, जिसमें अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने 21 जनवरी को उनकी याचिका को खारिज कर दिया। अमेरिकी सरकार ने तर्क दिया कि राणा को प्रत्यर्पण से राहत नहीं मिलनी चाहिए। अमेरिकी सॉलिसिटर जनरल एलिजाबेथ बी प्रेलोगर ने कहा कि राणा को इस मामले में कोई और कानूनी उपाय नहीं मिलना चाहिए।

24 हफ्ते तक के गर्भपात के लिए कोर्ट की अनुमति जरूरी नहीं

-दुष्कर्म पीड़िता के मामले में मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने सुनाया फैसला

भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा कि दुर्व्यवहार पीड़िताओं के लिए 24 हफ्ते तक के गर्भपात (एमपीटीपी) के लिए कोर्ट की अनुमति की जरूर नहीं। यह फैसला एक दुष्कर्म पीड़िता के मामले में दिया गया, जिसका गर्भ 6-7 हफ्ते का था। कोर्ट ने एमपीटीपी के लिए दिशा-निर्देश भी जारी किए हैं। अगर गर्भकाल 20 हफ्ते या उससे कम है तो एक रजिस्टर्ड डॉक्टर एमपीटीपी कर सकता है। 20 से 24 हफ्ते के बीच के गर्भकाल के लिए दो रजिस्टर्ड डॉक्टरों की जरूरत होगी। 24 हफ्ते से ज्यादा के गर्भपात मामलों में ही हाईकोर्ट का अधिकार क्षेत्र आता है, जो कानूनी तौर पर प्रतिबंधित है।

न्यायमूर्ति विशाल धगत की पीठ ने यह दिशा-निर्देश दिए। यह मामला एक दुर्व्यवहार पीड़िता का था, जिसका गर्भ 6-7 हफ्ते का था। कोर्ट ने कहा कि संबंधित थाने का एसएचओ पीड़िता की गर्भावस्था की मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर उसे जिला अदालत भेजेगा ताकि वे जल्द अपनी रिपोर्ट जमा कर सकें। यह रिपोर्ट इस बारे में होगी कि पीड़िता का गर्भपात किया जा सकता है या नहीं।

हाईकोर्ट ने यह भी कहा कि जिला अदालत मेडिकल रिपोर्ट मिलने के बाद पीड़िता और उसके माता-पिता को सूचित करेगी। साथ ही सीधे नजदीकी हाईकोर्ट रजिस्ट्री को रिपोर्ट करेगी। रजिस्ट्री इसे एक रिट याचिका के रूप में दर्ज करेगी और मामले को तुरंत सूचीबद्ध करेगी ताकि गर्भपात के संबंध में बिना देरी के आदेश दिया जा सके। हाईकोर्ट के आदेश में यही लिखा है। इस मामले में अदालत ने देखा कि भ्रूण 6-7

हफ्ते का है। इसलिए एमटीपी मेडिकल कॉलेज में किया जा सकता है। कोर्ट ने कहा कि आदेश की एक प्रति महाधिवक्ता के कार्यालय, महानिबंधक और चिकित्सा एवं स्वास्थ्य के प्रमुख सचिव को अनुपालन के लिए भेजी जाए। इस फैसले से दुर्व्यवहार पीड़िताओं को तुरंत मदद मिल सकेगी।

सीएम मान के आवास पर दिल्ली पुलिस की रेड, आतिशी ने जताया विरोध

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने गुरुवार को दावा किया कि दिल्ली पुलिस ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के दिल्ली स्थित आधिकारिक आवास कपूरथला हाउस पर छापा मारा है। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट करते हुए कहा, कि बीजेपी कार्यकर्ता खुलेआम पैसे, जूते और चद्दर बांट रहे हैं, लेकिन उन पर कोई कार्रवाई नहीं हो रही। इसके विपरीत, एक चुने हुए मुख्यमंत्री के निवास पर पुलिस की रेड की जा रही है। आतिशी ने कहा, कि दिल्ली की जनता आगामी 5 फरवरी को इस कार्रवाई का जवाब देगी।

यहां आम आदमी पार्टी ने गुरुवार को कहा कि चुनाव आयोग की एक टीम तलाशी के लिए पंजाब के मुख्यमंत्री भगवान मान के दिल्ली स्थित कपूरथला हाउस आवास पर पहुंची है। यहां बताते चलें कि बुधवार को दिल्ली पुलिस ने पंजाब सरकार' के स्टिकर लगा एक वाहन पकड़ा था। वाहन में कैश, शराब और आम आदमी पार्टी (आप) के पर्चे होने की बात कही गई है। पुलिस ने इस पर मामला दर्ज कर जांच शुरु की है। इससे संबंधित जानकारी एक अधिकारी ने मीडिया को दी है। उक्त आधिकारिक सूत्र का कहना है कि चुनाव आयोग के पोर्टल के माध्यम से एक शिकायत मिली थी, जिसमें आरोप लगाया गया कि कपूरथला हाउस से नकद राशि वितरित की जा रही है। इसी आधार पर जांच करने के लिए पुलिस की एक टीम वहां पहुंची।

बताया गया है कि चुनाव आयोग की फ्लाइंग स्क्वॉड टीम (एफएसटी) ने मामले की जांच करने के लिए 03 लोगों को अंदर जाने की अनुमति मांगी है। इस टीम में एक कैमरापर्सन और दो चुनाव अधिकारी शामिल हो सकते हैं।

रिटर्निंग ऑफिसर ओपी पांडेय ने इस संबंध में जानकारी देते हुए कहा कि शिकायत मिलने के बाद एफएसटी टीम भेजी गई थी, लेकिन उन्हें अंदर प्रवेश नहीं मिला। इसलिए मैं स्वयं यहां पहुंचा हूं। हमें इस शिकायत को 100 मिनट के भीतर निपटाना होता है। हमारी टीम जांच कर जल्द ही लौट जाएगी।

राजनीतिक विवाद गहराया

इस घटना के बाद दिल्ली की राजनीतिक गलियारे में हलचल पैदा हो गई है। मुख्यमंत्री आतिशी के इस दावे के बाद आप और बीजेपी के बीच टकराव और बढ़ने की संभावना व्यक्त की जा रही है।

अडानी के खिलाफ अमेरिकी न्याय विभाग का अभियोग एक रणनीतिक भूल

-फोर्ब्स लेख में कहा- अमेरिका अपनी भू-राजनीतिक स्थिति को कर रहा कमजोर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय अरबपति गौतम अडानी के खिलाफ अमेरिकी न्याय विभाग (डीओजे) का अभियोग एक रणनीतिक भूल है। इसके गंभीर भू-राजनीतिक परिणाम होंगे। भारत में एक दूरगामी अभियोग के साथ अमेरिका पश्चिम के गठबंधनों को नुकसान पहुंचाता है। यह बात फोर्ब्स में कही। एक लेख में लेखक मेलिक कायलन ने तर्क दिया कि अभियोग, जिसमें रिश्वतखोरी और वित्तीय गलतबयानी का आरोप लगाया गया है। ऐसे समय में भारत-अमेरिका संबंधों को नुकसान पहुंचाने का जोखिम है, जब चीन के बढ़ते प्रभाव का मुकाबला करने के लिए वाशिंगटन एक मजबूत गठबंधन की तलाश कर रहा है।

लेख में इस बात का भी जिक्र किया गया है कि भारत पश्चिम के लिए एक अहम भागीदार है, खासकर भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारा जैसी पहलों में एक परिवर्तनकारी बुनियादी ढांचा परियोजना, जिसे चीन की बेल्ट एंड रोड पहल को टक्कर देने के लिए बनाया गया है, लेकिन न्याय विभाग की कार्रवाई एक मोड़ पर आर्थिक सहयोग और विश्वास को कमजोर करती है, जो संभावित रूप से भारत को रूस और चीन के करीब ले जाती है।

फोर्ब्स के मुताबिक ऐसा करके अमेरिका अनजाने में अपनी भू-राजनीतिक स्थिति को कमजोर कर रहा है, जिससे उसके प्रतिद्वंद्वी अपने प्रभाव को मजबूत कर रहे हैं। लेख में तर्क दिया गया है कि यह अभियोग पश्चिमी अतिक्रमण का एक और उदाहरण प्रस्तुत करता है, जहां अमेरिकी सीमा-पार कानूनी कार्रवाइयां वैश्विक साझेदारी को बाधित करती हैं।

लेख में चिंता जताते हुए कहा गया है कि ऐसे कदमों से अमेरिका और यूरोप अपने सहयोगियों को कमजोर कर रहे हैं और उनके विरोधी आर्थिक, सैन्य और तकनीकी रूप से आगे बढ़ रहे हैं। लेखक ने साफ कहा है कि वे बीजिंग में हंस रहे होंगे। सारांश के रूप में लेख में कहा गया अडानी के खिलाफ न्याय विभाग की कार्रवाई न केवल एक कानूनी निर्णय है, बल्कि एक कूटनीतिक गलत अनुमान है, जो ऐसे समय में भारत को अलग-थलग करने का जोखिम उठाता है, जब वैश्विक स्थिरता के लिए पश्चिम के साथ उसका गठबंधन अहम है।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित। **संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह** (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह.** 9334331934, 9386895799, 9507466535, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**